हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

55 लोगों की मौत
133 भारतीयों समेत
463 लापता

- नेपाल के रसुवा जिले में भोटे कोशी नदी में अचानक आई बाढ़
- घर, पुल और सड़कें बह गईं, कई इलाकों का संपर्क टूटा इंफ्रास्ट्रक्चर को भी भारी नुकसान
- रेस्क्यू ऑपरेशन तेज नेपाली सेना और सुरक्षा बल तैनात, लापता लोगों की तलाश जारी
- चीन-नेपाल बॉर्डर इलाके के गांवों में मिट्टी खिसकने से हुआ भारी नुकसान

तिब्बत से आई तबाही
नेपाल में 'जलजला'

सैलाब का भयानक मंजर

एजेंसी ▶▶ काठमांडू /नई दिल्ली

नेपाल के रसुवा क्षेत्र स्थित भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में बुधवार सुबह आई विनाशकारी फ्लैश फ्लड (अचानक आई बाढ़) ने भारी तबाही मचाई है। इस जलप्रलय में अब तक 55 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 133 भारतीयों सहित 463 लोग लापता हैं। कैलाश यात्रा पर गए 31 यात्री भी लापता हैं। आपदा की गंभीरता को देखते हुए नेपाल सरकार ने बचाव अभियान में 15 हेलिकॉप्टर तैनात किए हैं। रसुवा, नुवाकोट, धादिंग और चितवन जिलों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से फोन पर बात कर शोक जताया और भारत की ओर से हरसंभव मानवीय सहायता देने का भरोसा दिया है। राहत सामग्री और रेस्क्यू टीमों को भेजने के लिए भारतीय वायुसेना के सी-17 और सी-130जे विमानों को भेजा गया है। बाढ़ के कारण नेपाल की 13 जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। नेपाल से पानी छोड़े जाने के कारण उत्तर प्रदेश और बिहार के सीमावर्ती इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर और महाराजगंज समेत सीमावर्ती जिलों में एनडीआरएफ की 11 टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

मदद के लिए आगे आए पीएम नरेंद्र मोदी, पीएम बालेन शाह से बात की, एआईएफ के सी-17 और सी-130 विमान भेजे

- **यूपी और बिहार के कई जिलों में अलर्ट जारी शाह ने की सम्राट चौधरी से बात**
- **बिहार के सीमावर्ती इलाकों में एनडीआरएफ एसडीआरएफ हाई अलर्ट मोड पर**

तिनके की तरह घर और होटल ढहे

पीएम मोदी ने बंधाया ढाढस
मुश्किल वक्त में नेपाल के साथ खड़ा है भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बात कर जान-माल के नुकसान पर शोक जताया और भारत की ओर से हरसंभव मानवीय सहायता का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में भारत के लोग नेपाल के अपने भाई-बहनों के साथ मजबूती से खड़े हैं। भारतीय टीमें राहत और बचाव प्रयासों के लिए नेपाल के अधिकारियों के साथ करीबी समन्वय कर रही हैं।

कैलाश मानसरोवर जा रहे करीब 400 तीर्थयात्रियों से संपर्क टूटा

नेपाल के रसुवा जिले में अचानक आई बाढ़ के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे करीब 400 तीर्थयात्री संपर्क से बाहर हो गए हैं। ये तीर्थयात्री चीन के तिब्बत क्षेत्र में स्थित कैलाश मानसरोवर जाने की तैयारी में थे और उन्हें बुधवार को नेपाल-चीन सीमा पार करनी थी। इनमें कुल 390 तीर्थयात्रियों में 93 नेपाली शामिल हैं और बाकी ज्यादातर भारतीय हैं। बाढ़ से रसुवागढ़ी इलाके में सड़क और दूसरे जरूरी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

लापता लोगों पर नेपाल पर्यटन के आंकड़े

नेपाल पर्यटन बोर्ड की प्रारंभिक सूची में भोटे कोशी नदी में अचानक आई बाढ़ के बाद कुल 384 पर्यटकों और यात्रियों के लापता होने की सूचना है।

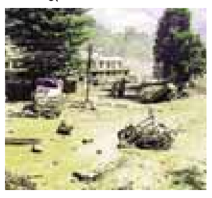

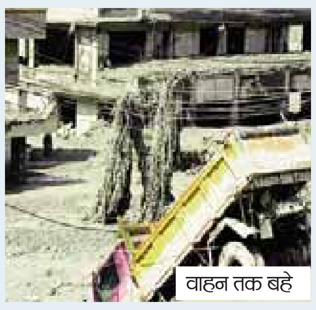

वाहन तक बहे

नेपाल में बाढ़ के तीन मुख्य कारण

1. भूकंप के कारण ल्हेन्दे नदी का रुकना और टूटना

▶▶ अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के अनुसार बुधवार सुबह करीब 8:37 बजे तिब्बती क्षेत्र में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। इसके असर से हुए बड़े हिमस्खलन ने ल्हेन्दे नदी के बहाव को अचानक रोक दिया। जब यह प्राकृतिक अवरोध टूटा, तो पानी का विशाल रेला आगे बढ़कर नेपाल की भोटेकोशी नदी में तबाही मचाने लगा।

2. हिमताल विस्फोट

▶▶ इस क्षेत्र में कई बड़े हिमताल (ग्लेशियर झीलें) मौजूद हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि हिमस्खलन के प्रभाव से किसी बड़े हिमताल में विस्फोट हुआ, जिससे लाखों क्यूसेक पानी एक साथ बह निकला। जुलाई 2025 में भी इसी ल्हेन्दे नदी में हिमताल विस्फोट के कारण ऐसी ही फ्लैश फ्लड आई थी।

3. भारी बारिश नहीं थी वजह

▶▶ मौसम विभाग ने साफ किया है कि मंगलवार और बुधवार को इलाके में कोई भारी बारिश दर्ज नहीं की गई थी। बिना बारिश के अचानक नदी का जलस्तर विकराल होना साबित करता है कि ऊपरी हिस्से में कोई बड़ा प्राकृतिक बांध या ग्लेशियर झील टूटी है।

हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
सामान्य कूपन
27 अगस्त 2026
कूपन नं.
13

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

विवाद के बाद कंपनी ने वापस लिया कृति का रक्षाबंधन एड

नई दिल्ली। ज्वेलरी ब्रांड जीआईवीए ने भारी विवाद के बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन का रक्षाबंधन वाला विज्ञापन सभी

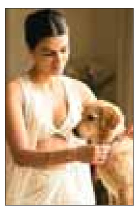

मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा लिया है। इस विज्ञापन में कृति के पहनावे और कुत्ते को राखी बांधने के दृश्य पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं के सम्मान में विज्ञापन को वापस लेने का फैसला किया गया है। उनका मकसद पालतू जानवरों के प्रति प्रेम दर्शाना था।

मप्र में बेरोजगारी दर सबसे कम, चंबल औद्योगिक प्रगति से बना रहा है नई पहचान
यहां निवेश मेड इन एमपी, फेथ इन एमपी का उत्कृष्ट उदाहरण

सीएम ने मालनपुर में किया गोदरेज की चौथी नवीन एकीकृत विनिर्माण इकाई का शुभारंभ

गोदरेज के 450 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश से चंबल के विकास को मिलेगी नई गति, 600 लोगों को मिलेगा प्रत्यक्ष रोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रसिद्ध औद्योगिक प्रक्षेत्र मालनपुर में गोदरेज की चौथी नई एकीकृत विनिर्माण इकाई का शुभारंभ उद्योग जगत के मप्र पर दिनों-दिन बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि चंबल अब तेजी से बदल रहा है। प्रदेश में हो रही औद्योगिक प्रगति में चंबल अपने इतिहास को पीछे छोड़कर अब पूरी क्षमता से अपनी एक नई पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि गोदरेज के 450 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश से चंबल के विकास को मिलेगी नई गति, 600 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को भिंड जिले के औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की चौथी नवीन एकीकृत औद्योगिक (विनिर्माण) इकाई का शुभारंभ किया। गोदरेज ग्रुप की ओर से लगभग 450 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश से स्थापित यह इकाई मप्र में बढ़ते औद्योगिक विश्वास और ग्वालियर-चंबल अंचल में बदलते निवेश परिदृश्य का महत्वपूर्ण प्रतीक है। गोदरेज की इस चौथी नई एकीकृत विनिर्माण इकाई में 600 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री और भिंड जिले के प्रभारी मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि गोदरेज के विस्तार से मालनपुर के स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

जीआईएस -25 में मिले 30 प्रतिशत निवेश प्रस्ताव अब उतर रहे धरातल पर

उद्घाटन करते सीएम

मप्र से 76 हजार करोड़ रुपए के उत्पादों का निर्यात हमारी बढ़ती क्षमता का प्रतीक

दो महीने के अंदर तीसरी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में पिछले करीब दो महीने में तीसरी औद्योगिक ईकाई का शुभारंभ हो रहा है। पहले गुना में लगभग 1500 करोड़ के निवेश से सीमेंट प्लांट, शिवपुरी में डिफेंस सेक्टर के मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट और बुधवार को मालनपुर में 450 करोड़ के निवेश से गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की नई यूनिट का शुभारंभ हुआ है। एशिया की सबसे बड़ी साबुन फैक्ट्री अब मालनपुर में है, यहां प्रति मिनट 4000 साबुन तैयार हो सकते हैं।

निसाबा गोदरेज ने कहा-अब तक कुल 850 करोड़ का निवेश

गोदरेज ग्रुप की एग्जिक्यूटिव चेयरपर्सन सुश्री निसाबा गोदरेज ने कहा कि मालनपुर में हमारे मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में अब तक कुल 850 करोड़ का निवेश हो चुका है, जहां साबुन, हेयर कलर्स, घरेलू कीटनाशकों आदि का निर्माण होता है।

यह क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत केंद्र बन रहा : तोमर

विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में लगातार निवेश आ रहा है। भिंड जिले में हाइड्रोजन तैयार करने के लिए प्लांट का शिलान्यास भी हो चुका है। मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र से प्रधानमंत्री मोदी के मेक इन इंडिया का संकल्प पूरा हो रहा है। यह क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत केंद्र बन रहा है। मुरैना शहर में सरसो की पिराई की ईकाई बड़ी संख्या में है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ आसिफ मलवारी ने कहा कि इस प्लांट का निर्माण अत्याधुनिक ऑटोमेशन और डिजिटाइजेशन के साथ किया गया है।

ऐसे फंसी थी स्कूल वैन

देवास में पानी भरे अंडरपास में बच्चों से भरी मैजिक उतारी
मैजिक चालक को भेजा गया जेल स्कूल संचालक पर भी केस दर्ज

नौनिहालों की जान जोखिम में डालने पर मुख्यमंत्री सख्त, बोले विद्यार्थियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देवास के राजाराम नगर रेलवे अंडरपास में जलभराव के बावजूद बच्चों से भरी स्कूल मैजिक उतारने के मामले को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लेने के बाद जिला प्रशासन और पुलिस को लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस ने मैजिक चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जबकि स्कूल संचालक के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया है।

मंगलवार सुबह सिटी कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों को लेकर एक मैजिक राजाराम नगर रेलवे अंडरपास पहुंची।

बीएनएस की धारा और मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं में केस

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस ने मामले में सख्ती दिखाते हुए मैजिक चालक के खिलाफ सिविल लाइन थाने में बीएनएस की धारा 281, 285 और मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मैजिक वाहन भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने स्कूल संचालक के खिलाफ भी बीएनएस की धारा 223 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक स्कूल प्रबंधन को समय-समय पर स्कूल वाहनों के संचालन, चालकों के चरित्र सत्यापन, वाहन की वैधता, फिटनेस और अन्य जरूरी दस्तावेजों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाते रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया मॉडल... पीएम कुसुम योजना के तहत प्रदेश के 32 लाख किसानों को रियायती दरों पर सोलर पंप देने का लक्ष्य

अन्नदाता अब ऊर्जादाता; भारी खर्च से मुक्ति, खेतों को मिलेगी 24 घंटे निर्बाध बिजली

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से उठाएं सस्ती बिजली का लाभ

भोपाल

मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग से बड़ी क्रांति की शुरुआत की है। सरकार नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के माध्यम से किसानों को ऊर्जादाता बना रही है। इसके लिए सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना शुरू की गई है।
यह योजना किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का बड़ा माध्यम बनी है। इसके तहत कृषि फीडरों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया मॉडल स्थापित हो रहा है। सौर ऊर्जा अभियान के तहत पीएम कुसुम योजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत प्रदेश के 32 लाख किसानों को रियायती दरों पर आधुनिक सोलर पंप दिए जाएंगे। राज्य सरकार ने अगले 3 वर्षों में 30 लाख सोलर पंप देने की विशेष कार्ययोजना को मंजूरी दी है।
इसके तहत हर साल 10-10 लाख सोलर पंप कनेक्शन दिए जाएंगे। इस कदम से किसानों को भारी बिजली बिलों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, ट्रांसफार्मर खराब होने की समस्या भी खत्म हो जाएगी।

मात्र 5 रुपये में... किसानों को मिलेगा स्थाई बिजली कनेक्शन और साथ में सब्सिडी भी

किसानों की सहूलियत के लिए ऊर्जा विभाग मात्र 5 रुपये में बिजली का स्थाई कनेक्शन दे रहा है। वर्तमान में किसानों को हर दिन 10 घंटे निर्बाध बिजली दी जा रही है। अटल कृषि ज्योति योजना के तहत 10 हॉर्सपावर तक के किसानों को बिजली बिल में भारी सब्सिडी मिल रही है। अनुसूचित जाति और जनजाति के छोटे किसानों को 5 हॉर्सपावर तक के पंप पर पूरी तरह मुफ्त बिजली दी जा रही है। सरकार का अंतिम लक्ष्य किसानों को खेतों के लिए 24 घंटे निर्बाध बिजली देना है। इससे सिंचाई की लागत बहुत कम हो जाएगी।

सौर ऊर्जा से अन्नदाता को मिलेगी बड़ी राहत

1. सोलर पंप मिलने से किसानों की डीजल और बिजली पर निर्भरता खत्म होगी, जिससे खेती की लागत में हर महीने बड़ी बचत होगी।
2. बेहद मामूली शुल्क पर परमानेंट बिजली कनेक्शन मिलने से छोटे और सीमांत किसानों पर शुरुआती बुनियादी खर्च का बोझ नहीं पड़ेगा।
3. एससी-एसटी वर्ग के 1 हेक्टेयर तक के किसानों को 5 हॉर्सपावर तक मुफ्त बिजली से सीधे आर्थिक राहत मिल रही है।
4. सोलर पंप और फीडर सुधरने से किसानों को रात के बजाय दिन में सुरक्षित और पर्याप्त सिंचाई करने का अवसर मिलेगा।

हर खेत तक पानी: सूक्ष्म सिंचाई में मध्यप्रदेश बना देश का अग्रणी राज्य

केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक से बदलेगी एमपी के खेतों की तकदीर

सिंचाई क्षमता को 100 लाख हेक्टेयर तक ले जाने का संकल्प

भोपाल

मध्यप्रदेश की कृषि समृद्धि और हर खेत तक पानी पहुंचाने के संकल्प को जल संसाधन विभाग ने धरातल पर उतारना शुरू कर दिया है। इस दिशा में त्वरित कार्यप्रणाली के दम पर पिछले दो वर्षों के भीतर 7 लाख हेक्टेयर से अधिक नई सिंचाई क्षमता का विस्तार करने में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है।
इस बड़ी उपलब्धि के चलते प्रदेश की वर्तमान सिंचाई क्षमता बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गई है। सरकार ने अब आगामी वर्षों में प्रदेश का कुल सिंचित क्षेत्र 100 लाख हेक्टेयर करने का दूरगामी लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रदेश की दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने और सूखाग्रस्त क्षेत्रों की तकदीर बदलने के लिए तीन बड़ी राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। इनमें केन-बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना और ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना शामिल हैं। इनके पूरे होने से मालवा, बुंदेलखंड और निमाड़ अंचल की सिंचाई क्षमता में अभूतपूर्व बढ़ोतरी होगी। माइक्रो इरिगेशन (सूक्ष्म सिंचाई) और टपक सिंचाई पद्धतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश वर्तमान में पूरे देश का अग्रणी राज्य बना हुआ है, जिससे पानी की हर बूंद का अधिकतम उपयोग पक्का हो रहा है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की शुरुआत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

रीयल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तरीय जल डैशबोर्ड

बेहतर जल उपयोग दक्षता और बांधों के जल स्तर की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए एक अत्याधुनिक 'राज्य स्तरीय जल डैशबोर्ड' बनाने की आधिकारिक घोषणा की जा चुकी है, जो सिंचाई प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता लाएगा। इसके साथ ही, नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा सिंचाई परियोजनाओं को नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड के माध्यम से सीधे वित्त पोषित करने की मंजूरी दी गई है, जिससे बजटीय रुकावटें पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। सरदार सरोवर परियोजना पर हुए ऐतिहासिक निर्णय से मध्यप्रदेश को बड़ी वित्तीय राहत मिलने के साथ-साथ राज्य के जल, सिंचाई और ऊर्जा क्षेत्र को एक नई मजबूती मिली है, जिससे अंतिम छोर के खेतों तक पानी पहुंचना सुगम हो गया है।

दो वर्षों में 7 लाख हेक्टेयर से अधिक सिंचाई क्षमता का हुआ विस्तार

सिंचाई और जल नेटवर्क

- (2 वर्षों में 7 लाख हेक्टेयर की वृद्धि के साथ वर्तमान क्षमता 55 लाख हेक्टेयर हो चुकी है, जिससे लाखों नए खेतों को पानी मिला है।
- (सिंचित क्षेत्र को 100 लाख हेक्टेयर ले जाने के लक्ष्य से सूखाग्रस्त इलाकों में फसलों का उत्पादन कई गुना बढ़ जाएगा।
- (केन-बेतवा, पार्वती-कालीसिंध-चंबल और ताप्ती बेसिन रिचार्ज से मालवा, बुंदेलखंड और निमाड़ की खेती का संकट होगा खत्म।

एग्री-बिजनेस लगाने वाले किसानों को सरकार दे रही 50% तक की भारी सब्सिडी; नरसिंहपुर और मंदसौर में कृषि उद्योग समागमों से बढ़ा औद्योगिक निवेश

धार का पीएम मित्र पार्क देगा 6 लाख कपास उत्पादकों को लाभ

भोपाल

मध्यप्रदेश को कृषि उत्पादन के साथ-साथ देश का प्रमुख एग्री-प्रसंस्करण हब बनाने के लिए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग ने बड़ी पहल की है। राज्य सरकार के प्रयासों से नरसिंहपुर और मंदसौर जिलों में आयोजित कृषि उद्योग समागम के बड़े परिणाम सामने आए हैं। इसके तहत कृषि आधारित नए उद्योगों को लगाने के लिए करीब 8,000 करोड़ रुपये के बड़े निवेश प्रस्तावों को प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई है।
इस औद्योगिक क्रांति के तहत धार जिले में देश के पहले पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क का सफल भूमिपूजन हो चुका है। इसका सीधा लाभ प्रदेश के 6 लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को उन्नत बाजार और सही दाम के रूप में मिलेगा। सरकार ने कृषि आधारित कारखाने या प्रसंस्करण इकाइयां लगाने वाले स्थानीय किसानों और ग्रामीण युवाओं को बड़ी राहत दी है। इसके तहत उन्हें परियोजना लागत पर 50% तक की भारी सब्सिडी देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। साथ ही, इन कारखानों में काम करने वाले स्थानीय श्रमिकों को 5,000 प्रति माह की अतिरिक्त सहायता देने का भी प्रावधान है।

10 हजार सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना तेज

फूड पार्क, कोल्ड चैन और एग्रो-प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार कर फसलों की संपूर्ण वैल्यू चैन को मजबूत किया जा रहा है। एथेनॉल उत्पादन और मक्का आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर किसानों की उपज के लिए नए औद्योगिक बाजार विकसित किए जा रहे हैं। हर जिले में स्थानीय संसाधनों के हिसाब से एक जिला-एक उत्पाद के तहत काम हो रहा है। इसके अंतर्गत मूल्य संवर्धन के लिए 10 हजार सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना का कार्य तीव्र गति से जारी है। एफपीओ को मजबूत बनाकर किसानों को सीधे वैश्विक बाजार से जोड़ दिया गया है।

टेक्नोलॉजी अपडेट

अब छोटे और सीमांत किसानों तक पहुंची ड्रोन तकनीक

भोपाल। कृषि विभाग द्वारा ड्रोन तकनीक का व्यापक विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत छोटे और सीमांत किसानों को नैनो-यूरिया और तरल उर्वरकों के छिड़काव के लिए आधुनिक कृषि ड्रोन की सेवाएं रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। ड्रोन के उपयोग से न केवल कीटनाशकों और पानी की भारी बचत हो रही है, बल्कि समय और मजदूरी की लागत में भी कमी आई है। सरकार छोटे किसानों और स्थानीय स्तर पर कृषि क्षेत्र से जुड़े युवाओं को ड्रोन पायलट का विशेष प्रशिक्षण देकर ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित कर रही है।

सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण से सुधर रहा है मिट्टी का स्वास्थ्य

भोपाल। मिट्टी में किस पोषक तत्व की कमी है और किस खाद की आवश्यकता है, इसकी सटीक और वैज्ञानिक जानकारी देने के लिए कृषि विभाग द्वारा सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण का महाअभियान चलाया जा रहा है। अब तक 10.76 लाख से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड किसानों को पूरी तरह निःशुल्क वितरित किए जा चुके हैं। विकासखंड स्तर पर भी 265 नई मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इनका संचालन स्थानीय युवा उद्यमियों द्वारा किया जा रहा है, जिससे इन्हें रोजगार मिला है, तो किसानों को उनके घर के पास ही मिट्टी की सटीक जांच रिपोर्ट मिल रही है।

कृषि यंत्रीकरण में भी देश का सिरमौर बना मध्यप्रदेश

भोपाल। महंगे और आधुनिक कृषि उपकरण जैसे रोटावेटर, कंबाइन हार्वेस्टर और लेजर लैंड लेवलर छोटे किसानों को किराए पर उपलब्ध कराने के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। कृषि विभाग द्वारा कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए आगामी 5 वर्षों हेतु 2,868 करोड़ रुपये की कार्ययोजना को मंजूरी दी गई है। वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न ग्रामीण अंचलों में रिकॉर्ड 5,629 हायरिंग केंद्र सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक है। इन केंद्रों के माध्यम से सीमांत किसानों को बहुत कम किराए पर आधुनिक मशीनें मिल रही हैं।

एआई संग स्मार्ट फार्मिंग, मौसम व बीमारियों की सीधी जानकारी

भोपाल। मध्यप्रदेश के कृषि क्षेत्र को पूरी तरह डिजिटल और स्मार्ट बनाने के लिए स्मार्ट फार्मिंग और एआई आधारित कृषि पद्धतियों को तेजी से लागू किया जा रहा है। इसके तहत इंदौर में स्थापित होने वाले 1,500 करोड़ रुपये के एग्रीटेक इनोवेशन हब के माध्यम से सेटेलाइट आधारित क्रॉप मैपिंग और सेंसर तकनीक को खेतों से जोड़ा जा रहा है। इस आधुनिक पद्धति के आने से किसानों को उनके स्मार्टफोन पर ही यह सटीक लाइव जानकारी मिल जाती है कि उनकी फसल में किस बीमारी की शुरुआत हो रही है या खेत के किस हिस्से में नमी कम है।

सागर और देवास के सरकारी फार्मों में उगेंगे उन्नत हाइब्रिड बीज

भोपाल

किसानों को अब अच्छी गुणवत्ता वाले सब्जी बीजों के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। प्रदेश में ही उच्च गुणवत्ता वाले हाइब्रिड सब्जी बीजों के उत्पादन की मजबूत व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी और भारतीय उद्यानिकी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर के सहयोग से दो बड़े बीजोत्पादन हब तैयार किए गए हैं। इस पहल के तहत सागर जिले के जिला फार्म पर ₹6.95 करोड़ तथा देवास जिले के कन्नौद फार्म पर ₹4.39 करोड़ की लागत से 'हाइब्रिड सब्जी बीजोत्पादन कार्यक्रम' सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण सब्जी बीजों की उपलब्धता को मजबूत आधार प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

तकनीक के रास्ते सफलता की ओर... खेतों में उतरी परमाणु विज्ञान की शक्ति

बार्क के सहयोग से भोपाल में लगेगी विकिरण इकाई, इंदौर को मिलेगा शीतल वाहक संयंत्र

भोपाल

मध्यप्रदेश के खेतों और बागों में अब परमाणु विज्ञान की आधुनिक तकनीक का जादू बिखरने वाला है। राज्य के उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने किसानों के चेहरों पर खुशी लाने और फसलों की शेल्फ-लाइफ (भंडारण क्षमता) बढ़ाने के लिए बड़े तकनीकी नवाचार जमीन पर उतारे हैं।
विज्ञान और पसीने के इस अनूठे संगम से अब प्रदेश के किसानों के फल-सब्जियां न सिर्फ लंबे समय तक तरोताजा रहेंगे, बल्कि वे वैश्विक बाजारों में एक्सपोर्ट के लिए भी पूरी तरह तैयार हो सकेंगे। सरकार के इन वैज्ञानिक प्रयासों ने खेती-किसानी को मुनाफे का नया सौदा बना दिया है।
इस वैज्ञानिक महा-अभियान के तहत भोपाल में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। यहां आम और दूसरे फलों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने व कीट-मुक्त निर्यात के लिए भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) बॉम्बे के सहयोग से 20 करोड़ रुपये की लागत वाली आधुनिक विकिरण तकनीकी इकाई बनाई जा रही है।

इसी तरह, इंदौर में राजारमन सेंटर ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी के तकनीकी सहयोग से 1.25 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक शीतल वाहक यंत्र परियोजना स्थापित की गई है। यह संयंत्र फलों और सब्जियों को लंबी दूरी के परिवहन में खराब होने से बचाएगा।

12 जिलों में आलू की कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग, 10 नए जिलों में मखाने की बहार

भोपाल

व्यावसायिक खेती को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से उज्जैन, इंदौर, सागर, छिंदवाड़ा और ग्वालियर सहित 12 प्रमुख जिलों में 2.50 करोड़ रुपये की लागत से पोटैटो कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग (आलू अनुबंध खेती) योजना लागू की गई है। इसी क्रम में, मखाने जैसी उच्च मूल्य की फसल को बढ़ावा देने के लिए नर्मदापुरम, सिवनी, बालाघाट और छिंदवाड़ा के अलावा 10 नए जिलों-जबलपुर, कटनी, रीवा, शहडोल आदि में मखाना क्षेत्र विस्तार योजना का विस्तार किया गया है। वहीं, संरक्षित खेती को प्रोत्साहित करने के लिए 6 करोड़ रुपये की लागत से 20 जिलों में 850 अल्ट्रा लो-कॉस्ट शेडनेट हाउस के निर्माण का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पीएमएफएमई से बदली तकदीर... उज्जैन के गौरव ने लहसुन-प्याज के पाउडर से कमाया ₹16 लाख का शुद्ध मुनाफा, बुरहानपुर के अभिषेक केले से बना रहे गोल्डन पाउडर

अब खेतों से निकल रहे हैं बिजनेस टाइकून, किसानों ने खड़ी की करोड़ों की फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री

भोपाल

मध्यप्रदेश का अन्नदाता अब सिर्फ फसल उगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अपनी उपज की प्रोसेसिंग कर सीधे देश-विदेश के बाजारों में बेच रहा है। पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) और सरकारी अनुदान के सहारे सूबे के छोटे-छोटे गांवों और कस्बों से उभरे इन नए उद्यमियों ने पारंपरिक खेती के मिथकों को तोड़ दिया है। आधुनिक मशीनों, बेहतर ब्रांडिंग और पक्के इरादों के दम पर इन किसानों ने न केवल अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ाया है, बल्कि स्थानीय स्तर पर ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोल दिए हैं। यह सफलता आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की एक बेहद खूबसूरत और प्रेरणादायी तस्वीर पेश करती है। **चार उदाहरणों से समझें अन्नदाता कैसे बन रहे हैं उद्योगपति**

उज्जैन के गौरव ने लहसुन-प्याज पाउडर से खड़ा किया 63 लाख का टर्नओवर

उज्जैन के प्रगतिशील युवा गौरव सिंह कनौजिया ने बाजार में मसालों और ड्राई वेजीटेबल्स की मांग को भांपकर महाकाल

फूड एंड स्पाइसेस नाम से अपनी प्रोसेसिंग इकाई शुरू की। उन्होंने प्याज, लहसुन, टमाटर और चुकंदर को सुखाकर उनका पाउडर और फ्लेक्स (टुकड़े) बनाना शुरू किया।
गौरव ने योजना के तहत ₹53.41 लाख की कुल लागत से आधुनिक प्लांट लगाया, जिसमें उन्हें सरकार से ₹10.00 लाख का सीधा अनुदान मिला। तकनीक और सही मार्केटिंग के दम पर आज गौरव की इकाई का सालाना टर्नओवर ₹63.00 लाख के पार पहुंच गया है, जिससे वे हर साल ₹16.00 लाख का शुद्ध मुनाफा कमा रहे हैं।

नीमच के सत्यनारायण ने शेडनेट से कमाया 8.46 लाख का शुद्ध लाभ

नीमच जिले के किसान सत्यनारायण पाटीदार ने अपनी खेती को मौसम की मार से सुरक्षित करने के लिए संरक्षित खेती का

रास्ता चुना। उन्होंने 4000 वर्ग मीटर के रकबे में एक आधुनिक शेडनेट हाउस का निर्माण किया। इस 28.40 लाख रुपये की बड़ी परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए विभाग ने उन्हें 14.20 लाख रुपये की 50% भारी सब्सिडी दी। सत्यनारायण ने शेडनेट के भीतर खीरा-ककड़ी का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया। अनुकूल वातावरण के कारण फसल की बंपर पैदावार हुई और उन्होंने मात्र दो सीजन में ही 14.06 लाख रुपये की कुल आय के साथ 8.46 लाख रुपये का शुद्ध वार्षिक लाभ अर्जित किया।

केला हब बुरहानपुर में अभिषेक ने केले से बनाया गोल्डन पाउडर, 6 को रोजगार

केला उत्पादन के लिए मशहूर बुरहानपुर जिले के अभिषेक जयसवाल ने कच्चे केलों की बर्बादी को रोकने के लिए लाला

हार्वेस्ट नाम से एक अनूठी इकाई स्थापित की। वे प्रतिदिन 40 किलो केला पाउडर और 20 किलो प्याज के फ्लेक्स तैयार कर रहे हैं। इस प्लांट के लिए उन्हें 19.94 लाख रुपये की बैंक वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। आज इस बिजनेस से वे 4.80 लाख रुपये की शुद्ध वार्षिक आय कमा रहे हैं। अभिषेक की इस इकाई का सबसे खूबसूरत पहलू इसका सामाजिक प्रभाव है, जहाँ उन्होंने स्थानीय स्तर पर 6 ग्रामीण युवाओं को नियमित और सम्मानजनक रोजगार देकर आत्मनिर्भर बनाया है।

अनूपपुर की रीता बनीं मिसाल, 1 लाख की मदद से खड़ा किया ₹10 लाख का बिजनेस

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की सबसे शानदार कहानी अनूपपुर जिले की रीता सिंह ने लिखी है। उन्होंने ग्रामीण

अंचल में उपलब्ध औषधीय संसाधनों का उपयोग कर 'श्री ज्ञानम आंवला मुरब्बा एवं मसाला उद्योग' की शुरुआत की। रीता ने महज 1.04 लाख रुपये की सरकारी वित्तीय सहायता से अचार, पारंपरिक मसाले, बेकरी उत्पाद और आंवला मुरब्बा प्रसंस्करण का काम शुरू किया। उनके उत्पादों की शुद्धता के कारण बाजार में इसकी मांग तेजी से बढ़ी। आज रीता सिंह 10.00 लाख की शुद्ध वार्षिक आय हासिल कर क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं के लिए स्वरोजगार की सबसे बड़ी रोल मॉडल बन चुकी हैं।

D-11093/26

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

महाकाल परिसर में भारी भीड़ के दौरान बहस करते लोग

मंदिर में मारपीट का दृश्य

महाकाल मंदिर में कांवड़ियों का बवाल

नंदी हॉल में घुसने के लिए तोड़े बैरिकेड्स 4 सुरक्षाकर्मी घायल, 30 पर एफआईआर

- दान पेटी को नुकसान पहुंचाया
- ओंकारेश्वर के खेड़ीघाट से आए थे लगभग 100 कांवड़िए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

उज्जैन स्थित प्रसिद्ध विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार को दर्शन व्यवस्था को लेकर कांवड़ियों ने जमकर हंगामा किया। ओंकारेश्वर से आए कांवड़ियों के समूह ने नंदी हॉल में जबरन प्रवेश करने की कोशिश में सुरक्षा बैरिकेड्स तोड़ दिए। इस दौरान हुई धक्का-मुक्की और हाथापाई में मंदिर के 4 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए, जिनमें से 2 के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं।

हाथापाई के दौरान सुरक्षा गार्ड घायल

कांवड़ियों द्वारा तोड़े गए बैरिकेड्स गिरने और हाथापाई के दौरान 4 सुरक्षा गार्ड घायल हो गए। एक गार्ड के सिर से खून बहने लगा जबकि दूसरे के पैर में गंभीर चोट आई, जिन्हें साथी कर्मचारियों ने अस्पताल पहुंचाया।

सीसीटीवी से पहचान

महाकाल मंदिर प्रबंध समिति ने बयान जारी कर कहा कि मंदिर की सुरक्षा और मर्यादा से खिलवाड़ करने वाले सभी उपद्रवियों की सीसीटीवी फुटेज से पहचान की जा रही है।

खबर संक्षेप

कूनो से मादा चीता 'निर्वा' लापता, तलाश में जुटीं टीमें

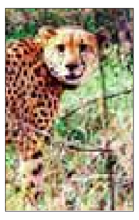

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल से मादा चीता 'निर्वा' पिछले एक सप्ताह से लापता है। उसके रेडियो कॉलर से सैटेलाइट सिग्नल मिलने बंद हो गए हैं, जिससे सटीक लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही है। अधिकारियों के मुताबिक बारिश की वजह से सिग्नल प्रभावित हो सकते हैं। चीता की तलाश के लिए 5 टीमें गठित की गई हैं। 100 से अधिक वनकर्मी ड्रोन और कैमरों की मदद से खोज में जुट गए हैं।

जुलूस के दौरान पार्षद नासिर का इंतकाल

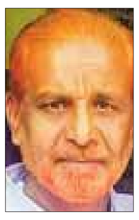

रतलाम। यहां बुधवार को ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के दौरान कांग्रेस के पार्षद और सीरत कमेटी के सदर (अध्यक्ष) नासिर कुरैशी (64) का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। पैलेस रोड पर पैदल चलते समय अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे अचेत होकर गिर पड़े। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। 1999 से अब तक चार बार पार्षद रहे नासिर कुरैशी वर्तमान में वार्ड नंबर 47 का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

लखनऊ-बेंगलुरु इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी

लखनऊ। लखनऊ से बेंगलुरु जा रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई231) में बुधवार सुबह बम होने की खबर से अफरा-तफरी मच गई। लैंडिंग से ठीक पहले क्रू को यह धमकी मिली, जिसके बाद पायलट ने तत्काल सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय किया। विमान को सुबह करीब पौने 10 बजे बेंगलुरु के केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। लैंडिंग के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियों और डॉग स्क्वायड द्वारा जांच शुरू की गई।

मानसून दिखा रहा अब 'जोर'

24 घंटे में 11 जिलों में भारी से अति भारी बारिश से नदियां उफान पर, स्थिति बिगड़ी

एक साथ 'तीन सिस्टम' एक्टिव आज 25 जिलों में भारी बारिश

- आज दतिया में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट, राजगढ़, ग्वालियर, भिंड, रीवा, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी में अति भारी की ऑरेंज चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में भी बारिश में तेजी बनी हुई है। मंगलवार से बुधवार के बीच आधे प्रदेश में बारिश में तेजी से कई जगह हालात बिगड़ गए। नदियां उफान पर आने से रास्ते बंद हो गए, जिससे आवागमन में परेशानी रही। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी प्रदेश में एक साथ तीन सिस्टम सक्रिय होने से बारिश में अभी और तेजी आने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में करीब दो दर्जन जिलों में भारी से तेज बारिश हुई। गुरुवार तक दतिया में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है। राजगढ़, ग्वालियर, भिंड, रीवा, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी में अति भारी और विदिशा, रायसेन, उज्जैन, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुरकलां, सतना, सिवनी, पन्ना, दमोह, सागर, मैहर में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, मौसम केंद्र के अनुसार अब तक प्रदेश में सामान्य से 10 फीसदी तक बारिश में कमी है। पूर्वी मप्र में औसत से 6 और पश्चिमी हिस्से में औसत सामान्य से 13 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है।

अभी भी प्रदेश में सामान्य से 10 फीसदी तक बारिश कम

राजधानी की शाहपुरा रोड में बारिश, शाम 5:50 बजे का दृश्य

अब तक कुल 661.1 मिमी बारिश, जबकि सामान्य तौर पर 734.7 मिमी होना थी

यहां मध्यम बारिश होगी

भोपाल, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, देवास, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, मऊगंज, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरिसंहपुर, छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा में मध्यम से हल्की बारिश होगी।

नाले व सरोवर में दो बच्चों की मौत

कई जिलों में बुधवार को बारिश का दौर जारी रहा। निवाड़ी में तेज बारिश के बाद उफनते नाले में 8 साल की बच्ची बह गई। अनूपपुर के अमरकंटक में गायत्री सरोवर में 10 साल के बच्चे की डूबने से मौत हो गई। वहीं, छतरपुर के जयशंकर धाम में बारिश के बाद झरने में उफान देखने को मिला।

डेढ़ दर्जन जिलों में ज्यादा बारिश

मंगलवार से बुधवार के बीच अनूपपुर, डिंडौरी, निवाड़ी, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, गुना, ग्वालियर, खरगोन और राजगढ़ में ही औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। 24 घंटे में कुछ जिलों में भारी बारिश हुई। जीरापुर 113, निवाड़ी 110, जावद 95, मंदसौर 90, लालबरा 84.2, धुंधड़का 77, जावरा 76, गौरिहार 69, नलखेड़ा 68, अजयगढ़ 65.6, लवकुशनगर 65 मिमी बारिश दर्ज हुई है। बुधवार को सुबह से शाम के बीच श्योपुरकलां, मुरैना, ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मंदसौर में मध्यम बारिश हुई। नीमच, रतलाम, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, दमोह, पन्ना, रीवा, सतना, छतरपुर, भोपाल, सीहोर, रायसेन, सांची, नर्मदापुरम, बैतूल आदि।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत का 3 देशों का दौरा

पहले न्यूयॉर्क पहुंचे, 29 को मेडिसन स्क्वायर में संबोधन

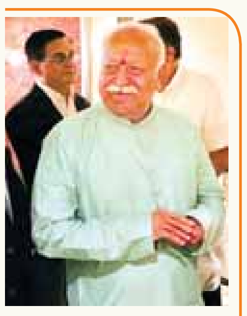

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने जताया विरोध

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत अपने 17 दिवसीय तीन देशों (अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन) के विदेश दौरे के पहले पड़ाव के तहत न्यूयॉर्क पहुंचे। जेएफके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारतीय मूल की महिलाओं ने पारंपरिक रूप से तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। संघ के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम (ग्लोबल आउटरीच) के तहत आयोजित इस यात्रा के दौरान भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित मेडिसन स्क्वायर गार्डन में यूनिवर्सल वननेस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

मंत्री शाह पर अभियोजन की मंजूरी नहीं

पटवारी ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र कहा- ये सेना का फिर अपमान

न्यायिक प्रक्रिया में आड़े आ रही सरकार

जीतू पटवारी और विजय शाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी और उसके बाद राज्य सरकार द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी न देने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर कहा कि इस घटनाक्रम को मध्य प्रदेश के राजनीतिक इतिहास का अत्यंत शर्मनाक अध्याय करार दिया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी ने मंत्री विजय शाह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए सरकार से स्वीकृति मांगी थी।

सुप्रीम कोर्ट के जज ने सीजेआई को लिखी चिट्ठी

राजस्थान के एक्टिंग सीजे को तुरंत हटाने की मांग

जस्टिस के न्यायिक कामकाज को लेकर गंभीर शिकायतें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस संदीप मेहता ने देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत को एक के बाद एक कई पत्र लिखकर राजस्थान हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (एक्टिंग सीजे) जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को तत्काल पद से हटाने की मांग की है। जस्टिस मेहता ने 2, 10 और 17 अगस्त को पत्र भेजकर राजस्थान हाई कोर्ट में किसी अन्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की पुरजोर वकालत की है।

दवाओं के बढ़ते दुरुपयोग पर शिकंजा

गैबापेंटिन समेत 4 दवाएं बिना पर्ची बिक्री पर रोक

ये दवाएं सेंट्रल नर्वस सिस्टम पर डालती हैं असर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नशे के तौर पर दवाओं के बढ़ते दुरुपयोग पर शिकंजा कसने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने फ्लूपेंरिक्सोल, जोपिक्लोन, गैबापेंटिन और कैरिसोप्रोडोल को औषधि नियमों की अनुसूची एच1 में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस फैसले के लागू होने के बाद ये दवाएं बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिल सकेंगी। मेडिकल स्टोर संचालकों को इन दवाओं की बिक्री का पूरा ब्योरा दर्ज करना होगा।

एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान 3 घंटे लेट

एसी बंद होने से भड़के यात्री पैंफलेट से हवा करते दिखे

भीषण गर्मी और उमस से यात्री हुए बेहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

दिल्ली से इंदौर आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स 1090 बुधवार को 3 घंटे से अधिक समय तक लेट रही। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दोपहर 1:10 बजे उड़ान भरने वाली इस फ्लाइट को पहले रीशेड्यूल कर दोपहर 3:00 बजे किया गया, लेकिन उसके बाद भी विमान लंबे समय तक उड़ान नहीं भर सका। घंटों की देरी के बीच विमान का एयर कंडीशनर (एसी) काम करना बंद कर दिया।

बेकाबू इनोवा ने 4 गाड़ियों को उड़ाया

5 लोग घायल, एक गंभीर कार मैकेनिक हिरासत में

कार की सर्विसिंग के बाद ट्रायल लेने निकला था

क्षतिग्रस्त हालत में गाड़ियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

राऊ क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। श्रमिक कॉलोनी के सामने करीब 80 से 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही इनोवा कार ने चार दोपहिया वाहनों और एक ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 5 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। तेज रफ्तार इनोवा ने पहले एक एक्टिवा और तीन बाइकों को टक्कर मारी, फिर सामने से आ रहे ट्रैक्टर से टकरा गई।

नशे के खिलाफ पुलिस और एनसीबी की बड़ी कार्रवाई

रतलाम में एमडी ड्रग्स बनाने वाला केमिकल जब्त, राजस्थान कनेक्शन

ट्रांसपोर्ट से आया 110 किलो केमिकल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतलाम

प्रदेश में नशीले पदार्थों के खिलाफ पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की है। रतलाम जिले के आलोट में एमडी ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाला 110 किलो प्रतिबंधित केमिकल जब्त किया गया है। वहीं, शिवपुरी में पुलिस ने एक तस्कर को करीब 3 लाख रुपए कीमत की स्मैक के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इंदौर एनसीबी की गुप्त सूचना पर आलोट पुलिस ने श्री श्याम ट्रांसपोर्ट के कार्यालय पर छापा मारा।

ड्रम में रखा केमिकल

शिवपुरी में 3 लाख की स्मैक जब्त

दूसरी ओर, शिवपुरी कोतवाली पुलिस ने रेलवे स्टेशन रोड पर घेराबंदी कर 20 वर्षीय अनिकेत रावत को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 14.48 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 3 लाख रुपए आंकी गई है। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों की तलाश शुरू कर दी गई है।

प्रीमियम ट्रेन स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस में यात्रियों की सेहत के साथ खिलवाड़

कैटरर पर 10 लाख रुपए का लगाया जुर्माना

बेस किचन पर रेलवे का छापा, टीम को मिला 1,383 पैकेटों में एक्सपायर्ड पोहा और उपमा

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

प्रीमियम ट्रेन स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस में यात्रियों की सेहत के साथ खिलवाड़ का बड़ा मामला सामने आया है। अहमदाबाद डिवीजन की रेलवे फूड विजिलेंस टीम ने ट्रेन को खाना सप्लाई करने वाले बेस किचन पर अचानक छापेमारी कर 1,383 पैकेट एक्सपायर्ड (समय-सीमा समाप्त) पोहा, उपमा और अन्य खाद्य सामग्री जब्त की है।

गुणवत्ता नियमों के गंभीर उल्लंघन पर रेलवे प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फूड सर्विस प्रोवाइडर (कैटरर) पर 10 लाख रुपए का भारी जुर्माना लगाया है। जांच के दौरान कुल 1,383 पैकेट मियाद पूरी कर चुका खाना मिला। इनमें हल्दीराम पोहा के 369 पैकेट, हल्दीराम उपमा के 984 पैकेट, हल्दीराम छोले मसाला के 24 पैकेट और फॉर्च्यून सूजी के 6 पैकेट शामिल हैं।

यात्रियों को परोसे जाने की थी तैयारी

बरामद किए गए खाने के सामान अपनी एक्सपायरी डेट पार कर चुके थे और फिर भी ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों को परोसे जाने के लिए रखे गए थे। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर रेलवे की टीम ने अचानक जांच नहीं की होती तो क्या ये एक्सपायर्ड सामान यात्रियों तक पहुंच सकता था।

रेलवे ने क्या कहा?

हमारी टीम छापा मारती रहेगी

रेलवे प्रशासन ने कहा कि यात्रियों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और हाइजीन से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। बेस किचन और खाद्य आपूर्ति व्यवस्था की नियमित निगरानी की जा रही है। खाद्य सुरक्षा और निर्धारित मानकों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चिंतन

हिमालय का बिगड़ता संतुलन बढ़ा रहा खतरा

नेपाल में तिब्बत से आई अचानक बाढ़ ने हिमालय के बिगड़ते संतुलन की गंभीर चेतावनी दी है। रसुवा में भोटेकोशी नदी का उफान घर, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं बहा ले गया। सैकड़ों लोग लापता हैं। कई की मौत हो चुकी है। कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 100 से अधिक भारतीय नागरिक भी संकट में हैं। अभी यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि तबाही की शुरुआत ग्लेशियल झील फटने से हुई, हिमस्खलन से या भूकंपीय हलचल से, लेकिन एक बात साफ है। हिमालय का प्राकृतिक संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है और उसका खामियाजा इंसानों को भुगतना पड़ रहा है। यह मैदानी भागों के लिए भी खतरा बढ़ा रहा है। हिमालय को हमने विकास की प्रयोगशाला समझ लिया है। जहां सड़क चाहिए, पहाड़ काट दिए; जहां बिजली चाहिए, नदियों पर परियोजनाएं खड़ी कर दीं; जहां पर्यटन चाहिए, वहां जंगल और नदी घाटियों तक निर्माण पहुंच गया। सवाल यह नहीं है कि विकास होना चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि क्या हम हिमालय की प्रकृति और उसकी क्षमता को समझकर विकास कर रहे हैं? जलवायु परिवर्तन ने इस चुनौती को और खतरनाक बना दिया है। तापमान बढ़ने से ग्लेशियर पिघल रहे हैं। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ और मलबे से बनी प्राकृतिक झीलें फैल रही हैं। इन झीलों के बांध कमजोर पड़ते हैं तो पानी अचानक नीचे की ओर टूट पड़ता है। कुछ मिनटों या घंटों में शांत नदी विनाशकारी बाढ़ में बदल सकती है। नेपाल की मौजूदा घटना में स्थानीय बारिश को बाढ़ का प्रमुख कारण नहीं माना जा रहा। ऐसे में ग्लेशियल झील फटने या हिमस्खलन से नदी का रास्ता बाधित होकर अचानक पानी छोड़े जाने की आशंका है। यदि यह आशंका सही साबित होती है तो यह केवल एक प्राकृतिक दुर्घटना नहीं होगी, बल्कि बदलते हिमालयी पर्यावरण की उस तस्वीर का हिस्सा होगी, जिसमें आने वाले वर्षों में ऐसी घटनाएं बढ़ सकती हैं। नेपाल में शुरू हुई बाढ़ भारत के मैदानी इलाकों में भी खतरा पैदा कर सकती है। यानी हिमालय में होने वाला पर्यावरणीय बदलाव काठमांडू या पहाड़ी गांवों की समस्या भर नहीं है। इसका असर बिहार, उत्तर प्रदेश और गंगा के विशाल मैदानी क्षेत्र तक पड़ सकता है। सबसे बड़ी कमी हमारी आपदा पूर्व चेतावनी व्यवस्था में है। जिस क्षेत्र में ग्लेशियल झीलें मौजूद हैं, वहां उनकी लगातार निगरानी क्यों न हो? उपग्रहों, रडार, सेंसर और स्वचालित जलस्तर मापक यंत्रों से मिली जानकारी को नेपाल, भारत और चीन के बीच साझा क्यों न किया जाए? यदि नदी के जलस्तर में असामान्य वृद्धि की सूचना कुछ मिनट पहले भी निचले इलाकों तक पहुंच जाए तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। हिमालय को बचाना केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं है। यह जल सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और करोड़ों लोगों के जीवन का सवाल है। हिमालय कमजोर होगा तो उसकी नदियां उग्र होंगी, मैदानों में बाढ़ बढ़ेगी और सूखे का खतरा भी गहरा सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक और बाढ़ की खबर मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। यह प्रकृति का संकेत है कि पहाड़ अपनी सीमा से अधिक दबाव स्वीकार नहीं कर सकते। अब भी समय है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। हिमालय को जीतने की नहीं, समझने और बचाने की जरूरत है। क्योंकि पहाड़ बचेंगे, तभी नदियां बचेंगी और नदियां बचेंगी, तभी मैदानों का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

मुद्दा
अरविंद जयतिलक

सीमा विवाद सुलझाने की सुखद पहल

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच दोनों देशों के संबंधों को बेहतर बनाने की पहल एक सुखद संकेत है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ ही सीमा तय करने की दिशा में आगे बढ़ने की पहल पर चर्चा की है। पिछले दिनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल चीन की यात्रा पर थे। उन्होंने कहा कि हम यहां बातचीत के 25वें दौर के लिए उपस्थित हैं। सवाल यह है कि क्या दोनों देशों की पहल से सीमा विवाद का हल निकलेगा? क्या दोनों देशों के बीच सीमा पर तनाव कम होगा?

> भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच दोनों देशों के संबंधों को बेहतर बनाने की पहल एक सुखद संकेत है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ ही सीमा तय करने की दिशा में आगे बढ़ने की पहल पर चर्चा की है। पिछले दिनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल चीन की यात्रा पर थे। उन्होंने कहा कि हम यहां बातचीत के 25वें दौर के लिए उपस्थित हैं। सवाल यह है कि क्या दोनों देशों की पहल से सीमा विवाद का हल निकलेगा? क्या दोनों देशों के बीच सीमा पर तनाव कम होगा? यह सवाल इसलिए कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद सुलझाने की पहल कई बार हो चुकी है।

यह सवाल इसलिए कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद सुलझाने की पहल कई बार हो चुकी है, लेकिन कोई ठोस सार्थक परिणाम नहीं निकला। याद होगा 2020 में गलवान में हुई झड़प के बाद से ही दोनों देशों के बीच रिश्ते तल्ख और असहज हैं। तब गलवान घाटी में चीनी सैनिकों द्वारा भारतीय जवानों पर हमला दोनों देशों के रिश्ते को दुश्मनी और नफरत में बदल दिया था। इस हमले में भारत के 20 जवान शहीद हुए थे, वहीं चीन को भी अपने 43 जवानों की जिंदगी से हाथ धोना पड़ा था। इस हालात के लिए पूर्ण रूप से चीन ही जिम्मेदार था। अगर वह 1996 और 2005 में हुए समझौते का पालन किया होता तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पैदा नहीं होती। गत वर्ष रूस में ब्रिक्स समिट से ठीक पहले भारत-चीन के बीच ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी पर सहमति बनी और दोनों देशों ने इस पर सहमति जताई कि देपसांग और डेमचॉक क्षेत्र में जहां गश्त ब्लॉक है, वहां सैनिक पीछे हटेंगे और गश्त फिर से शुरू होगी। कहना गलत नहीं होगा कि चीन के अड़ियल रुख से ईस्टर्न लद्दाख के पैंगोंग क्षेत्र, गलवान के पीपी-14, गोगरा और हॉटस्प्रिंग क्षेत्र में आज भी तनाव बरकरार है। नतीजतन यह क्षेत्र अभी भी बफर जोन बना हुआ है। फिलहाल कहना मुश्किल है कि यह बैठक दोनों देशों के बीच सीमा विवाद सुलझाने में मददगार होगी या चीन पुनः भारतीय भू-भाग को अतिक्रमित नहीं करेगा। यह इसलिए कि चीन वार्ता में दिलचस्पी तो दिखाता है लेकिन बेहतर परिणाम देने की दिशा में आगे नहीं बढ़ता। जब तक चीन साम्राज्यवादी मानसिकता की खोल से बाहर नहीं आएगा, तब तक भारत-चीन सीमा विवाद सुलझने के आसार कम हैं। चीन की उदासीनता का ही नतीजा है कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद ज्यों का त्यों बना हुआ है। उसके असंवेदनशील रुख के कारण ही 1976 से चल रही बातचीत तार्किक नतीजे पर नहीं पहुंची। 1993, 1996 और 2005 में दोनों देश कई बार सीमाओं के विभाजन के लिए वार्ता की, लेकिन उसका सकारात्मक नतीजा नहीं निकला। कारण वार्ता के दौरान चीन कभी भी दस्तावेजों के आदान-प्रदान में रुचि नहीं दिखाता।

भारत के जिन क्षेत्रों पर उसका एक इंच भी दावा है, उससे हटने का आज तक संकेत नहीं दिया। विडंबना यह भी कि वह मैकमोहन रेखा को भी स्वीकारने को तैयार नहीं। वह उसे अवैध बताता है। जबकि देश-दुनिया को अच्छी तरह पता है कि ब्रिटिश भारत और तिब्बत ने 1913 में शिमला समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मैकमोहन रेखा का निर्धारण किया। इस सीमा रेखा का निर्धारण हिमालय के सर्वोच्च शिखर तक है। समझना

जरूरी है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलसी की वास्तविक स्थिति भी कमोबेश यही है। इस क्षेत्र में हिमालय प्राकृतिक सीमा का निर्धारण नहीं करता क्योंकि यहां से अनेक नदियां निकलती और सीमाओं को काटती हैं। वर्तमान स्थिति यह है कि दोनों देश एलसी पर निगरानी कर रहे हैं। ऐतिहासिक संदर्भों में जाएं तो तिब्बत, भारत और बर्मा की सीमाओं का ठीक से रेखांकन नहीं होने से अक्टूबर, 1913 में शिमला में अंग्रेजी सरकार की देखरेख में चारों देशों के अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें तिब्बती प्रतिनिधि ने स्वतंत्र देश के रूप में प्रतिनिधित्व किया और भारत की अंग्रेजी सरकार ने उसे उसी रूप में मान्यता दी। आधुनिक देश के रूप में भारत के पूर्वोत्तर हिस्से की सीमाएं रेखांकित न होने के कारण दिसंबर 1913 में दूसरी बैठक शिमला में हुई और अंग्रेज प्रतिनिधि जनरल मैक मोहन ने तिब्बत, भारत और बर्मा की सीमा को रेखांकित किया। समझना जरूरी है कि आज के अरुणाचल का तवांग क्षेत्र मैकमोहन द्वारा खींची गयी रेखा के दक्षिण में होता था। इसलिए तिब्बती सरकार बार-बार उस पर अपना दावा करती रही। तिब्बत का स्वतंत्र अस्तित्व स्वीकारने से उत्तर से पूर्वोत्तर तक कहीं भी भारत और चीन की सीमा नहीं मिलती थी। इस तरह उत्तरी-पूर्वी सीमा को एक प्राकृतिक सुरक्षा मिली हुई थी। लेकिन स्वतंत्र भारत की नेहरु सरकार की अदूरदर्शी नीति ने स्वतंत्र तिब्बत को बलिदान हो जाने दिया। पीकिंग पर साम्यवादियों का कब्जा होने के उपरांत 23 मई, 1951 को तिब्बत के दलाई लामा सरकार के प्रतिनिधियों और चीनी सरकार के अधिकारियों के बीच 17 सूत्रीय कार्यक्रम पर समझौता हुआ। इस समझौते को दलाई लामा तिब्बत के स्वतंत्र अस्तित्व की समाप्ति के रूप में देखते हुए भारत से रक्षा की गुहार लगाई। लेकिन तत्कालीन नेहरु सरकार पर चीन के साथ दोस्ती का भूत सवार था और उन्होंने अंग्रेजी दस्तावेजों का हवाला देकर तिब्बत पर चीन की अधिनस्थता की बात स्वीकार ली। नतीजा माओ के रेडगार्डो ने तिब्बत पर चढ़ाई कर एक वर्ष के अंदर पूरे तिब्बत पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। आज की तारीख में सिक्किम-तिब्बत सीमा को छोड़कर लगभग संपूर्ण भारत-चीन सीमा विवादित है। भारत और चीन के बीच विवाद की वजह अक्साई चिन और अरुणाचल प्रदेश की संप्रभुता ही है। पश्चिमी सेक्टर में अक्साई चिन का लगभग 3800 वर्ग किमी भू-भाग चीन के कब्जे में है। अक्साई चिन जम्मू-कश्मीर के उत्तर-पूर्व में विशाल निर्जन इलाका है। इस क्षेत्र पर भारत का अपना दावा है। लेकिन नियंत्रण चीन का है।

दूसरी ओर पूर्वी सेक्टर में चीन अरुणाचल प्रदेश के 90 हजार वर्ग किमी पर अपना दावा कर उसे अपना मानता है। याद होगा कि गत वर्ष पहले उसने प्रस्ताव रखा था कि भारत अगर अरुणाचल के तवांग इलाके को चीन को सौंप देता है तो वह भी बदले में उसे अक्साई चीन का इलाका दे सकता है। लेकिन भारत ने उसके इस साजिश भरे प्रस्ताव को ठुकरा दिया। भारत की मनाही के बावजूद वह कश्मीर के लोगों को स्टेपल वीजा जारी करता है। साथ ही पाकिस्तान से गलबहिया कर वह भारतीय संप्रभुता को चुनौती परोस रहा है।

भारत को चीन पर दबाव बनाने के लिए तिब्बत के मसले पर अपना कड़ा रुख अख्तियार करना होगा। तिब्बत का स्वतंत्र अस्तित्व ही भारत की सीमाओं की रक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है। अगर भारत तिब्बत की स्वतंत्रता और मानवाधिकार हनन के मसले को अन्तराष्ट्रीय कूटनीति की तीव्र आंच पर रखता है तो सच मानिए चीन की पेशानी पर बल आना तय है। तिब्बत की स्वतंत्रता चीन की कमजोर नस है और भारत इसे मानवाधिकार हनन का नश्तर बनाकर चीन की हेकड़ी का सफल ऑपरेशन कर सकता है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

बौद्ध तीर्थस्थल
निरंकार सिंह

कनिंघम ने नहीं, जगत सिंह ने खोजा था सारनाथ का इतिहास

विश्वविख्यात बौद्ध धर्मस्थल एंव पर्यटन केन्द्र सारनाथ की खोज के ऐतिहासिक तथ्य इस बात की पुष्टि करते हैं कि इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। बाद में इसकी खोज का श्रेय एलेक्जेंडर कनिंघम ने लिया। उन्होंने बाबू जगत सिंह की सूचनाओं को सही जानकारी भी नहीं दी। हालांकि बाबू जगत सिंह की सूचनाओं के आधार पर कनिंघम ने इसका उत्खनन कराया और वहां तमाम मूर्तियां भी मिली, जो आज सारनाथ संग्रहालय में रखीं हुई हैं। अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने ऐतिहासिक तथ्यों की गहन छानबीन के बाद बाबू जगत सिंह के योगदान को स्वीकार कर लिया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक वाई.एस. रावत ने अब यह स्वीकार किया कि सारनाथ में सबसे पहले खुदाई का काम जगत सिंह ने कराया था, जिसके कारण इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व का पता चला। जगत सिंह के वंशज प्रदीप नारायण सिंह ने एएसआई को साक्ष्यों के दस्तावेज सौंपे थे, जिनसे यह साबित होता है कि इस स्थल पर पहली खुदाई जगत सिंह ने ही कराई थी। वाराणसी से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित सारनाथ दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। माना जाता है कि यह वही स्थान है जहां गौतम बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश दिया था, फलस्वरूप बौद्ध धर्म के प्रसार की शुरुआत हुई। एएसआई के महानिदेशक रावत ने अब सारनाथ परिसर में लगी पट्टिका (शिलालेख) में अब संशोधन कर दिया गया है, जिसमें जगत सिंह की भूमिका को मान्यता देते हुए उनका नाम भी शामिल किया गया है। यह संशोधन हाल में सारनाथ परिसर में लगाई गई नई पट्टिका में देखा जा सकता है। यहां पहले वाली पट्टिका में इस स्थल के पुरातात्विक महत्व की पहली खोज का श्रेय 1798 में ब्रिटिश अधिकारियों को दिया गया था, वहीं नई पट्टिका में यह बताया गया है कि इस स्थल का महत्व 18वीं सदी के आखिर में तब सामने आया, जब काशी के बाबू जगत सिंह ने निर्माण सामग्री के लिए एक प्राचीन टीले की खुदाई कराई थी, फलस्वरूप कई महत्वपूर्ण पुरावशेषों की खोज हुई। इस तरह, संशोधित शिलालेख इस जगह पर शुरुआती खुदाई के काम में जगत सिंह की भूमिका को मान्यता देता है। साथ ही, वह यह भी बताता है कि कई पुरातत्वविदों ने बाद में खुदाई की, जिसमें तीसरी सदी ईसा पूर्व से लेकर 12वीं सदी ईस्वी तक के मठ, स्तूप, मंदिर और मूर्तियां मिलीं। वाराणसी के जगतगंज शाही परिवार के प्रतिनिधि और बाबू जगत सिंह के छठी पीढ़ी के वंशज प्रदीप नारायण सिंह अपने पूर्वजों के ऐतिहासिक योगदान के बारे में शोध और दस्तावेजी सबूत इकट्ठा करने की कोशिशें लंबे समय से लगे थे। 'अब एएसआई ने औपचारिक रूप से यह मान लिया है कि सारनाथ का इतिहास सबसे पहले बाबू जगत सिंह द्वारा कराई गई खुदाई के बाद ही सामने आया था। एएसआई की यह मान्यता इस बात का भी संकेत है कि ब्रिटिश काल के दौरान बाबू जगत सिंह के योगदान को नजरअंदाज कर दिया गया था और उन्हें सारनाथ की खोज का सही श्रेय नहीं मिला था। इस बौद्ध स्थल की खोज का इतिहास उल्लेखनीय और आकर्षक है। यह शानदार और अकल्पनीय रूप से विश्व के सामने आया। 1787 के आसपास एक विशिष्ट घटना घटी जिसके पश्चात इस स्थान ने विद्वानों, भिक्षुओं और पुरातत्वविदों का ध्यान आकर्षित करना आरम्भ किया। लगभग 1787 में स्थानीय राजपरिवार के सदस्य और सारनाथ के जमींदार बाबू जगत सिंह को इस क्षेत्र में उपलब्ध ईंटों और पत्थरों के अम्बार का पता चला। उन्होंने अपने नाम पर नगर में एक बाजार निर्मित करवाने की योजना को सफल बनाने के लिए इस निर्जन क्षेत्र को खोदकर यहां से आवश्यक निर्माण सामग्री प्राप्त करने का मन बनाया तथा मजदूरों को इस काम में लगा दिया गया। यह बाजार आज भी नगर में है और उन्हीं के नाम पर जगतगंज नाम से विख्यात है। धमेख स्तूप से पश्चिम में लगभग 520 फीट (158.5 मीटर) की दूरी पर ईंटों और पत्थरों के ढेर को खोद निकाला गया। स्तूप के टीले से निर्माण सामग्री की खोदाई करते समय एक गोलक-रूप बलुआ पत्थर के बक्से के भीतर एक बेलनाकार हरे रंग की संगमरमर की मंजूषा मिली। इस प्रकार सारनाथ में स्तूप की खोदाई के सम्बन्ध में कुछ बातें स्पष्ट हैं। यह अनजाने में हुई थी, और कोई नहीं जानता था कि यह स्थान पुरातात्विक महत्व का एक प्राचीन बौद्ध स्थल था। जैसे ही बाबू जगत सिंह को इसके महत्व के बारे में पता चला, उन्होंने हर सम्भव कोशिश की थी कि इस स्थान की क्षति और न हो। समय के साथ आवरण दीवार के अन्दर मूल स्तूप की खोदाई कनिंघम और बाद में अन्य ब्रिटिश पुरातत्वविदों द्वारा की गई थी।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जिसने दिल दुखाया, उसे भी दें प्यार

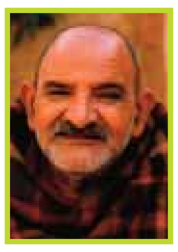

संकलित
दर्शन

'अगर कोई व्यक्ति आपको दुख पहुंचाए, तब भी उसे प्रेम दें। सबसे बड़ी सजा किसी को अपने दिल से निकाल देना है।' नीम करौली बाबा की यह बात सुनकर कई लोग चौंक जाते हैं, क्योंकि दिल दुखाने वाले को प्यार देना आसान नहीं होता है। लेकिन बाबा का यह संदेश मन की गहराई में उतरने वाली सीख है। जीवन में धोखा, अपमान या विश्वास टूटने पर गुस्सा आना स्वाभाविक है। फिर भी बाबा हमें याद दिलाते हैं कि नफरत पालकर हम खुद को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। जब कोई हमें चोट पहुंचाता है, तो मन तुरंत उससे दूर होने या जवाब देने की सोचता है। गुस्सा और नफरत उस व्यक्ति को हमारे विचारों में बार-बार जगह दे देते हैं। नीम करौली बाबा कहते हैं कि दूसरे की गलती की वजह से अपने मन की शांति को नहीं खोना चाहिए। प्रेम का मतलब यह नहीं कि गलत व्यवहार को सही मान लें। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि कटुता को अपने अंदर जड़ ना पकड़ने दिया जाए। सामने वाले को सजा देने की बजाय खुद को हल्का रखना ज्यादा जरूरी है। किसी को माफ करना अक्सर बहुत कठिन लगता है, खासकर जब चोट किसी करीबी ने पहुंचाई हो। माफी का अर्थ यह नहीं कि जो हुआ उसे भूल जाओ या फिर से वैसा ही भरोसा कर लो। असली माफी अपने मन को उस पुरानी पीड़ा से धीरे-धीरे मुक्त करने में है। सीमाएं तय की जा सकती हैं, दूरी भी बनाई जा सकती है। लेकिन बदले की भावना को सीने में पालना जरूरी नहीं।

प्रतिज्ञाओं के प्रति हमेशा रहें समर्पित

संकलित
प्रेरणा

स्वामी विवेकानन्द का प्रेरक व्यक्तित्व उन्नीसवीं सदी के अंतिम दशक और बीसवीं सदी के पहले दशक के दौरान भारत और अमेरिका दोनों में प्रसिद्ध था। एक बार गाजीपुर से वाराणसी जाते समय स्वामी विवेकानंद का पता चला कि श्री रामकृष्ण के वफादार सेवक बलराम बसु ने अंतिम सांस ली है। उनकी आंखों में आंसू देखकर उनके साथ चल रहे प्रमदा दास मित्र ने कहा कि दुखद व्यक्त करना एक संत को शोभा नहीं देता। स्वामी ने आक्रामक रूप से जवाब दिया और कहा कि क्या मैं अपना हृदय त्याग दूं क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं? संन्यास किसी को पत्थर दिल बनने के लिए नहीं कहता। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि कोई भी महिला उनके मठ में कभी प्रवेश नहीं करेगी। एक बार उन्हें बुखार से बेहोशी महसूस हुई और उनका एक शिष्य स्वामी जी की अनुमति के बिना अपनी मां को उनके पास लाने गया। मठ के अंदर उसकी मां को देखकर क्रोधित होकर उन्होंने शिष्य को डांटा। आपने एक महिला को अंदर क्यों आने दिया? मैंने ही नियम बनाया था और मेरे लिए ही नियम तोड़ा जा रहा है! इससे पता चलता है कि वह अपनी प्रतिज्ञाओं के प्रति कितने समर्पित थे।

सटाका

आज की पाती

नए मीटर हटाए सरकार

इलेक्ट्रॉनिक मीटर क्या लगे, जी का जंजाल बन गए हैं। पुराने मीटर उपभोक्ताओं के लिए उपयुक्त थे और किसी को शिकायत नहीं थी। जैसे ही बिजली के नए मीटर लगे उपभोक्ताओं के दोगुने बिल आने लगे हैं। चारों तरफ त्राहि-त्राहि है। आर्थिक तंगी में बढ़े हुए बिल जैसे गरीबी में आटा गीला हो गया है। उपभोक्ता चाहते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक मीटर हटा कर पुराने मीटर ही लगाए जाएं और नए मीटर हटा कर विभाग जनहित का कार्य करे। इन नए मीटरों की न तो जनता ने मांग की थी और न इन्हें कोई चाहता है। इस कवायद से भले ही विद्युत विभाग की आय बढ़ी है, पर उपभोक्ता इस ट्रंप के से टैरिफ को नहीं सह पा रहे हैं। आशा है जनहित में विभाग और सरकार इस योजना को बंद कर अवश्य अनुगृहीत करेंगे। *- अमन चोपड़ा, अंबाला*

ट्रेंड

एक देश, एक चुनाव

कांग्रेस का कहना है कि 'एक देश, एक चुनाव' असंवैधानिक है, उनका जमीर इसकी इजाजत नहीं देता। एक बार आईने के सामने खड़े होकर खुद से ईमानदारी से पूछिए: जमीर किस बात की इजाजत नहीं देता? 'एक देश, एक चुनाव' या, कमजोर होती जा रही कांग्रेस को बचाने की?

-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषिमंत्री

छात्रों की जीत

महाराष्ट्र के छात्रों ने एक लड़ाई जीत ली है। इस इंजीनियर परीक्षा और पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी गई है - यह सरकार की कोई मेहरबानी नहीं है, बल्कि उन छात्रों की जीत है जो मार्च में इस इंजीनियर परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद से ही डटे रहे।

-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

महिला सशक्तिकरण

राहुल गांधी महिलाओं के अधिकारों के कोई चैंपियन नहीं हैं। वे हिंदू धर्म को निशाना बनाने और उसे बदनाम करने के लिए महिला सशक्तिकरण के मुद्दे का इस्तेमाल एक सुविधाजनक आड़ के तौर पर करते हैं।

-हिमंत बिस्व सरमा, सीएम, असम

आत्मनिर्भर भारत

'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प रक्षा क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। स्वदेशी मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम का लद्दाख के व्योमा में -15°C तापमान और 22,000 फीट की ऊंचाई पर सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है।

-डॉ. मोहन यादव, सीएम, मप्र

करंट अफेयर

त्वरित अदालतों में लंबित मामलों की सूची में उप्र सबसे ऊपर

देश भर की त्वरित (फास्ट ट्रैक) अदालतों में लंबित मामलों में से लगभग 78 प्रतिशत मामले उत्तर प्रदेश के हैं, जहां 13.74 लाख से ज्यादा मामले निस्तारण का इंतजार कर रहे हैं। सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत न्याय विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, देश भर की त्वरित अदालतों में 17.5 लाख से ज्यादा मामले लंबित हैं। जवाब के अनुसार, त्वरित अदालतें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा संबंधित उच्च न्यायालयों के साथ सलाह-मशविरा करके खास तरह के मामलों की तेजी से सुनवाई के लिए बनाई जाती हैं। यह डेटा न्याय विभाग ने इस साल 10 अगस्त को नोएडा के सामाजिक कार्यकर्ता अमित गुप्ता द्वारा आरटीआई कानून के तहत पूछे गए एक सवाल के जवाब में साझा किया था। इसमें कहा गया, उच्च न्यायालयों से मिली जानकारी के अनुसार, 30 जून, 2026 तक 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 884 त्वरित अदालतें काम कर रही हैं। इन त्वरित अदालतों को स्थापित करने के लिए राज्यों को कोई केंद्रीय सहायता नहीं दी जा रही है। राज्य-वार आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि उत्तर प्रदेश लंबित मामलों की सूची में सबसे ऊपर है, जहां 373 कार्यरत त्वरित अदालतों में 13.74 लाख से ज्यादा मामले लंबित हैं। इसके बाद महाराष्ट्र का नंबर आता है।

ऑफ बीट

शिक्षकों से अभद्र व्यवहार, स्कूल अभिभावकों से कैसे निपटें

शिक्षकों और स्कूल प्रधानाचार्यों के साथ अभिभावकों के दुर्व्यवहार की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसे रोकने के लिए कुछ निजी स्कूलों ने अभिभावकों से आचार संहिता पर हस्ताक्षर करवाना शुरू किया है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, कुछ प्रधानाचार्यों ने अभिभावकों के अधिकार-बोध, कर्मचारियों को डराने-धमकाने और अपने बच्चे के गलत व्यवहार को स्वीकार करने से इनकार जैसे मामलों पर चिंता जताई है। सरकारी स्कूल भी अभद्र व्यवहार करने वाले अभिभावकों पर अंकुश लगाने के लिए नए कदम उठा रहे हैं। विक्टोरिया और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया ने प्रधानाचार्यों को स्कूल परिसर में अभद्र व्यवहार करने वाले अभिभावकों के प्रवेश पर रोक लगाने का अधिकार देने वाले कानून बनाए हैं। इसमें आमने-सामने, ईमेल, फोन या सोशल मीडिया के जरिए दुर्व्यवहार करने वाले अभिभावक भी शामिल हैं। न्यू साउथ वेल्स भी इसी तरह के कानूनों पर विचार कर रहा है। अभिभावकों को स्कूल के फैसलों पर सवाल उठाने, अपनी चिंताएं रखने और अपने बच्चों की ओर से पक्ष रखने में सक्षम होना चाहिए। शिक्षा में सार्थक अभिभावक सहभागिता के लिए ये सभी महत्वपूर्ण हैं। लेकिन शोध से स्पष्ट है कि शिक्षकों के साथ अभद्र व्यवहार बढ़ रहा है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

जिला कलेक्टरों को सौंपा जाएगा ज्ञापन

शासकीय महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर अभाविप कल करेगी प्रदर्शन

हरिभूमि जबलपुर।

शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा 27 अगस्त 2026 को प्रदेशभर में "विद्यार्थी हुंकार अभियान" के अंतर्गत प्रदर्शन किया जाएगा। अभियान के तहत विभिन्न जिलों में विद्यार्थी कार्यकर्ता एवं छात्र प्रतिनिधि जिला कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपकर महाविद्यालयों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग करेंगे। प्रांत मंत्री सुव्रत बाझल ने कहा, "हम 24 जिलों में एक साथ कलेक्ट्रेट का घेराव कर आंदोलन एवं ज्ञापन के माध्यम से विद्यार्थियों की आवाज को प्रशासन के सामने बुलंदी से रखेंगे। शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़े, यह चिंताजनक स्थिति है। विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े इन विषयों पर प्रशासन को गंभीरता से संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।" प्रदेश के अनेक शासकीय महाविद्यालयों में स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त एवं स्वच्छ शौचालय, व्यवस्थित कक्षाएँ, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, खेल सुविधाएँ, बिजली एवं प्रकाश व्यवस्था, छात्राओं के लिए आवश्यक सुविधाएँ, इंटरनेट, पार्किंग, सुरक्षा तथा प्राथमिक उपचार जैसी व्यवस्थाओं की कमी या खराब स्थिति विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय केवल शिक्षण का स्थान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास का केंद्र हैं। इसलिए शैक्षणिक संस्थानों में ऐसा वातावरण सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है, जहाँ विद्यार्थी सुरक्षित, स्वच्छ और आवश्यक संसाधनों के साथ अध्ययन कर सकें। सुविधाओं के अभाव का सीधा प्रभाव विद्यार्थियों की पढ़ाई और शैक्षणिक गतिविधियों पर पड़ता है। अभाविप द्वारा जिला कलेक्टरों को सौंपे जाने वाले ज्ञापन में महाविद्यालयों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, खराब व्यवस्थाओं की तत्काल मरम्मत कराने तथा जिन कार्यों के लिए अतिरिक्त बजट की आवश्यकता है, उनके लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने की मांग की जाएगी। अभाविप ने शासन एवं प्रशासन से विद्यार्थियों की समस्याओं पर तत्काल संज्ञान लेकर निर्धारित समयसीमा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने की मांग की है। जबलपुर महानगर मंत्री आर्यन पुंज ने संस्कारधानी के विद्यार्थियों से "विद्यार्थी हुंकार अभियान" में सहभागी बनने तथा अपने महाविद्यालय से जुड़ी समस्याओं को सामने लाकर बेहतर शैक्षणिक वातावरण के लिए आवाज उठाने का आह्वान किया है।

सदर में जवानों के साथ मनाया रक्षाबंधन
राखी के धागों में गूंजा देशभक्ति का संदेश

जबलपुर। कैंट विधानसभा क्षेत्र के सदर में रक्षाबंधन के अवसर पर कैंट विधायक अशोक रोहाणी के नेतृत्व में भावपूर्ण रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने सेना के जवानों और विधायक रोहाणी को राखी बांधकर स्नेह, शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण छावनी क्षेत्र में तैनात सेना के जवानों के साथ रक्षाबंधन मनाना रहा। माताओं और बहनों ने जवानों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर देश की सुरक्षा में उनके समर्पण के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। इस दौरान राखी के पवित्र धागों में भाई-बहन के स्नेह के साथ राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की भावना भी नजर आई। विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा और जिम्मेदारी का पवित्र बंधन है। देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले जवानों के साथ रक्षाबंधन मनाना गौरव और सौभाग्य की बात है। माताओं और बहनों का स्नेह एवं आशीर्वाद सदैव शक्ति और प्रेरणा का स्रोत रहेगा। कार्यक्रम के दौरान जवानों और मातृशक्ति के बीच आत्मीय संवाद भी हुआ। विधायक रोहाणी ने कैंट विधानसभा क्षेत्र की करीब 5 हजार मातृशक्तियों से रक्षासूत्र बंधवाकर उनका आशीर्वाद लिया और उन्हें उपहार भेंट किए। उन्होंने सभी माताओं-बहनों, जवानों और उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर निगमाध्यक्ष रिंकु विज, आत्मिका सिंह, तृष्णा चटर्जी, पुष्पा तिवारी, रीना ऋषि यादव, आशा सिंह, सुमन बर्मन, उर्मिला विश्वकर्मा, नीलम करोसिया, संगीता पासी, सविता पासी, दुर्गा मिश्रा, अरुणा कुशवाहा, इंदु मनोहर, कमला क्षत्री, हेमा महात्मा, लता रजक, कंचन शरण, अंजू कुशवाहा, अंजू थापा, हरनीत कौर, शोभा लोधी, चांदनी स्वामी, आरती बेन, सुधा तिवारी, मलकियत कौर, रंजना दुबे, राजकुमारी, नीतू वर्मा, रतना जोसफ, अनीता सिंह, संतोष राजपूत, सावित्री गुप्ता, सोनाली पिल्ले, रेणुका पिल्ले, ज्योति प्रजापति, उर्मिला शर्मा, पिंकी पासी, लवली कुंडे, अनुराधा अहिरवार, रीता लोधी, संध्या पासी और संगीता नायडू सहित बड़ी संख्या में मातृशक्तियां उपस्थित रहीं। पूरे आयोजन में सैनिक सम्मान, नारी शक्ति, सामाजिक एकता और राष्ट्रभक्ति का भाव दिखाई दिया। बड़ी संख्या में माताओं-बहनों, जवानों और नागरिकों की सहभागिता से कार्यक्रम गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

जन्माष्टमी पर 30 अगस्त को होगी कृष्ण चित्रकला प्रतियोगिता

जबलपुर। श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में जन्माष्टमी के पूर्व आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 30 अगस्त को दोपहर 3 बजे श्रीकृष्ण मंदिर गोरखपुर में स्कूली छात्र-छात्राओं की कृष्ण चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता को लेकर श्रीकृष्ण मंदिर में महासभा की विस्तृत बैठक हुई। बैठक में श्रीकृष्ण मंदिर गोरखपुर अध्यक्ष पं. तरण भनोट, श्री सनातन धर्म महासभा अध्यक्ष श्याम साहनी, लकी भाटिया, धनवंतराय सेठी, सुनीता चावला, सोनल सेठी, हरीश सभरवाल, श्रवण मारवाह एवं नंदिता महाजन सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जन्माष्टमी की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। राजेंद्र प्यासी, पं. अयोध्या प्रसाद शास्त्री, रत्नेश मिश्रा, डॉ. एच.पी. तिवारी, रमेश शर्मा, जितिन नारंग, प्रवेश खेड़ा, विष्णु पटेल, विध्येश भापकर एवं जगदीश साहू ने बताया कि जन्माष्टमी शोभायात्रा में श्रीकृष्ण मंदिर गोरखपुर की ओर से भगवान यशोदानंदन की अनेक सजीव झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। झांकियों की तैयारियां मंदिर परिसर में जोर-शोर से चल रही हैं। बैठक में उमेश खुराना, विनोद आनंद, रजनी बग्गा, डॉ. संदीप मिश्रा, संजय पटेल सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रुक्मिणी विवाह एवं महारास के भावपूर्ण प्रसंगों से भक्तिमय हुआ गीताधाम

जबलपुर। गीताधाम में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के षष्ठम दिवस कथा व्यास श्रीमद् जगतगुरु नृसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी नृसिंहदेवाचार्य जी महाराज श्री ने भगवान श्रीकृष्ण की वृंदावन लीला, गोपी प्रेम, महारास एवं रुक्मिणी विवाह का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महाराज श्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला जीवात्मा और परमात्मा के दिव्य प्रेम एवं समर्पण का प्रतीक है। गोपियों की भक्ति निष्काम प्रेम और पूर्ण समर्पण की प्रेरणा देती है। रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि माता रुक्मिणी भगवान श्रीकृष्ण को अपना आराध्य मान चुकी थीं। विवाह किसी अन्य से तय होने पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को संदेश भेजकर उन्हें स्वीकार करने की प्रार्थना की, जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने उनका हरण कर विधिपूर्वक विवाह किया। रुक्मिणी विवाह प्रसंग के दौरान कथा स्थल पर राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयकारे गूंज उठे। भजन, संकीर्तन और जयकारों से पूरा गीताधाम भक्तिमय हो गया। महाराज श्री ने कहा कि रुक्मिणी विवाह भगवान के प्रति अटूट विश्वास, श्रद्धा और समर्पण का संदेश देता है तथा सच्चे मन से उनकी शरण में आने वाले भक्त की भगवान सदैव रक्षा करते हैं।

गीताधाम में संस्कृत सप्ताह का भव्य शुभारंभ

जबलपुर। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल के तत्वावधान में श्री रामचंद्र वेद-वेदांग विद्यापीठ, गीताधाम में 25 से 31 अगस्त तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताह के प्रथम दिवस विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर संस्कृत भाषा में अभिवादन किया और भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों की गौरवशाली परंपरा का संदेश दिया। कार्यक्रम संस्था के संरक्षक एवं परमाध्यक्ष डॉ. स्वामी नृसिंहदेवाचार्य जी महाराज तथा विद्यालय के प्राचार्य श्री रामफल शास्त्रीजी के सानिध्य में हुआ। विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के महत्व एवं भारतीय संस्कृति में उसके योगदान की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि संस्कृत भारत की ज्ञान, संस्कृति, संस्कार और आध्यात्मिक परंपरा की आधारभाषा है, जिसमें वेद, उपनिषद, पुराण, रामायण और महाभारत सहित ज्ञान का विशाल भंडार उपलब्ध है। संस्कृत सप्ताह के दौरान श्लोक-पाठ, संस्कृत संवाद, अभिवादन एवं विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में संस्कृत के प्रयोग के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। प्रथम दिवस का आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी रहा और तिलक एवं संस्कृत अभिवादन के माध्यम से आत्मीयता, सम्मान और संस्कारों का संदेश दिया गया।

अंधत्व की अनुभूति रैली 30 अगस्त को, आंखों पर पट्टी बांधकर होगा नेत्रदान जागरूकता अभियान

जबलपुर। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) एवं दादा वीरेंद्रपुरी रोटरी नेत्र बैंक के संयुक्त तत्वावधान में 'ब्लाइंड फोल्डेड वॉक' (अंधत्व की अनुभूति रैली) का आयोजन 30 अगस्त को सुबह 8.30 बजे होटल सत्य अशोका, राइट टाउन स्टेडियम से किया जाएगा। रैली तीन पत्ती चौक, मालवीय चौक होते हुए भारत माता चौक सिविक सेंटर पहुंचेगी और वंदे मातरम उद्यान में इसका समापन होगा। डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि रैली का उद्देश्य दृष्टिबाधित लोगों की कठिनाइयों का अनुभव कराना और नेत्रदान के प्रति समाज को जागरूक करना है। प्रतिभागी आंखों पर काली पट्टी बांधकर कुछ दूरी तक चलेंगे, ताकि दृष्टिहीनों की चुनौतियों को महसूस कर सकें। उन्होंने कहा कि नेत्रदान किसी के अंधेरे जीवन में रोशनी ला सकता है। आयोजन में समस्त रोटरी क्लब, स्टेडियम परिवार, गुड मॉर्निंग क्लब, जबलपुर डिविजनल ओफ्थल्मिक सोसाइटी, आईएमए जबलपुर, सुप्रभातम परिवार, अखिल विश्व गायत्री परिवार, महाकोशल चैम्बर ऑफ कॉमर्स, जबलपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स, दादा वीरेंद्रपुरी नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय), दृष्टिहीन कन्या शाला, शासकीय दृष्टिहीन विद्यालय एवं सामाजिक न्याय विभाग सहयोग कर रहे हैं। रैली में डॉ. पवन स्थापक, पीयूष जैन, देवेंद्र सोनी, डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. आयुष टंडन, डॉ. ऋचा शर्मा, डॉ. अमरेंद्र पांडेय, डॉ. आशीष गुप्ता, डॉ. रविन दास, डॉ. अविजित विश्नोई, अजीत दुबे, बी.बी. शर्मा, सुनील फाटक, मोहित तिवारी, प्रभव माहेश्वरी, शिवशंकर कपूर, संतोष विश्वकर्मा, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, अशोक परयानी, डॉ. अंकित सेठ, पूनमचंद मिश्रा, अरविन्द गुप्ता, संतोष जैन, संदीप अग्रवाल, एच.पी. तिवारी, डॉ. अर्पिता स्थापक, डॉ. अपूर्वा स्थापक, अनुपमा स्थापक एवं डॉ. सोनिया टंडन ने नगरवासियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अभियान को सफल बनाने की अपील की है। आओ मिलकर कदम बढ़ाएं, अंधेरे जीवन में रोशनी फैलाएं।

- सीधे नियोक्ताओं और रोजगार के अवसरों से जोड़ेगा डिजिटल लेबर चौक एप
- काम तलाशने चौराहों पर खडे होने की नहीं होगी जरूरत

निर्माण श्रमिकों और दैनिक वेतन भोगियों के लिये मोबाइल एप तैयार

जबलपुर। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत "डिजिटल लेबर चौक" मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया गया है। इस एप्लिकेशन का मुख्य उद्देश्य दैनिक वेतन भोगी और निर्माण श्रमिकों को बिना किसी एजेंट के सीधे नियोक्ताओं और रोजगार के अवसरों से जोड़ना है।

सहायक श्रम आयुक्त जबलपुर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि "डिजिटल लेबर चौक" मोबाइल ऐप के जरिये श्रमिक घर बैठे डिजिटल तरीके से दैनिक कार्य के अवसर खोज सकते हैं, जिससे उन्हें लेबर चौराहों पर असुरक्षित खड़े रहने की आवश्यकता नहीं होगी।

सहायक श्रमायुक्त के अनुसार इस एप के माध्यम से मध्यप्रदेश के समग्र-पंजीकृत नागरिक अपनी योग्यता और कौशल के अनुसार उपलब्ध नौकरियां खोज सकेंगे, वहीं दूसरी ओर नियोक्ता (ठेकेदार, फैक्टरी मालिक या आम नागरिक) अपनी आवश्यकता, स्थान और दैनिक मजदूरी

ऐप पर स्पष्ट रूप से दर्ज कर सकेंगे। पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित बनाने के लिए नियोक्ता अपनी फैक्टरी आईडी, दुकान लाइसेंस या ठेकेदार लाइसेंस के माध्यम से सत्यापित प्रोफाइल बनाकर जॉब पोस्ट करेंगे। कार्य पूरा होने के बाद दोनों पक्षों के लिए फीडबैक और रेटिंग तंत्र भी उपलब्ध कराया गया है, ताकि कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहे।

सहायक श्रमायुक्त ने जिले के प्रमुख लेबर चौकों, नाकों और निर्माण स्थलों पर एकत्रित होने वाले श्रमिकों एवं ऐसे नियोक्ताओं, ठेकेदारों या निर्माण स्थल प्रभारी से अनुरोध किया है कि गूगल प्ले स्टोर की लिंक https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.mp.shree.labourchowk&pcampaig-nid=web_share से जाकर मोबाइल एप डाऊनलोड पर श्रमिक अपना पंजीयन श्रमिक के रूप में और नियोक्ता अपना पंजीयन नियोक्ता के रूप में करवाएं, ताकि न तो श्रमिकों को रोजगार हेतु लेबर चौक पर खड़े होने की आवश्यकता पड़े और न ही नियोजकों को काम के लिए श्रमिकों की तलाश में भटकना पड़े।

चार दिवसीय राखी मेले का सफल समापन
2.50 लाख रुपये से अधिक का व्यापार

जबलपुर। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और जिला पंचायत द्वारा 22 अगस्त से संभागीय हाट बाजार में आयोजित चार दिवसीय राखी मेले का आज बुधवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। मेले में स्व-सहायता समूहों द्वारा विभिन्न उत्पादों के 25 स्टॉल लगाए गए, जो शहरवासियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। चार दिनों में 500 से अधिक ग्राहकों ने मेले का भ्रमण कर खरीदारी की और स्व-सहायता समूहों द्वारा 2 लाख 50 हजार रुपये से अधिक का व्यापार किया गया। मेले का उद्घाटन के अवसर पर जहां जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया ने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों का अवलोकन कर उनके हुनर और प्रयासों की सराहना की, वहीं मेले के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गेहलोत ने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद किया और उनके उत्पादों की गुणवत्ता, बिक्री एवं विपणन की जानकारी ली तथा बेहतर पैकेजिंग और विपणन के लिए प्रोत्साहित किया।

मेले में स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित राखियां, हस्तशिल्प, प्राकृतिक एवं गौ-आधारित उत्पाद, वनौषधि एवं जैविक उत्पाद, हस्तकरघा तथा बांस एवं लाख से निर्मित सामग्री बिक्री के लिए उपलब्ध रही। खाने-पीने के विभिन्न स्टॉल और बच्चों के झूले भी मेले के विशेष आकर्षण रहे। मेले का आयोजन जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती अंजुला झा के नेतृत्व में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में जिले एवं विभिन्न विकासखंडों की टीमों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। टीमों के समन्वित प्रयासों से ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ स्व-सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए प्रभावी मंच मिला। मेले के माध्यम से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को बाजार उपलब्ध कराने, आय बढ़ाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर मिला। आयोजन ने स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का संदेश भी दिया। आयोजकों ने मेले की सफलता में सहयोग देने वाले सभी स्व-सहायता समूहों, ग्राहकों, जिले एवं विकासखंड की टीमों तथा संबंधित सहयोगी विभागों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राकेश माहेश्वरी की कृति 'जीवन चित्र' का विमोचन, लघुकथा के सामाजिक सरोकारों पर विमर्श

जबलपुर। पाथेय (कला, साहित्य, संस्कृति) के तत्वावधान में वरिष्ठ साहित्यकार राकेश माहेश्वरी, नरसिंहपुर की लघुकथा कृति 'जीवन चित्र' का विमोचन समारोह समदड़िया इन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में लघुकथा की समकालीन प्रासंगिकता, संवेदना और सामाजिक चेतना पर साहित्यकारों ने विचार रखे। मुख्य अतिथि पूर्व महापौर डॉ. स्वाति गोडबोले ने कहा कि लघुकथा कम शब्दों में जीवन के व्यापक सत्य को प्रभावी ढंग से व्यक्त करती है। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार अमरेंद्र नारायण ने कहा कि श्रेष्ठ लघुकथा समाप्त होने के बाद भी पाठक के भीतर विचार और संवेदना के रूप में जीवित रहती है। प्रो. एच.बी. पालन ने भाषा की मितव्ययिता और कथ्य की सघनता को लघुकथा की शक्ति बताया। प्रतुल श्रीवास्तव ने कहा कि लघुकथा की सार्थकता जीवन के बड़े सत्य को गहन संवेदना के साथ सामने लाने में है। कृष्णनिशा तिवारी ने साहित्य में दिशाबोध, करुणा, संवेदना और मानवीय मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान केंट विधानसभा में आज होगा

- मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का आयोजन
- अधिकारियों के दल करेगें 12 वार्डो का भ्रमण

जबलपुर। शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवकाश की वजह से केंट विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का आयोजन गुरूवार 27 अगस्त को किया जायेगा। अभियान के तहत गुरूवार को अधिकारियों के दल विधानसभा क्षेत्र जबलपुर केंट का भ्रमण करेंगें तथा योजनाओं एवं विकास कार्यों का निरीक्षण करने के साथ ही नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करेंगे।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत गुरूवार 27 अगस्त को अधिकारियों के अलग-अलग दल सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक जबलपुर केंट विधानसभा के अंतर्गत नगर निगम के जोन क्रमांक-7 के वार्ड क्रमांक 60 और 61, जोन क्रमांक-10 के वार्ड क्रमांक 62, 63, 64, 68 69 और 70 तथा जोन क्रमांक-11 के वार्ड क्रमांक 65, 66, 67 और 79 का भ्रमण करेंगे।

आम जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा लोक सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अधिकारियों के दल भ्रमण के दौरान उचित मूल्य की दुकानों, संजीवनी क्लीनिक, स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्रों, छात्रावासों, सामुदायिक भवनों आदि का निरीक्षण करेंगे। भ्रमण के बाद सर्रापीपल रांझी स्थित सामुदायिक भवन में दोपहर 3 से 4 बजे तक उद्यम संवाद तथा शाम 4 से 5 बजे तक समाधान संवाद का आयोजन होगा।

जेईसी में पांच दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम संपन्न, 'रील बनाम रियल' नुक्कड़ नाटक ने दिया संदेश

जबलपुर। जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक प्रथम वर्ष सत्र 2026-27 के विद्यार्थियों के लिए **AICTE** मापदंडों के अनुरूप 18 से 22 अगस्त तक आयोजित पांच दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का समापन हुआ। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कमल कुशवाहा ने पांच दिनों की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को कॉलेज की परंपरा एवं इतिहास से परिचित कराने के साथ व्याख्यान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लोक कला और खेल गतिविधियों के माध्यम से इंजीनियरिंग जीवन को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास किया गया। समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. राजीव चांडक ने विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा आयोजन टीम को बधाई दी। अंतिम दिन विद्यार्थियों ने 'रील वर्सेस रियलिटी' विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से मोबाइल और सोशल मीडिया की आभासी दुनिया से बाहर निकलकर वास्तविक जीवन से जुड़ने का संदेश दिया गया।

अकीदत और मुहब्बत से निकला जुलूस-ए-मुहम्मदी, हजारों अकीदतमंदों ने की शिरकत

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

जबलपुर। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के यौमे विलादत के मौके पर बुधवार को जश्ने ईद मिलादुन्नबी अकीदत, मोहब्बत और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से जुलूस-ए-मुहम्मदी निकाले गए, जिनमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर पैगंबर-ए-इस्लाम के प्रति अपनी मोहब्बत और अकीदत का इजहार किया। बज्म-ए-गुलशन-ए-मदीना के संयोजन में निकले मुख्य जुलूस-ए-मुहम्मदी की कयादत मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉक्टर मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी ने की। जुलूस दोपहर करीब 3:30 बजे नया मोहल्ला स्थित हुसैन चौक से रवाना हुआ।

नया मोहल्ला मुहम्मदी गेट पर बज्म-ए-गुलशन-ए-मदीना के अध्यक्ष खालिद मुबीन, विधायक लखन घनघोरिया, हाजी सलीमुद्दीन, हाफिज अशफाक, पप्पू वसीम खान, जमा खान, नकी खान और हाफिज इश्तियाक सहित अन्य लोगों ने पुष्पवर्षा और गुलाबजल का छिड़काव कर मुफ्ती-ए-आजम का इस्तकबाल किया। जुलूस में जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न समुदायों के लोगों ने भी सहभागिता की। पारंपरिक मार्गों से होता हुआ जुलूस अंजुमन स्कूल पहुंचा। हजारों की संख्या में अकीदतमंद इसमें शामिल हुए।

जगह-जगह हुआ जुलूस का इस्तकबाल

जुलूस मार्ग पर विभिन्न कमेटियों की ओर से मुफ्ती-ए-आजम और जुलूस का गर्मजोशी से इस्तकबाल किया गया। जायरीनों के लिए जगह-जगह पानी और लंगर के स्टॉल लगाए गए। अंजुमन स्कूल परिसर में दोपहर 3 बजे से ही लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। शहर के विभिन्न इलाकों और बस्तियों से निकले जुलूस शाम करीब 4 बजे अंजुमन स्कूल पहुंचने लगे, जबकि मुख्य जुलूस करीब 5:30 बजे परिसर पहुंचा। यहां स्कूल के पदाधिकारियों ने मुफ्ती-ए-आजम और जुलूस का स्वागत किया।

अंजुमन परिसर में अव्यवस्थाओं से जायरीन परेशान

ईद मिलादुन्नबी के मौके पर अंजुमन परिसर में बड़ी संख्या में जायरीनों के पहुंचने के बावजूद व्यवस्थाओं की कमी से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मुख्य गेट से मैदान तक कई स्थानों पर पानी और कीचड़ जमा होने से आवागमन प्रभावित रहा। लोगों को कई जगह कीचड़ और पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा।

बताया गया कि पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं होने के कारण मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉक्टर मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी भी अंजुमन स्कूल स्थित मंच तक नहीं पहुंच सके। इसके चलते उन्होंने मंच से मुस्लिम समाज को संबोधित नहीं किया। हालांकि संक्षिप्त वक्तव्य में उन्होंने जुलूस के शांतिपूर्ण और शालीनता से समापन के लिए पुलिस प्रशासन का शुक्रिया अदा किया।

इमामबाड़े में बांटा गया तबर्रुक

सिटी कोतवाली बाजार स्थित अग्रवाल धर्मशाला के सामने मरहूम शेख मुन्ना नियाजी एवं मरहूम अब्दुल रऊफ बाबा नियाजी के इमामबाड़े में जुलूस-ए-मुहम्मदी के मौके पर अकीदतमंदों को तबर्रुक तकसीम किया गया। हाजी शेख जमील नियाजी, हाजी शेख मुबीन नियाजी, हाजी शेख अनवार नियाजी एवं हाजी बाबा सैयद शेख अमीन कर्बलाई साहब की सरपरस्ती में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने तबर्रुक हासिल किया।इस अवसर पर मोहम्मद रईस नियाजी, मीर फैजान अली नियाजी, हाजी मोहम्मद अनीस नियाजी, मोहम्मद अबरार नियाजी, मोहम्मद हुसैन नियाजी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सदर- सदर क्षेत्र में दोपहर करीब 2 बजे अकबर खान सरवर, इनायत अली शाह, सिकंदर बाबा और अनवर बाबा आदि की कयादत में जुलूस-ए-मुहम्मदी निकाला गया। जुलूस सदर बाजार की गलियों से होता हुआ जामा मस्जिद सदर बाजार गली नंबर 10 पहुंचा, जहां सलातो-सलाम और दुआ के साथ इसका समापन हुआ।

गढ़ा- गढ़ा क्षेत्र में मुजावर मोहल्ला, काजी मोहल्ला, बेदरा मोहल्ला और तकिया मोहल्ला के संयुक्त तत्वावधान में दोपहर करीब 2 बजे जुलूस-ए-मुहम्मदी निकाला गया। जुलूस की कयादत अल्हाज सैयद इकबाल अहमद शम्स रब्बानी, मौलाना फजले रब अशरफी, सूफी मुबारक कादरी, हाजी तौसीफ रजा, सैयद कादिर अली कादरी, इनायत कादरी और मुईन उस्मानी सहित अन्य लोगों ने की।

हुसैन चौक पर हुआ विशाल लंगर-ए-आम

ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर श्रृंखलाबद्ध आयोजनों के अंतिम दिन बज्म-ए-गुलशन-ए-मदीना के संयोजन में नया मोहल्ला स्थित हुसैन चौक पर शाम 7 बजे से विशाल लंगर-ए-आम का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की।इस अवसर पर बाबा रिजवान, नकी खान, शाहिद मुबीन, तारिक रजा, अशरफ सिराजी सहित हजारों लोग मौजूद रहे। आयोजन के दौरान अकीदतमंदों ने एक-दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी और अमन, भाईचारे तथा खुशहाली की दुआ की।

जबलपुर की फुटबॉल टीम ने दिल्ली में लहराया परचम

ऑल इंडिया नेशनल गेम्स चैम्पियनशिप में उत्तराखंड को 1-0 से हराकर जीता खिताब

जबलपुर। नरेला, सिंधु बॉर्डर स्थित राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स दिल्ली में 22 से 24 अगस्त तक आयोजित 'ऑल इंडिया नेशनल गेम्स चैम्पियनशिप 2026' में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए संस्कारधानी जबलपुर की फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में मध्यप्रदेश जबलपुर की टीम ने उत्कृष्ट तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए उत्तराखंड की टीम को 1-0 से शिकस्त देकर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम का डिफेंस और अटैक बेहद मजबूत रहा, जिसके दम पर युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। समस्त जबलपुर शहरवासियों के स्नेह व आशीर्वाद से कोच मोहित यादव के कुशल मार्गदर्शन में इन बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर पर यह ऐतिहासिक खिताब अपने नाम किया।

अजाक्स ने रक्षाबंधन के पूर्व डीए एरियर्स भुगतान पर आभार व्यक्त किया

जबलपुर। नगर निगम जबलपुर के अधिकारी एवं कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण पहल करते हुए रक्षाबंधन पर्व के पूर्व डीए एरियर्स राशि का भुगतान किया जा रहा है। इस संबंध में अजाक्स संघ ने महापौर व आयुक्त से लंबित डीए एरियर्स राशि के भुगतान संबंधी चर्चा की थी। महापौर, निगम अध्यक्ष एवं आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकिारियों को तत्काल भुगतान करने निर्देश दिए, जिसके फलस्वरूप रक्षाबंधन पूर्व कर्मचारियों को डीए एरियर्स राशि का भुगतान किया जा रहा है। कर्मचारी संगठनों ने इस सकारात्मक पहल के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगम अध्यक्ष रिंकू विज एवं आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है। इस अवसर पर अमित मेहरा, अक्षय कोरी, नरसम्मलू, मोहम्मद समीम, गुलशन जबलपुरी, राजेन्द्र पटेल, होरीलाल पटेल एवं रामराव मगदरे सहित अनेक कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बरेला में हर्षोल्लास से मनाई ईद मिलादुन्नबी, निकला भव्य जुलूस

बरेला। ईद मिलादुन्नबी का पर्व बरेला में हर्षोल्लास, श्रद्धा और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जामा मस्जिद से भव्य जुलूस निकाला गया, जो मदार छल्ला होते हुए मजार मोहल्ला पहुंचा और पुनः जामा मस्जिद में पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। इस दौरान पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शिक्षाओं को याद करते हुए इंसानियत, मोहब्बत, भाईचारे और अमन-चैन का संदेश दिया गया। जुलूस के दौरान क्षेत्र में धार्मिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। समापन अवसर पर देश व समाज में अमन, चैन, खुशहाली और भाईचारे के लिए विशेष दुआ की गई। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंडित अरविन्द तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश पटेल, नगर अध्यक्ष रामजी रैकवार, जिला सचिव विजय जैन, प्रवक्ता विपिन झारिया, मंडलम अध्यक्ष शेख सलीम, सदर अहमद खान, हाजी जहीर अहमद, पार्षद दीपक सोनकर, मुन्ना झारिया, सुनील सोनकर, रामकुमार नामदेव, शेख शाहिद खान टोले, शेख मुन्ना सद्दाम, बाबू सलाम, शेख नवाब, शेख अब्बास, शेख शानू, सलीम ठेकेदार, सिकंदर खान, फारुख खान, निसार खान, मुन्ना शाह, शेख शफीक, हाजी शेख हसन, हाजी गफ्फार खान, सत्तार खान, राजू खान, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं समाजजन उपस्थित रहे।

सिहोरा की गलियों से निकला जुलूसे मोहम्मदी, जगह-जगह तक्सीम हुआ लंगर

सिहोरा। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर मुस्लिम समाज द्वारा बुधवार को सिहोरा-खितौला के प्रमुख मार्गों से जुलूसे मोहम्मदी निकाला गया। सुबह दोपहिया वाहनों पर झंडे लगाकर जुलूस निकला, जबकि शाम को आजाद चौक से पैदल जुलूस प्रारंभ हुआ। इसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जुलूस के पुराना बस स्टैंड पहुंचने पर आतिशबाजी की गई। नगर के विभिन्न स्थानों पर स्टॉल लगाकर श्रद्धालुओं को लंगर तक्सीम किया गया। आयोजन के दौरान नगर एवं उपनगर में शांति और सौहार्द का माहौल रहा। जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में आईपीएस एसडीओपी सिहोरा आदित्य सिंघारिया, थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को सहित पुलिस बल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अध्यक्ष ने किया सीसी रोड निर्माण का निरीक्षण, गुणवत्ता पर ध्यान देने की हिदायत

भेड़ाघाट। नगर परिषद भेड़ाघाट क्षेत्र अंतर्गत लम्हेटघाट श्मशान घाट में निर्माणाधीन सीसी रोड का नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी ने निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की हिदायत संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दी। क्षेत्रीय लोगों की लंबे समय से मांग थी कि श्मशान घाट से नर्मदा नदी तक पहुंचने के लिए सुगम मार्ग बनाया जाए।

वर्तमान में लोगों को यहां आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद भेड़ाघाट द्वारा सीसी रोड का निर्माण कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जब भूमिगत पाइप लाइनों का डेटा-रिकॉर्ड नहीं तो उनको कैसे बदलेंगे?

पीने के पानी की सप्लाई पाइप लाइनों पर नगर निगम श्वेतपत्र जाहिर करे

जबलपुर। शहर में 60 प्रतिशत पीने के पानी की सप्लाई पाइप लाइनें नाला-नालियों के अंदर से गुजर रही हैं, इससे दूषित पेयजल सप्लाई होने की संभावनाएं हैं। यह सच्चाई सामने आने के बाद दूसरा तथ्य नगर निगम के अधीक्षण यंत्री ने स्वीकारा है कि 20 प्रतिशत अत्याधिक पुरानी पाइप लाइनें ऐसी हैं, जिनका स्पष्ट रिकार्ड ही नहीं है। अतः नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने नगर निगम आयुक्त को पत्र भेजकर मांग की है कि पीने के पानी की सप्लाई पाइप लाइनों पर नगर निगम श्वेतपत्र जाहिर करे।

डॉ. पीजी नाजपांडे ने बताया कि अमृत योजना के तहत पेयजल की पाइप लाइनों को बदलने की योजना है, लेकिन अमृत-1.0 योजना के पहले नगर निगम ने भूमिगत पाइप लाइनों का डेटा या मैप तैयार नहीं किया है। जब यह डीपीआर नहीं बना है, तो अमृत-2.0 योजना में इन पाइप लाइनों को बदलना संभव नहीं होगा। इसका खामियाजा जबलपुर के नागरिकों को भुगतना पड़ेगा।

आवंटित 10 करोड़ खर्च नहीं हो पाए

20 अगस्त को जब महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू से पेयजल पाइप लाइनों के संबंध में चर्चा हुई तो उन्होंने स्वीकारा कि आवंटित 10 करोड़ अभी तक खर्च नहीं हो पाये हैं। मंच ने आयुक्त को भेजे पत्र में इस पर चिंता व्यक्त की। बैठक में मनीष शर्मा, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, पीएस राजपूत, यशवंत कोष्टा, श्याम सोलंकी, अशोक यादव तथा राममिलन शर्मा उपस्थित रहे।

श्रीमती राम बाई काछी- पंसारी मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री कल्लू काछी की धर्मपत्नी श्रीमती राम बाई काछी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुकबरिया गोंटिया- राधाकृष्णन वार्ड चौथ वाले बाबा के निकट निवासी श्री हरछठ गोंटिया की धर्मपत्नी श्रीमती सुकबरिया गोंटिया (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री चोखे लाल झारिया-गंगासागर रोड मदनमहल निवासी श्री लखन लाल झारिया के पुत्र श्री चोखे लाल झारिया (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री रोबिन सोंधिया- लालमाटी शुक्ला होटल रोड छोटी संतोषी माता के निकट निवासी श्री बिल्ले सोंधिया के पुत्र श्री रोबिन सोंधिया (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री लखन लाल पटेल- बरसाना मोहल्ला मदनमहल निवासी श्री लखन लाल पटेल (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री शिव कुमार केवट- द्वारका नगर बीएम कॉलोनी निवासी श्री बिशनू प्रसाद केवट के पुत्र श्री शिव कुमार केवट (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती भूरी बाई- शास्त्री ब्रिज नरसिंह मंदिर टपरिया बस्ती निवासी श्री शंभू की धर्मपत्नी श्रीमती भूरी बाई (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांति बाई ठाकुर- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री हरि सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई ठाकुर (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री कैलाश केवट- अमखेरा गोहलपुर निवासी श्री हीरा लाल केवट के पुत्र श्री कैलाश केवट (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कमल कोरी- वल्दी कोरी की दफाई निवासी श्री गनेश कोरी के पुत्र श्री कमल कोरी (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी बाई लोधी- महानद्दा रोड मदनमहल निवासी श्री महावीर सिंह लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई लोधी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पूनम जाट- कंजर मोहल्ला घमापुर चौक निवासी श्री श्याम नारायण जाट की धर्मपत्नी श्रीमती पूनम जाट (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती धन्नो बाई बेन- गली नं. 9, सदर निवासी श्री सीतराम बेन की धर्मपत्नी श्रीमती धन्नो बाई बेन (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कीत देवी दुलानी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री लालचंद दुलानी की धर्मपत्नी श्रीमती कीत देवी दुलानी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

सुश्री राजकुमारी बैरागी- इंद्रा नगर व्हीकल रोड रांझी निवासी श्री धूरन दास बैरागी की पुत्री सुश्री राजकुमारी बैरागी (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री पारसनाथ केवट- चांदमारी लालमाटी निवासी श्री राम प्रसाद केवट के पुत्र श्री पारसनाथ केवट (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सरिता देवी रैकवार- महाराजपुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी श्री लक्ष्मण सिंह रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती सरिता देवी रैकवार (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भगवती बाई सोनकर- ब्यौहारबाग स्थित पांडे अस्पताल के पास निवासी श्री लक्ष्मण प्रसाद सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती भगवती बाई सोनकर (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री अर्जुन दास बालवानी- शांति नगर निवासी श्री अर्जुन दास बालवानी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

श्री धर्मराज चौधरी- रविदास नगर सिद्धबाबा रोड निवासी श्री शंभू चौधरी के पुत्र श्री धर्मराज चौधरी (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री नन्हें लाल सूर्यवंशी- अच्छे मियां का बाड़ा शीतलामाई सरकारी कुआं रोड निवासी श्री नन्हें लाल सूर्यवंशी (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री मुन्नी लाल राठौर- प्रेमसागर झंडा चौक निवासी श्री मुन्नी लाल राठौर (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- 10x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- 10x4 से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362160

यदि कोई त्यौहार शुक्रवार के दिन पड़ता है, तो जन विश्वास अभियान उसके ठीक दूसरे दिन आयोजित होगा

अब जन विश्वास अभियान 28 के बजाए 29 अगस्त को, 4 सितंबर के बजाए 5 सितंबर को होगा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

खास बातें

- इसमें 28 अगस्त को रक्षा बंधन व 4 सितंबर को कृष्ण जन्माष्टमी है
- सीएम ने कैबिनेट बैठक से पहले विभिन्न मुद्दों को लेकर मंत्रियों से की बातचीत

मंत्री-परिषद की बैठक से पहले मंत्रियों से बातचीत करते सीएम।

सरकार की महत्वांकाक्षी योजना मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान त्यौहारों पर होने वाले अवकाश की वजह से बाधित नहीं हो पाएगा। सरकार ने निर्णय लिया है कि यदि कोई त्यौहार शुक्रवार के दिन पड़ता है, तो जन विश्वास अभियान उसके ठीक दूसरे दिन आयोजित हो सकेगा। इस बार शुक्रवार के दिन दो त्यौहार पड़ रहे हैं।

इसमें 28 अगस्त को रक्षा बंधन व 4 सितंबर को कृष्ण जन्माष्टमी है। सरकार ने निर्णय लिया है कि अब जन विश्वास अभियान 28 के बजाय 29 अगस्त को तथा 4 सितंबर के बजाए 5 सितंबर को आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट की बैठक से पहले विभिन्न मुद्दों को लेकर मंत्रियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले तीन हफ्ते से निरंतर मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान संचालित हो रहा है। इसके बेहतर परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि विशेष पर्व और त्यौहारों के चलते अगर शुक्रवार को अवकाश रहता है, तो जनविश्वास शिविर अगले दिन शनिवार को आयोजित किया जाए। सभी जिला कलेक्टर मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान शिविर के संबंध में पहले से जानकारी दें। इससे आम लोगों के साथ कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों को भी तैयारी के लिए समय मिल सकेगा।

नीति आयोग ने युवाओं को 5 भागों में बांटा, उसी अनुसार होंगे कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार कौशल विकास को लेकर युवाओं को 5 भागों में बांटा गया है। इसमें स्कूल जाने वाले विद्यार्थी, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थी, संगठित और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले नागरिक एवं ऐसे युवा जो शिक्षा, रोजगार और स्व रोजगार दोनों से वंचित है। यह ग्रामीण क्षेत्रों से शहर आकर आईटीआई या अन्य रोजगार आधारित प्रशिक्षण ले रहे होते हैं। किंतु धन अभाव या किसी अन्य कारण से उन्हें सफलता नहीं मिल पाती है। नीति आयोग ने कहा है कि ऐसे युवाओं के लिए उच्च शिक्षा विभाग और युवा कल्याण विभाग के माध्यम से कार्य योजना तैयार कर ठोस कार्रवाई की जाए।

जल निकासी की व्यवस्था की भी समीक्षा करने अभियान चलाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मानसून का अंतिम दौर चल रहा है। उन्होंने पिछले दिनों रीवा पहुंचकर जबलपुर और शहडोल में बाढ़ और अति वृष्टि से हुए नुकसान की समीक्षा की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अत्यधिक बारिश होने से कई नगरीय निकायों और पंचायत क्षेत्रों में नाले ओवरफ्लो हो जाते हैं, जिससे गलियों और घरों में पानी भर जाता है। बैठक में जल निकासी की व्यवस्था की भी समीक्षा करने और वर्षा ऋतु के बाद अभियान चलाकर नालों के प्रवाह को निर्बाध बनाने के लिए कार्य योजना बनाने तथा उसके क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।

मंत्रियों के लिए दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी मंत्री अपने विभागीय अधिकारियों के साथ ढाई वर्ष में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों और योजनाओं पर विस्तृत चर्चा के लिए सितंबर में दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन करें। इसमें इन ढाई वर्षों में क्या हासिल हुआ, या फिर किस तरह की दिक्कतें आई। इस पर चर्चा कर विस्तृत कार्य योजना बनाएं, ताकि जनता के मुद्दों को ठीक से निराकरण किया जा सके। विदिशा के विभोर जैन को इतिहास रचने पर बधाई- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी क्षेत्रों में स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन दे रहे हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी क्षेत्र में सैटेलाइट लॉन्चिंग के लिए विदिशा निवासी विभोर जैन को भी अवसर मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की 21 प्रमुख कार्यों की समीक्षा, विभागों को दिए दिशा-निर्देश

आम जनता से जुड़े सभी प्राथमिक कार्यों का समय सीमा में किया जाए निराकरण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनता से जुड़े सभी प्राथमिक कार्यों का समय पर निपटारा आवश्यक है। राज्य शासन ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान- 2026 के माध्यम से साप्ताहिक शिविर और संवाद के आयोजन प्रारंभ किए हैं।

आम जनता से जुड़े कार्यों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए। आमजन के कार्य हेल्प लाइन तक पहुंचने से पहले ही पूरे हो जाएं, ऐसे प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से एक विशेष बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव बर्णवाल, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव नीरज सहित अन्य अफसर रहे मौजूद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 21 प्रमुख कार्यों की समीक्षा की।

सिंहस्थ के दृष्टिगत भीड़ प्रबंधन के उपाय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि जहां सिंहस्थ-2028 के लिए विभिन्न कार्य तेजी से पूरे करने पर हमारा फोकस रहे वहीं ऐसे उपायों पर भी अमल करें, जिससे भीड़ प्रबंधन आसान हो। इसके तहत उज्जैन स्थित अनेक मंदिर और प्रदेश के प्रमुख धर्म स्थलों पर ऐसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं जो श्रद्धालुओं के लिए उपयोगी होंगी। उज्जैन में टेंपल बॉन्ड के माध्यम से प्रमुख धार्मिक स्थलों के समग्र विकास के कार्य होंगे। सीएम ने राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल की क्षमता में वृद्धि, बैगा, भारिया, सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति के युवकों के लिए विशेष भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से सेवाएं लेने, होमगार्ड भर्ती नियम को अंतिम रूप देकर भर्ती परीक्षा करवाने की प्रक्रिया की भी जानकारी प्राप्त की।

मंत्रालय सहित विंध्याचल-सतपुड़ा में कर्मचारियों की बायोमैट्रिक अटैंडेंस व्यवस्था

डॉ. यादव ने कहा कि राज्य शासन ने उत्तरदायी प्रशासन के लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान- 2026 प्रारंभ किया है। इस अभियान के संचालन से बड़ी संख्या में आमजन के लंबित कार्यों और समस्याओं का समाधान हो रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जन विश्वास अभियान की आगामी एक माह की तैयारी रखी जाए, ताकि जनता को संवाद और शिविर का पूरा लाभ प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री आज मालनपुर में करेंगे गोदरेज की नई यूनिट का शुभारंभ, 450 से अधिक का निवेश

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 26 अगस्त को भिंड जिले के औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड की चौथी नई यूनिट का शुभारंभ करेंगे। इकाई के विस्तार पर 450 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है। इससे मालनपुर में उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ 2,250 से अधिक नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। कार्यक्रम में डॉ यादव पीडब्ल्यूडी नियुक्तियों के प्रमाण-पत्र भी वितरित करेंगे। इस अवसर पर श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा भिंड जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गोदरेज समूह के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

औद्योगिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

विस्तार के अंतर्गत 10 मीट्रिक टन प्रति घंटे क्षमता वाला निरंतर सैपोनिफिकेशन संयंत्र और प्रति मिनट 217 बंडल की क्षमता वाली स्वचालित पैकेजिंग प्रणाली स्थापित की जा रही है। इसके साथ प्रतिवर्ष 42 करोड़ हेयर कलर सैशे, 14 करोड़ मच्छर निरोधक उत्पाद और 10 करोड़ एयर फ्रेशनर सैशे के उत्पादन की क्षमता विकसित होगी। हेयर क्रीम उत्पादन की क्षमता 7,300 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष होगी।

विस्तार के साथ पर्यावरण संरक्षण पर जोर

गोदरेज द्वारा उत्पादन विस्तार के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डॉव जोंस सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स के अनुसार गॉदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स दुनिया की दूसरी सबसे टिकाऊ एफएमसीजी कंपनियों में शामिल है। मालनपुर संयंत्र में शून्य तरल अपशिष्ट उत्सर्जन प्रणाली के साथ 204 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जाएगा। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड वर्ष 1991 से मालनपुर में संचालित है। औद्योगिक क्षेत्र में स्थित कंपनी का संयंत्र 65 एकड़ क्षेत्र में फैला है।

मंत्रालय कर्मचारियों ने किया सीएम का ऐतिहासिक अभिनंदन

कर्मचारियों के हित और प्रमोशन के साथ इमोशन जोड़कर निर्णय लियाः डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी जागृति पटेल और विक्रम अवॉर्ड विजेता अंजली को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के शासकीय अधिकारी और कर्मचारियों के प्रमोशन की प्रक्रिया अब रुकेगी नहीं, अब पदोन्नति का यह क्रम साल दर साल चलता रहेगा। इस साल सभी विभागों में पदोन्नति के लिए डीपीसी प्रारंभ होने वाली है। सभी पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों के हित और उनके प्रमोशन के साथ अपना इमोशन जोड़कर निर्णय लिया है। डॉ यादव मंत्रालय में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि कर्मचारी हित में लिए गए निर्णयों के लिए मंत्रालयीन अधिकारियों-कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री डॉ यादव का मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी जागृति पटेल और विक्रम अवॉर्ड विजेता अंजली वर्मा को सम्मानित किया।

कर्मचारियों को समय पर सभी लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ ने कहा है कि पदोन्नति के बाद कर्मचारियों के मन की प्रसन्नता उनके चेहरे पर दिखाई देती है। प्रदेश के विकास और जनकल्याण के बढ़ते कारवां में कर्मचारियों का विशेष योगदान है। कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के लिए सभी प्रकार के वेतन, भत्ते और पदोन्नति देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। यह कर्मचारियों का अधिकार है, इससे कर्मचारियों के मन में ऊर्जा का संचार होता है, उनके परिवार में खुशी आती है। राज्य सरकार कर्मचारियों को समय पर सभी लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध है, क्योंकि देरी से लिया गया निर्णय भी अन्याय के समान होता है। कर्मचारियों के हित में राज्य सरकार सभी कल्याणकारी निर्णय लेने के लिए सदैव तत्पर है।

कर्मचारियों के वेतन-भत्तों के साथ आवास की भी चिंता

विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ यादव कर्मचारियों के वेतन भत्तों के साथ साथ उनके आवास की भी चिंता कर रहे हैं। उन्होंने किसानों के कल्याण, गरीब, महिला और युवा सहित सभी वर्गों के लिए जनहितैषी निर्णय लिए हैं। कार्यक्रम आयोजक एवं संयोजक सुभाष वर्मा ने मंत्रालय परिवार की ओर से मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर 2023 को राज्य के कर्मचारियों की किस्मत खुली थी। वर्ष 2013 से रुके भत्तों का भुगतान किया गया। इसके बाद 2026 में प्रदेशभर के 1 लाख 25 हजार से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति हुई। मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल में अनेक कर्मचारी हितैषी निर्णय लिए गए। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ अध्यक्ष रमेश शर्मा सहित शासकीय कर्मचारी संघों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी भाई बहन उपस्थित थे।

महाकालेश्वर रोड स्थित मेटल पार्क रोड पर हादसा

रायपुर में दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रक की चपेट में आई स्कूटी सवार महिला, मौके पर हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

उरला थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह सड़क हादसे में स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई। महाकालेश्वर रोड स्थित मेटल पार्क रोड पर पीछे से आ रहे ट्रक ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में महिला ट्रक के पहिए की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, रावाभाठा निवासी करीब 40 वर्षीय राजेश्वरी वर्मा रॉयल कंपनी में काम करती थीं। वह बुधवार को अपनी बेटी के साथ स्कूटी से कंपनी जाने के लिए निकली थीं।

अपनी बेटी के साथ स्कूटी से कंपनी जाने के लिए निकली थीं महिला

ट्रक चालक की तलाश में जुटी पुलिस

हादसे के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ट्रक की पहचान और चालक की तलाश में जुटी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि हादसे की पूरी परिस्थितियों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जानकारी में पीछे से ट्रक की टक्कर को हादसे की वजह बताया जा रहा है। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर

दोनों स्कूटी से मेटल पार्क रोड से होकर गुजर रही थीं। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही स्कूटी अनियंत्रित हो गई और राजेश्वरी सड़क पर गिर गईं। इसी दौरान वह ट्रक की चपेट में आ गईं। गंभीर रूप से कुचले जाने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही उरला पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पालतू बतख को बनाया अपना आसान शिकार

कोरबा के फार्म हाउस में दिखा विशाल अजगर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कोरबा

जिले के भुलसीडीह गांव में एक फार्म हाउस में उस समय हड़कंप मच गया, जब पालतू बतख को अजगर ने अपना शिकार बना लिया। सुबह फार्म हाउस संचालक हीरा उरांव ने अपनी तीन बत्तखों को आवाज लगाई। दो बतखें बाहर आ गईं, लेकिन तीसरी के बाहर नहीं आने पर उन्होंने बाड़े के अंदर झांककर देखा। वहां एक अजगर बत्तख को निगल रहा था।

यह दृश्य देखकर घर-परिवार के लोग सहम गए। ग्रामीण हीरा उरांव ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग से जुड़े वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम प्रमुख एवं वन विभाग सदस्य जितेंद्र सारथी को दी। सूचना मिलते ही

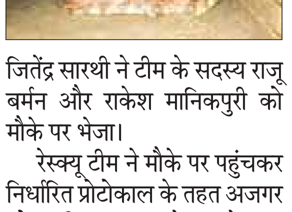

जितेंद्र सारथी ने टीम के सदस्य राजू बर्मन और राकेश मानिकपुरी को मौके पर भेजा।

रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्धारित प्रोटोकाल के तहत अजगर को सुरक्षित पकड़ा। रेस्क्यू के बाद अजगर को उसके प्राकृतिक आवास यानी जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान टीम ने लोगों को वन्यजीवों से दूरी बनाए रखने और उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाने की समझाइश भी दी।

आंकड़ों का सत्यापन कराने के दिए निर्देश

नर्मदा-क्षिप्रा-चंबल में सीवेज मिलने पर एनजीटी में सुनवाई

मुख्य सचिव को रिपोर्ट पेश करने को कहा गया, सत्यापन करने के दिए आदेश

फाइल फोटो।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राजधानी स्थित नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की बेंच ने मध्य प्रदेश में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2016 का कितना पालन हो रहा है, इस मामले पर लगी याचिका पर सुनवाई हुई। बेंच ने इसका सत्यापन करने के आदेश राज्य सरकार को दिए हैं। मुख्य सचिव को रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और डॉ. अफरोज अहमद की बेंच ने की।

यह मामला मूल आवेदन संख्या 606/2018 में विचाराधीन है, जिसमें नगर निकायों द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुपालन और अन्य पर्यावरणीय मुद्दों पर विचार किया जा रहा है। एनजीटी ने मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव द्वारा दाखिल शपथ पत्र का परीक्षण किया। अधिकरण ने पाया कि राज्य में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की स्थिति मुख्यतः 413 नगरीय स्थानीय निकायों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है। इन आंकड़ों का पर्याप्त मैदानी सत्यापन नहीं किया गया है। इस पर ट्रिब्यूनल ने हर जिले के कलेक्टर के माध्यम से आंकड़ों का सत्यापन कराने का निर्देश दिया है। अधिकरण ने यह भी दर्ज किया कि 352 निकायों में 1,315 नालों से करीब 637 एमएलडी सीवेज और सीवेजयुक्त जल विभिन्न जल निकायों में छोड़ा जा रहा है। जिनमें नर्मदा, क्षिप्रा और चंबल जैसी नदियां भी शामिल हैं। राज्य शासन द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश में प्रतिदिन करीब 8,467.87 टन ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है, जबकि 8,412.48 के प्रसंस्करण की जानकारी दी गई है। इस प्रकार राज्य ने 55.39 टीडीपी का अंतर बताया है।

अगली सुनवाई 24 फरवरी को

मामले में अगली रिपोर्ट के साथ हर निकाय के प्रसंस्करण एवं विरासत अपशिष्ट स्थलों की जियो-कोडेड तस्वीरें भी प्रस्तुत करनी होंगी। एनजीटी ने एमपी के मुख्य सचिव को अगली सुनवाई से कम से कम एक सप्ताह पहले अगली अनुपालन रिपोट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मामले में मध्य प्रदेश से संबंधित रिपोर्ट पर विचार अब 24 फरवरी 2027 को होगा।

स्पेशल रूट का प्लान तैयार

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा में चलेंगी 240 आधुनिक ई-बसें

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षित और सुविधाजनक आवाजाही के लिए विशेष बस सेवा शुरू करने की तैयारी है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर नगरीय प्रशासन व विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों पर चर्चा की। साथ ही महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक रूट और संचालन व्यवस्था तैयार करने पर विचार किया गया। बैठक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारियों की समीक्षा की गई।

4 शहरों में दौड़ेंगी 240 ई-बसें

ई-बस सेवा की संचालन व्यवस्था, विस्तार, रूट प्लानिंग, बस स्टॉप, डिपो, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। केंद्र सरकार से योजना के तहत चार नगर निगमों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा में 240 इलेक्ट्रिक बसों की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

खतरे के साये में सफर करने को मजबूर ग्रामीण

देवरी सलिहा नाला-दीपका को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग धंसा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चाकाबुड़ा

देवरी सलिहा नाला से होकर दीपका को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग क्षतिग्रस्त होकर धंस गया है। इसकी वजह से इस रास्ते से आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

यह मार्ग क्षेत्र के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों के साथ मजदूरों, स्कूली बसों, मरीजों और एंबुलेंस के लिए भी महत्वपूर्ण है। सड़क की मौजूदा स्थिति के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा

है कि देवरी सलिहा नाला मार्ग लंबे समय से बदहाली का सामना कर रहा है। बारिश के दौरान नाले और मार्ग पर पानी का दबाव बढ़ने से कई बार सड़क क्षतिग्रस्त हो चुकी है। मार्ग का एक हिस्सा धंस जाने के बाद स्थिति गंभीर हो गई है। चारपहिया वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने के साथ ही दोपहिया वाहन चालकों को भी जोखिम उठाकर क्षतिग्रस्त हिस्से को पार करना पड़ रहा है।

दुर्घटना होने की आशंका

मार्ग बाधित होने के बावजूद ग्रामीण और कोल माइंस में कार्यरत मजदूर अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के कारण इस रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं। कई लोग अपनी बाइक लेकर धंसे हुए हिस्से को पार कर रहे हैं। ऐसे में किसी भी समय दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। खासकर रात के समय इस मार्ग से गुजरना और भी जोखिम भरा बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। स्कूल बसों और एंबुलेंस के लिए भी यह मार्ग महत्वपूर्ण है। यदि किसी मरीज को तत्काल अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़ती है, तो मार्ग की खराब स्थिति परेशानी को और बढ़ा सकती है।

एआई सुरक्षा बाजार में तेज उछाल, 2027 तक 4.8 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान: रिपोर्ट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग के साथ इसकी सुरक्षा पर होने वाला वैश्विक खर्च भी तेजी से बढ़ रहा है। एआई प्रणालियों की सुरक्षा से जुड़ा वैश्विक बाजार 2027 में लगभग 4.8 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2026 की तुलना में 68.7 प्रतिशत अधिक होगा। 2028 तक यह बाजार बढ़कर लगभग 7.7 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

तकनीकी निवेश का केंद्रीय क्षेत्र एआई सुरक्षा

उपाध्याय ने कहा कि पारंपरिक साइबर सुरक्षा उपकरण अक्सर एआई अनुप्रयोगों को सामान्य सॉफ्टवेयर की तरह देखते हैं। यही कारण है कि एआई से जुड़े विशिष्ट खतरों से निपटने के लिए इन प्रणालियों में बड़े स्तर पर बदलाव और उन्नयन की आवश्यकता होगी। आने वाले वर्षों में एआई सुरक्षा को तकनीकी निवेश का एक केंद्रीय क्षेत्र माना जा रहा है, क्योंकि एआई का विस्तार जितनी तेजी से होगा, उससे जुड़े साइबर जोखिम भी उतनी ही तेजी से बढ़ेंगे।

2028 तक पहुंच सकता है बाजार बढ़कर लगभग 7.7 अरब डॉलर

कंपनियां सुरक्षा जोखिमों को दे रही हैं प्राथमिकता

गार्टनर के वरिष्ठ प्रधान विश्लेषक शैलेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि इस तेज वृद्धि के पीछे सबसे बड़ा कारण संगठनों के सामने एआई प्रणालियों को सुरक्षित बनाने की बढ़ती आवश्यकता है। कंपनियां अब केवल एआई को अपनाने पर ही ध्यान नहीं दे रही हैं, बल्कि उससे जुड़े नए सुरक्षा जोखिमों, कमजोरियों और उन्नत साइबर खतरों से बचाव को भी प्राथमिकता दे रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई परियोजनाओं में तृतीय पक्ष और ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर के बढ़ते उपयोग के कारण नई तरह की सुरक्षा चुनौतियां सामने आ रही हैं।

प्रॉम्प्ट इंजेक्शन जैसी तकनीकों का फायदा

गार्टनर का अनुमान है कि 2029 तक एआई एजेंट्स पर होने वाले आधे से अधिक सफल साइबर हमले पहुंच नियंत्रण संबंधी कमजोरियों और प्रॉम्प्ट इंजेक्शन जैसी तकनीकों का फायदा उठाकर किए जाएंगे। इससे एआई सुरक्षा समाधानों की आवश्यकता और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, एआई एप्लिकेशन सुरक्षा 2027 में भी खर्च की सबसे बड़ी श्रेणी बनी रहेगी और इस पर लगभग 851 मिलियन डॉलर खर्च होने का अनुमान है, इसके बाद एआई उपयोग नियंत्रण श्रेणी का स्थान रहेगा, जिस पर लगभग 749 मिलियन डॉलर खर्च किए जाने की संभावना है।

स्वायत्त एआई प्रणाली मे नई प्रकार की कमजोरियां

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्वायत्त एआई प्रणालियां नई प्रकार की कमजोरियां लेकर आती हैं, जिन्हें पारंपरिक निगरानी और सुरक्षा उपकरण पूरी तरह पहचान नहीं पाते। इसलिए संगठनों को एआई मॉडल की पहचान, निगरानी और सुरक्षा के लिए विशेष समाधान अपनाने होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, एआई-आधारित सुरक्षा रणनीति केवल नए उपकरण खरीदने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। कंपनियों को अपनी मौजूदा साइबर सुरक्षा व्यवस्था को एआई सुरक्षा समाधानों के साथ एकीकृत करना होगा, ताकि वे उभरते खतरों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें।

एआई उपयोग में 73 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान

हालांकि वृद्धि दर के लिहाज से एआई उपयोग नियंत्रण सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र होगा, जिसमें लगभग 73 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इसके बाद एआई गेटवे श्रेणी में लगभग 70.9 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा सकती है। उपाध्याय ने कहा कि जैसे-जैसे एआई रनटाइम सुरक्षा और समर्पित एआई गेटवे जैसी तकनीकें अधिक विश्वसनीय बनेंगी, संगठनों का इन समाधानों पर भरोसा बढ़ेगा और उनका उपयोग भी तेजी से बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कंपनियां जैसे-जैसे अपने एआई कार्यक्रमों का विस्तार करेंगी, वैसे-वैसे विशेष एआई सुरक्षा समाधानों की मांग भी बढ़ती जाएगी।

खबर संक्षेप

बीएसई-एनएसई ने लगाया एनटीपीसी पर जुर्माना

नई दिल्ली। बीएसई और एनएसई ने सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनियों एनटीपीसी, आरईसी और एसजेवीएन पर नियमों के उल्लंघन के लिए 59.14 लाख सूचना में कहा कि सूचीबद्धता विनियम 17(1) के उल्लंघन के लिए बीएसई और एनएसई प्रत्येक ने 5,36,900 रुपए (जीएसटी सहित) का जुर्माना लगाया है।

अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस को मिली पारेषण परियोजना

नई दिल्ली। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) को महाराष्ट्र में 4,500 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा एवं भंडारण बिजली की निकासी के लिए 4,700 करोड़ रुपए की पारेषण परियोजना मिली है। भाग-ए' परियोजना एईएसएल को शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) प्रक्रिया के जरिये मिली है।

अवाडा इलेक्ट्रो का आएगा आईपीओ

नई दिल्ली। ब्रुकफील्ड समर्थित अवाडा ग्रुप की सौर ऊर्जा विनिर्माण इकाई अवाडा इलेक्ट्रो लिमिटेड ने अपने 7,600 करोड़ रुपए के प्रस्तावित आईपीओ के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष अद्यतन दस्तावेज दाखिल किए हैं। नए शेयर तथा प्रवर्तक अवाडा वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की 6,000 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश का मिश्रण होगा।

बोट का लाभ 38 प्रतिशत बढ़कर 84.5 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक ब्रांड बोट का वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ 38 प्रतिशत बढ़कर 84.5 करोड़ रुपए हो गया। इमेजिन मार्केटिंग लिमिटेड के स्वामित्व वाले इस ब्रांड का वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध लाभ 61.1 करोड़ रुपए था। बोट ने बुधवार को बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की परिचालन आय 2,931 करोड़ रुपए रही।

गाजा अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट का शेयर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी गाजा अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड का शेयर अपने 160 रुपए के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 16 प्रतिशत की बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 185.20 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य के मुकाबले 15.75 प्रतिशत की बढ़त है। एनएसई पर इसने 15.62 प्रतिशत की बढ़त के साथ 185 रुपए पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,481.07 करोड़ रुपए रहा।

26 बाजारों में चावल निर्यात में वृद्धि, 47.9 लाख टन हुआ चावल एक्सपोर्ट

5 महीनों की अवधि में 23,400 करोड़ रुपए के पार पहुंचा भारत का चावल निर्यात

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत के प्राथमिकता वाले 26 बाजारों में चावल का निर्यात 2025 के भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) के बाद के पांच महीनों में पिछले तीन वर्ष के औसत से अधिक रहा। इससे संकेत मिलता है कि स्थानीय खान-पान के अनुरूप भारतीय चावल की किस्मों को बढ़ावा देने की रणनीति से विदेशों में मांग के विविधीकरण में मदद मिल सकती है।

भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) की ओर से वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, नवंबर 2025 से मार्च 2026 के बीच 26 बाजारों को मिलाकर चावल का निर्यात 23,476 करोड़ रुपए और 47.9 लाख टन रहा। इसमें बासमती और गैर-बासमती दोनों तरह के चावल शामिल हैं।

1.1 प्रतिशत अधिक निर्यात मूल्य

निर्यात मूल्य पिछले तीन वर्ष में नवंबर-मार्च की इसी अवधि के औसत से 1.1 प्रतिशत अधिक रहा, जबकि इसकी मात्रा 5.6 प्रतिशत अधिक रही। इन 26 बाजारों में से 11 में मूल्य एवं मात्रा दोनों के लिहाज से सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज की गई। ये नतीजे ऐसे समय आए हैं जब भारत घरेलू स्तर पर चावल की पर्याप्त उपलब्धता के बीच अपने निर्यात आधार को व्यापक बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में जोर अधिक चावल के लिए बाजार तलाशने के बजाय ऐसी विशिष्ट किस्मों की पहचान पर है जो उपयुक्तता, गुणवत्ता में निरंतरता और पकने के गुणों के आधार पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

मैक्सिको को चावल की खेप में 50.9 प्रतिशत की वृद्धि

व्यापार आंकड़े यह भी बताते हैं कि निर्यात वृद्धि का आकलन केवल मात्रा के आधार पर नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए, मैक्सिको को चावल की खेप में 50.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निर्यात मूल्य 22.1 प्रतिशत बढ़ा। केन्या और दक्षिण अफ्रीका में भी मात्रा की वृद्धि मूल्य की तुलना में काफी अधिक रही। यह विभिन्न बाजारों में कीमत, उत्पाद मिश्रण और मांग में अंतर को दर्शाता है। इससे उद्योग अधिक लक्षित रणनीति अपना रहा है।

23 अक्टूबर से अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन

निर्यातक चावल को केवल एक जिंस के रूप में पेश करने के बजाय यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि भारतीय चावल की अलग-अलग किस्में संभावित बाजारों के उपभोक्ताओं के परिचित व्यंजनों में किस तरह बेहतर उपयोग की जा सकती हैं। इस रणनीति को 23 से 25 अक्टूबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाले भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) 2026 में आगे बढ़ाया जाएगा।

जर्मनी में निर्यात मूल्य 33.5 प्रतिशत बढ़ा

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को निर्यात मूल्य में 65 प्रतिशत और मात्रा में 64 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बेल्जियम में क्रमशः 53.8 प्रतिशत और 44.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जर्मनी में निर्यात मूल्य 33.5 प्रतिशत बढ़ा, जबकि मात्रा 24.6 प्रतिशत बढ़ी। ब्रिटेन में निर्यात मूल्य 26.9 प्रतिशत और मात्रा 25.6 प्रतिशत बढ़ी। दक्षिण अफ्रीका में मूल्य 26 प्रतिशत, जबकि मात्रा 42.9 प्रतिशत बढ़ी। केन्या में दोनों में क्रमशः 22.3 प्रतिशत और 34.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। फ्रांस में निर्यात मूल्य 31.3 प्रतिशत और मात्रा 32.9 प्रतिशत बढ़ी। ब्रिटेन को निर्यात मूल्य में 26.9 प्रतिशत और मात्रा में 25.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मैक्सिको को निर्यात मूल्य 22.1 प्रतिशत और मात्रा 50.9 प्रतिशत बढ़ी। नीदरलैंड को निर्यात मूल्य 20.5 प्रतिशत और मात्रा 13.8 प्रतिशत बढ़ी, जबकि कनाडा को निर्यात मूल्य 10.2 प्रतिशत और मात्रा 9.1 प्रतिशत बढ़ी। सेनेगल को निर्यात मूल्य 5.3 प्रतिशत और मात्रा 29.9 प्रतिशत बढ़ी।

शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 183 अंक फिसला

एजेंसी ▸▸ मुंबई

■ निफ्टी में 0.52 प्रतिशत की गिरावट

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और क्रूड ऑयल की कीमतों में गिरावट के चलते हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। घरेलू बाजार में यह गिरावट पिछले दिन की तेजी के बाद आई है, जब दोनों प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स और निफ्टी 50 में 0.48 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई थी।

दोनों प्रमुख बेंचमार्क 0.52 प्रतिशत तक गिरे

वहीं आज के सत्र में आईटी, एफएमसीजी और ऑटो शेयरों में दबाव के चलते दोनों प्रमुख बेंचमार्क 0.52 प्रतिशत तक गिर गए। बाजार बंद होने के समय सेंसेक्स 183.15 अंक यानी 0.24 प्रतिशत गिरकर 77,472.94 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 126.80 (0.52 प्रतिशत) अंक लुढ़ककर 24,207.75 पर बंद हुआ।

एसबीआई लाइफ के शेयरों में तेजी

निफ्टी50 इंडेक्स में कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी लाइफ और एसबीआई लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, भारती एयरटेल, पावरग्रिड, इंफोसिस, एलएंडटी, नेस्ले इंडिया और श्रीराम फाइनेंस सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन वाले शेयरों में शामिल रहे।सेक्टरों में अलग-अलग रुझान के कारण बेंचमार्क पर दबाव बना रहा। '

होर्मुज अवरोध का असर 'आशंका से बेहतर': जॉर्जीवा

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि होर्मुज जलडमरुमध्य में अवरोध से उत्पन्न तेल संकट का वैश्विक अर्थव्यवस्था ने विभिन्न कारणों से 'आशंका से बेहतर' सामना किया है। इनमें कृत्रिम मेधा (एआई) में निवेश में तेजी भी शामिल है।

जॉर्जीवा ने कहा, ' एआई की शुरुआत अमेरिका तक सीमित एक घटना थी, लेकिन अब यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए वृद्धि का एक प्रमुख कारक बन रही है। अन्य देश भी डेटा सेंटर और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण में तेजी ला रहे हैं।।'

■ वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए वृद्धि का एक प्रमुख कारक एआई

एआई निवेश में तेजी से मिल रहा बढ़ावा : जॉर्जीवा ने कहा कि तेल एवं गैस भंडार से निकासी बढ़ने तथा खाड़ी देशों के बाहर से आपूर्ति बढ़ने सहित कई कारकों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था ने होर्मुज जलडमरुमध्य के बंद होने से उत्पन्न हुए ऊर्जा संकट का 'आशंका से बेहतर' सामना किया है। जॉर्जीवा ने अगले सप्ताह उत्तरी कैरोलिना के एशविले में होने वाली जी-20 वित्त मंत्रियों की बैठक से पहले कहा, 'वहीं, एआई में निवेश में तेजी से इसे बढ़ावा मिल रहा है। खासकर अमेरिका में, जहां कंपनियों की आय और उपभोक्ता मांग दोनों मजबूत बनी हुई हैं।'

तेल और गैस के भंडार घट रहे

जॉर्जीवा ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को लेकर जोखिम वसंत में हुई बैठकों के समय की तुलना में अधिक संतुलित हैं, लेकिन अब भी नकारात्मक दिशा में झुके हुए हैं और अनिश्चितता का स्तर ऊंचा बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'बढ़ते राजकोषीय दबाव और मुद्रास्फीति में कमी थमना बाजारों तथा नीति निर्माताओं के लिए चिंता का विषय है।'' आईएमएफ प्रमुख ने कहा कि तेल और गैस के भंडार घट रहे हैं और उत्तरी गोलार्ध में सर्दियां जल्द आने वाली हैं। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि ऊर्जा संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। तेल की कीमतों में फिर से वृद्धि मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती है, जिससे केंद्रीय बैंकों को सख्त मौद्रिक नीति बनाए रखने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

10 लाख करोड़ के पार होगा एसबीआई का आवास ऋण पोर्टफोलियो

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का आवास ऋण पोर्टफोलियो वित्त वर्ष 2026-27 की चालू तिमाही में 10 लाख करोड़ रुपए के महत्वपूर्ण आंकड़े को पार कर सकता है।एसबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 में 9 लाख करोड़ रुपए के आवास ऋण पोर्टफोलियो का आंकड़ा पार किया था। तिमाही में हम 10 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े तक पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि आवास ऋण क्षेत्र में एसबीआई की बाजार हिस्सेदारी करीब 28 प्रतिशत है। बैंक ने देशभर में आवास ऋण को अधिक सुलभ बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके लिए पूरे देश में 460 से अधिक आवास ऋण 'प्रसंस्करण केंद्र' हैं। उचित जांच एवं बिल्डर की पड़ताल युक्त बैंक की प्रक्रियाओं में ग्राहकों का भरोसा, ये ऐसे मुख्य कारक हैं, जो आवास ऋण के लिए ग्राहकों को एसबीआई की ओर आकर्षित करते हैं।

एयर इंडिया ने की भूटान एयरलाइंस के साथ साझेदारी, मिलेगी सुविधाएं

एजेंसी ▸▸ मुंबई

एयर इंडिया ने भूटान की सार्वजनिक विमानन कंपनी ड्रुकएयर-रॉयल भूटान एयरलाइंस के साथ बुधवार को 'इंटरलाइन' साझेदारी की।

इसके तहत दोनों एयरलाइन एक-दूसरे के नेटवर्क पर यात्रियों को सुगम यात्रा की सुविधा देंगी और दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के बीच संपर्क मजबूत होगा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने कहा कि इस साझेदारी के साथ वह अब अपने या साझेदारों के नेटवर्क के जरिए सार्क क्षेत्र के लगभग सभी देशों के लिए सुगम संपर्क उपलब्ध कराती है। भारत और भूटान के अलावा दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) में पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, अफगानिस्तान, मालदीव और श्रीलंका शामिल हैं। 'इंटरलाइन' व्यवस्था ऐसी साझेदारी है, जिसके तहत साझेदार विमानन कंपनी द्वारा संचालित उड़ानों के लिए टिकट जारी और स्वीकार किए जाते हैं। 'इंटरलाइन टिकट' जारी करते समय परिचालन करने वाली एयरलाइन के उड़ान नंबर का इस्तेमाल किया जाता है।

एमजी हेक्टर टामहॉक एसयूवी लॉन्च...

नई दिल्ली। बाजार में ईवी की मांग को देखते हुए एमजी की ओर से भी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर एमजी हेक्टर टामहॉक को लॉन्च कर दिया गया है। इस एसयूवी में किस तरह के फीचर्स को दिया गया है। कितनी रेंज के साथ ऑफर किया गया है। किस कीमत पर इसे लॉन्च किया गया है। एमजी की ओर से भारतीय बाजार में औपचारिक तौर पर नई ईवी टॉमहॉक को लॉन्च कर दिया गया है। निर्माता की ओर से इसे पांच और सात सीटों के विकल्प में ऑफर किया गया है। इसके साथ ही निर्माता ने इस एसयूवी के पीएचईवी वर्जन को भी लॉन्च किया है। एमजी की ओर से नई ईवी को भारतीय बाजार में 69.2 केडब्ल्यूएच की क्षमता की बैटरी के साथ लॉन्च किया गया है। जिससे इसे 517 किलोमीटर तक की रेंज मिल जाती है। इसको 90 किलोवाट की डीसी फास्ट चार्जिंग के साथ ऑफर किया गया है। इसमें दी गई मोटर से इसे 150 किलोवाट की पावर और 310 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसे 8.2 सेकेंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलाया जा सकता है।

आज से दिल्ली में 35 रुपए किलो के भाव सरकार बेचेगी प्याज

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

प्याज की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार गुरुवार से दिल्ली में बफर स्टॉक का प्याज 35 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचेगी।

देश के कई शहरों में प्याज का खुदरा भाव 55 से 60 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी गुरुवार को दिल्ली में रियायती दर पर प्याज की बिक्री की शुरुआत करेंगे। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

प्याज का 1.21 लाख टन का 'बफर स्टॉक'

सरकार ने 2026 के लिए प्याज का 1.21 लाख टन का 'बफर स्टॉक' तैयार किया है। इसी भंडार से प्याज बाजार में उतारा जाएगा। इस खुदरा बिक्री का संचालन तीन एजेंसियां भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नाफेड), भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और केंद्रीय भंडार करेंगी। एनसीसीएफ के प्रबंध निदेशक अनीस जोसेफ चंद्रा ने बताया, 'हम कल दिल्ली में बिक्री शुरू करेंगे और सप्ताहांत तक इसे एनसीआर क्षेत्र में भी शुरू कर दिया जाएगा।' एनसीसीएफ के पास प्याज का करीब 62,000 टन बफर स्टॉक है। इसमें से महाराष्ट्र के नासिक से 400 टन प्याज रेल के जरिए दिल्ली भेजा जा रहा है।

एनसीसीएफ दिल्ली में 100 स्टोर के जरिए बेचेगा प्याज

एनसीसीएफ दिल्ली में केंद्रीय भंडार के 100 स्टोर के जरिए प्याज बेचेगा। इसके अलावा मदर डेयरी के करीब 300 बिक्री केंद्रों के जरिये प्याज बेचने को लेकर भी बातचीत चल रही है। एनसीसीएफ शुरुआत में 15 मोबाइल वैन के जरिए भी प्याज बेचेगा। इनकी संख्या शुक्रवार से बढ़ाकर 40 की जाएगी। चंद्रा ने कहा कि रेल के जरिए आने वाली प्याज की खेप का इस्तेमाल चंडीगढ़, लुधियाना, वाराणसी और अन्य शहरों में भी बिक्री के लिए किया जाएगा। नाफेड के पास 55,000 टन से कम प्याज का बफर स्टॉक है। वह भी दिल्ली के अलावा कोच्चि और गुवाहाटी समेत अन्य केंद्रों पर रियायती दर पर प्याज बेचेगा। पहली विशेष रेलगाड़ी 800 टन प्याज लेकर नासिक से दिल्ली के लिए रवाना हो चुकी है।

कनाडा के निवेशकों के लिए भारत में व्यापक अवसर

भारत तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था : सीतारमण

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

■ बढ़ती खपत तथा तेजी से विकसित हो रहे बाजार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कनाडा की संस्थाओं से निवेश का आह्वान करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और यहां व्यापक अवसर, निरंतर वृद्धि, युवा आबादी, बढ़ती खपत तथा तेजी से विकसित हो रहे पूंजी बाजारों का अनूठा संयोजन निवेश के मजबूत अवसर प्रदान करता है। टोरंटो में भारतीय कारोबारी समुदाय के प्रमुख सदस्यों को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा, ' दीर्घकालिक नजरिया रखने वाले कनाडा के निवेशकों के लिए भारत व्यापक अवसर, निरंतर वृद्धि, युवा आबादी, बढ़ती खपत और तेजी से विकसित होते पूंजी बाजार जैसे संयोजन पेश करता है, जिसकी बराबरी करना मुश्किल है।'

भारत-कनाडा संबंधों में आया बदलाव

सीतारमण ने कहा कि भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों में हाल के समय में उल्लेखनीय बदलाव आया है। यह साझा लोकतांत्रिक एवं बहुलतावादी मूल्यों, बढ़ते आर्थिक जुड़ाव, उच्चस्तरीय संवाद और मजबूत जन-जन संबंधों से समर्थित है।उन्होंने जून 2025 में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के उनके समकक्ष मार्क कार्नी के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नए सिरे से मजबूत करने को लेकर बनी सहमति का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों ने भविष्य-केंद्रित रणनीतिक साझेदारी को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

यूपीआई दुनिया की बड़ी भुगतान प्रणाली : सीतारमण ने कहा कि लेनदेन की मात्रा के लिहाज से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) दुनिया की सबसे बड़ी वास्तविक-समय भुगतान प्रणाली है और यह वित्तीय समावेश, दक्षता तथा नवाचार का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में कनाडा के बैंकों, वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों और नियामकों के साथ न केवल भुगतान के क्षेत्र में बल्कि अगली पीढ़ी के डिजिटल वित्तीय बुनियादी ढांचे को आकार देने में भी सहयोग के महत्वपूर्ण अवसर मौजूद हैं।

भारत में बदलाव संरचनात्मक

सीतारमण ने कहा कि भारत में बदलाव संरचनात्मक है, जो तेजी से हो रहे शहरीकरण, बढ़ते मध्यम वर्ग और विश्वस्तरीय डिजिटल बुनियादी ढांचे से प्रेरित है। इससे अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। वित्त मंत्री ने वित्तीय एवं वाणिज्यिक सेवाओं तक पहुंच में बदलाव लाने में भारत की डिजिटल प्रणाली की भूमिका को भी रेखांकित किया। वित्तीय एवं वाणिज्यिक सेवाओं तक पहुंच की लागत को काफी कम किया है और उनकी पहुंच का दायरा बढ़ाया है।

दिग्गजों के दौरों से बदलती वैश्विक राजनीति के संकेत निकाले जा रहे मायने

वैश्विक कूटनीति में भारी हलचलः सीआईए चीफ अचानक रूस पहुंचे, डोभाल, जयशंकर और भागवत भी विदेश दौरे पर पहले ही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के निदेशक जॉन रैटक्लिफ 25 अगस्त को अचानक मॉस्को पहुंचे। वर्ष 2021 के बाद किसी अमेरिकी खुफिया प्रमुख का यह पहला रूस दौरा है। यूक्रेन युद्ध और ईरान से जुड़े वैश्विक समीकरणों के बीच हुई इस मुलाकात की आधिकारिक जानकारी गुप्त रखी गई है। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका और रूस के बीच जारी बैक-चैनल वार्ताओं और तनाव कम करने के प्रयासों के तहत यह बेहद संवेदनशील कदम माना जा रहा है। यह दौरा ऐसे समय हुआ है जब यूक्रेन युद्ध जारी है और अमेरिका-रूस के बीच संपर्क बढ़ाने की कोशिशें चल रही हैं। रैटक्लिफ की यात्रा की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने द जेरूसलम पोस्ट को बताया कि ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने यूक्रेन से सोमवार से बुधवार तक मॉस्को पर किसी भी हमले को रोकने के लिए कहा था। रूस के साथ-साथ ईरान का मुद्दा भी इस दौरे को और अहम बनाता है, क्योंकि मॉस्को-तेहरान संबंध अमेरिका के लिए बड़ी चिंता हैं। इसी दौरान भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 25 अगस्त को बीजिंग में थे। उन्होंने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ भारत-चीन सीमा विवाद पर 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता की. बातचीत में सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने, द्विपक्षीय संबंधों में सुधार और सीमा विवाद के समाधान की दिशा में आगे बढ़ने पर जोर दिया गया। डोभाल का दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत-चीन संबंधों में हाल के सुधार के बीच हो रहा है। सितंबर में भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय संपर्क बढ़ा है। चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से भी डोभाल की मुलाकात हुई।

भारत रूस, चीन, जापान, अमेरिका और कनाडा से रिश्ते साध रहा है

भारत एक साथ इतने देशों से बातचीत का बढ़ा रहा दायरा

भारत के दो दिग्गजः जापान में पीयूष, कनाडा में सीतारमण

एआई इमेज

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 24 से 27 अगस्त तक जापान के दौरे पर हैं। वह करीब 200 सदस्यों वाले भारतीय कारोबारी डेलिगेशन का नेतृत्व कर रहे हैं। इसे जापान के लिए भारत का अब तक का सबसे बड़ा बिजनेस डेलिगेशन बताया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 25 अगस्त से 2 सितंबर तक कनाडा और अमेरिका के दौरे पर हैं। कनाडा में वह भारत-कनाडा के पहले इकोनॉमिक एंड फॉइनेंशियल डायलॉग में हिस्सा लेंगी। यहां ऊर्जा, क्रिटिकल मिनरल्स, एआई, तकनीक, निवेश और सप्लाई चेन जैसे मुद्दे अहम हैं।

पाकिस्तान की मरियम नवाज भी चीन में

पाकिस्तान के पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ 25 अगस्त को चार दिन के आधिकारिक दौरे पर चीन पहुंचीं। दौरे की शुरुआत शिनजियांग के उरुमकी से हुई। पंजाब और चीन के बीच कृषि, तकनीक और निवेश सहयोग बढ़ाना इसका प्रमुख उद्देश्य है।

एक साथ इतने दौरों के तीन प्रमुख कारण

- **पहला-** अमेरिका और रूस के बीच बैक-चैनल संपर्क बढ़ रहा है।
- **दूसरा-** भारत एक साथ रूस, चीन, जापान, कनाडा और अमेरिका के साथ अलग-अलग मोर्चों पर बातचीत कर रहा है।
- **तीसरा-** दक्षिण एशिया में भारत और पाकिस्तान दोनों चीन के साथ अपने-अपने आर्थिक और रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहे हैं। यानी विदेश नीति के मोर्चे पर इस वक्त भारत की रणनीति एक ही दिशा में जाने की नहीं, बल्कि रूस, चीन, जापान और पश्चिम सभी के साथ अलग-अलग जरूरत के हिसाब से रिश्ते साधने की दिख रही है।

खबर संक्षेप

एआई निवेश ने संभाल ली अमेरिकी जीडीपी

वॉशिंगटन। अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था की जीडीपी वृद्धि दर घटकर 1.5 प्रतिशत रह गई, जो जनवरी-मार्च तिमाही में 2.1 प्रतिशत थी। वाणिज्य विभाग के अनुसार, आयात में 12.5 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी विशेष रूप से एआई और कंप्यूटर चिप्स के आयात ने वृद्धि दर को प्रभावित किया। इसके बावजूद, अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले उपभोक्ता खर्च में 3.4 प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज की गई। वहीं, एआई के क्षेत्र में बढ़ते निवेश ने मजबूती प्रदान की।

यूरेनियम खनन के खिलाफ प्रस्ताव पारित

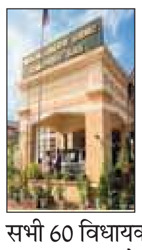

शिलांग। मेघालय विधानसभा ने राज्य में यूरेनियम के अन्वेषण और खनन के खिलाफ बुधवार को एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा द्वारा पेश इस प्रस्ताव का सभी 60 विधायकों ने समर्थन किया। प्रस्ताव में केंद्र सरकार, परमाणु ऊर्जा विभाग और यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड से पर्वतीय क्षेत्र की परियोजना सहित पूरे राज्य में यूरेनियम खनन रोकने की अपील की गई है।

चीन ने धोखेबाजी की सभी सीमाएं लांघी...! 45 मिनट छिपाया सच

तिब्बत में बाढ़, नेपाल में तबाहीः चीन ने जानबूझकर नहीं दी 'चेतावनी'

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

चीन की ओर से समय पर आपदा संबंधी जानकारी साझा न करने के कारण नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में एक बार फिर गंभीर संकट पैदा हो गया है। नेपाल के सूत्रों के अनुसार तिब्बत के केरुंग क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ की चेतावनी नेपाल को 45 मिनट की देरी से मिली, जिससे रसुवा के टिमुरे क्षेत्र में स्थानीय लोगों को जान बचाने के लिए भागना पड़ा। द्विपक्षीय समन्वय के दावों के बीच चीन की इस बड़ी लापरवाही ने हिमालयी क्षेत्र में आपदा प्रबंधन और सीमा सुरक्षा प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। तिब्बत के केरुंग क्षेत्र में बाढ़ की सटीक समय-सीमा क्या थी? चीनी मीडिया सीआरआई ऑनलाइन नेटवर्क के अनुसार, तिब्बत के केरुंग काउंटी में चीनी समयानुसार सुबह 10:30 बजे अचानक बाढ़ देखी गई थी। चूंकि नेपाल और चीन के समय में 2 घंटे 15 मिनट का अंतर है, इसलिए नेपाली समयानुसार यह बाढ़ बुधवार सुबह 8:15 बजे ही आ चुकी थी। समय का यह अंतर सीमावर्ती क्षेत्रों में आपदा की पूर्व चेतावनी के लिए जीवन रक्षक साबित हो सकता था, लेकिन चीन की ओर से सूचना साझा न किए जाने के कारण नेपाल इसका लाभ नहीं उठा सका। उधर,नेपाली सरकारी एजेंसियों ने बुधवार दोपहर 1:35 बजे चीनी पक्ष से प्राप्त आंशिक सूचनाओं के आधार पर अलर्ट जारी किया। चीन की सीमा के भीतर जिस स्थान पर नदी का प्रवाह बाधित हुआ था, वहां बना कृत्रिम जलाशय या झील पूरी तरह से नहीं खुली है। इसलिए एक बार फिर बाढ़ आने का खतरा बना हुआ है। इसके कारण भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा लगातार बना हुआ है। प्रशासन ने निचले इलाकों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है।

पहले भी कुछ इसी तरह का धोखा दे चुका है चीन

तबाही पर चीन की लापरवाही पर उठे गंभीर सवाल

नेपाली सुबह 8:15 बजे ही आ चुकी थी बाढ़

45 मिनट की देरी ने बढ़ाई भयंकर मुश्किलें

नदियों के तटीय इलाकों में अलर्ट जारी

चीन ने तत्काल अधिकृत चेतावनी नहीं दी

चीन की लगातार दूसरी लापरवाही

यह लगातार दूसरा साल है जब चीन ने पूर्व सूचना न देकर नेपाल को मुश्किल में डाला है। पिछले वर्ष भी इसी नदी में हिमताल (ग्लेशियर लेक) फटने से आई बाढ़ के समय चीनी अधिकारियों ने नेपाल को सतर्क नहीं किया था।

चीनी मीडिया के अनुसार, तिब्बत के केरुंग में चीनी समयानुसार सुबह 10:30 बजे बाढ़ आई। नेपाल और चीन के समय में 2 घंटे 15 मिनट का अंतर होने के कारण, नेपाली समयानुसार यह घटना सुबह 8:15 बजे ही हो चुकी थी। चीन की ओर से कोई आधिकारिक चेतावनी जारी नहीं की गई। नेपाल को इसकी जानकारी करीब 45 मिनट देरी से सुबह 9:00 बजे तब मिली, जब रसुवा के प्रमुख जिला अधिकारी (सीडीओ) नरेंद्र परियार ने स्थानीय लोगों द्वारा पानी का प्रवाह देखे जाने की पुष्टि की। समय रहते सूचना मिलती तो नेपाल में राहत का काम पहले शुरू कर दिया जाता।

जान बचाते भागते रहे लोग

समय पर आधिकारिक चेतावनी न मिलने के कारण नेपाल के टिमुरे क्षेत्र में सुरक्षात्मक कदम नहीं उठाए जा सके। इस विफलता के गंभीर परिणाम देखने को मिले। इससे जुड़े दिल दहलाने वाले वीडियो फुटेज में साफ दिख रहा है कि टिमुरे के स्थानीय निवासी जान बचाने के लिए भाग रहे थे और इसी दौरान कई लोग बाढ़ की तेज धाराओं में बह गए। स्थानीय निवासियों को जब नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने का एहसास हुआ, तब वे भागने को मजबूर हुए, जिससे अधिकांश लोग इस विनाशकारी बाढ़ की चपेट में आ गए।

एक्सपायर्ड फूड का मिला अंबार

जहां ठहरेंगे ब्रिक्स समिट में आए विदेशी मेहमान, वहां कॉकरोचों और मक्खियों ने पहले ही जमा लिया डेरा

हयात ग्रुप के होटल अंदाज़ दिल्ली और जे डब्ल्यू मैरियट नई दिल्ली में हुई जांच

फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अगले महीने 12 से 13 सितंबर के बीच नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होना है। भारत इस 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहा है। लिहाजा, नई दिल्ली इस शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आने वाले विदेशी मेहमानों की मेजबानी में जुटा है। इसी कड़ी में दिल्ली के एयरोसिटी में विदेशी मेहमानों के ठहरने के लिए दो पांच सितारा होटलों को बुक किया गया है, लेकिन वहां सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई हैं। दोनों होटलों में हुए औचक निरीक्षण के दौरान वहां साफ-सफाई, किचेन में खाने की सुरक्षा और फूड स्टोरेज से जुड़ी कई कमियां पाई गईं। ऐसे में अब ये दोनों होटल भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की जांच के दायरे में आ गए हैं। दरअसल, हयात ग्रुप के होटल अंदाज़ दिल्ली और जे डब्ल्यू मैरियट नई दिल्ली में हुई जांच में एक्सपायर्ड खाने-पीने की चीजें, कीड़े-मकोड़ों की मौजूदगी, रेफ्रिजरेशन और स्टोरेज में दिक्कतें, शाकाहारी और मांसाहारी खाने को अलग-अलग न रखने और खाना संभालने के तरीकों में कमियाँ पाई गईं हैं।

होटल जेडब्ल्यू मैरियट में मिलीं 59 खामियां

दूसरी तरफ, एयरोसिटी के ही जेडब्ल्यू मैरियट होटल में 24 और 25 अगस्त को हुई दो दिवसीय जांच में कुल 59 गंभीर खामियां पाई गईं। होटल की लापरवाही का आलम ऐसा था कि होटल के प्रसिद्ध के-3 रेस्टोरेंट में ग्राहकों को परोसे जाने वाले पीने के पानी में एक तैरता हुआ कण दिखाई दिया। वहीं वाटर-बॉटलिंग एरिया के स्टोरेज टैंक में जंग लगी पाई गई। इसके अलावा खाद्य पदार्थों के भंडारण में भारी लापरवाही देखने को मिली, जहां झींगे से भरे कंटेनर पर जूस और जूस वाले कंटेनर पर झींगा का स्टिकर लगा हुआ था। इसके अलावा कोल्ड स्टोरेज में सड़े हुए सेब और टमाटर भी रखे मिले।

एआई और तकनीक पर भी किया फोकस

भारत-सेशेल्स समुद्री साझेदारीः मछली पालन से अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख

समुद्री खाद निर्यात 8.46 अरब डॉलर पहुंचा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दोनों देशों में प्रतिनिधि

भारत और सेशेल्स ने मत्स्य पालन, जलीय कृषि और नीली अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में अपने रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने का निर्णय लिया है। इस दिशा में 25 अगस्त को दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक हुई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मत्स्य पालन विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने किया, जबकि सेशेल्स के प्रतिनिधिमंडल की कमान मत्स्य पालन, कृषि और नीली अर्थव्यवस्था मंत्री वालेस कॉसग्रो के हाथों में थी। बैठक का मुख्य उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना था। चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने माना कि नीली अर्थव्यवस्था आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार का एक अहम आधार है। भारत ने अपने मत्स्य उत्पादन के 19.7 मिलियन टन और समुद्री खाद्य निर्यात के 8.46 अरब डॉलर तक पहुंचने की जानकारी साझा की। इसके अलावा, समुद्री जलीय कृषि, आधुनिक हैचरी की स्थापना, टूना मछली पकड़ने के उन्नत तरीकों और मछली भंडार के आकलन जैसे तकनीकी क्षेत्रों में संयुक्त विकास पर सहमति बनी। बैठक का एक प्रमुख आकर्षण मत्स्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल तकनीकों का उपयोग रहा। दोनों देशों ने डेटा सिस्टम, निगरानी, नियंत्रण और मछली पकड़ने के बाद के प्रबंधन में एआई के इस्तेमाल के लिए ठोस साझेदारी विकसित करने पर जोर दिया। सेशेल्स ने इस दिशा में एक उन्नत कार्य योजना और समझौता ज्ञापन के जरिए सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाने में गहरी रुचि दिखाई।

सुदर्शिनी ने 3 दिनी यात्रा पूरी की

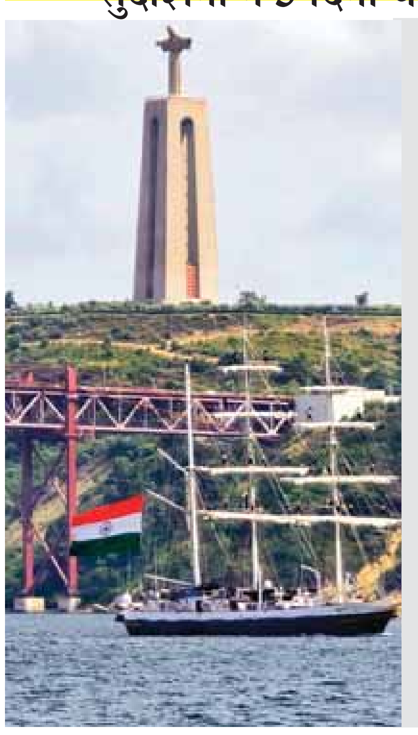

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के पाल प्रशिक्षण जहाज आईएनएस सुदर्शिनी ने पुर्तगाल के लिस्बन में तीन दिन की बंदरगाह यात्रा (पोर्ट कॉल) पूरी की, जो उसकी वर्तमान में जारी लोकायन 26 महासागरीय अभियान का हिस्सा थी। बंदरगाह यात्रा के दौरान, आईएनएस सुदर्शिनी के कमांडिंग ऑफिसर ने पुर्तगाली नौसेना अकादमी के कमांडेंट रियर एडमिरल मिगुएल बेसा पचेको और पुर्तगाली नौसेना के डिप्टी फ्लीट कमांडर रियर एडमिरल जोआओ पाउलो सिल्वा परेरा से मुलाकात की।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, मचा कोहराम

इस्लामाबादः गायनेकोलॉजी वार्ड में आग जिंदा जले 15 नवजात शिशुओं की मौत

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान की राजधानी स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) के गायनेकोलॉजी वार्ड में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से 15 नवजात शिशुओं की दर्दनाक मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, हादसे के समय वार्ड में 16 बच्चे मौजूद थे, जिनमें से डॉक्टर केवल एक बच्चे को ही सुरक्षित बचाने में सफल रहे। अस्पताल की प्रवक्ता डॉ. अनीजा जलील ने बताया कि आग लगने की यह घटना सुबह करीब 7 बजे शॉर्ट सर्किट के कारण हुई। आग पर काबू पा लिया गया है।

वहीं, कुछ बच्चों को रात में ही डिस्चार्ज किए जाने के कारण कुल संख्या का सटीक विवरण जुटाया जा रहा है। सूचना मिलते ही बचाव दल, दमकल की छह गाड़ियां और चार एम्बुलेंस मौके पर पहुंचे। इस्लामाबाद के इस सबसे बड़े अस्पताल परिसर में हुए इस दुखद हादसे की जांच के लिए अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। यह समिति आग लगने के सटीक कारणों और सुरक्षा व्यवस्था की चूक की विस्तृत जांच करेगी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग की सूचना देने के बाद भी दमकलें आग बुझाने समय पर नहीं पहुंची। कई बार फोन करने के बाद आग बुझाने के प्रयास शुरु किए गए। तब तक 15 नवजात बच्चे वहीं के वही जलकर पिघल गए। लोग रोते बिलबिलाते रहे लेकिन कोई सुनना वाला नहीं था।

सीढ़ी लगाकर वार्ड तक पहुचे दमकल कर्मी

जम्मू-कश्मीर में दर्दनाक हदासा

पुंछ में ईको कार खाई में गिरी, छह लोगों की मौके पर मौत, तीन की हालत गंभीर

घायलों को कार के गेट काटकर निकाला

एजेंसी ▶▶ जम्मू

क्षतिग्रस्त कार

पुंछ की सुरनकोट तहसील में एक ईको कार हादसे का शिकार हो गई। अनियंत्रण कार खाई में जा गिरी। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जिले की सुरनकोट तहसील के शींदरा गांव में बुधवार देर शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। एक ईको कार चालक के नियंत्रण से बाहर होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस दुखद हादसे में उसमें सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में एक बच्चे सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को पुंछ के राजा सुखदेव सिंह जिला अस्पताल पहुंचाया गया। बच्चे की हालत बेहद नाजुक थी। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जीएमसी राजोरी भेजा गया। अन्य दो घायलों का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। मृतकों के शवों को भी अस्पताल लाया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

विश्व ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स में हैरान करने वाले करतब दिख रहे

8.86 सेकंड में 100 मीटर दौड़ा रोबोट, दूसरे ने लगाई लंबी छलांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चीन के बीजिंग में आयोजित विश्व ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स में रोबोटिक्स की दुनिया में एक नया इतिहास रच दिया गया है। इस प्रतियोगिता में अलग-अलग रोबोट्स ने अपनी अद्भुत गति, ताकत और संतुलन से इंसानी क्षमताओं को पीछे छोड़ दिया है। 2000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट्स की मौजूदगी वाले इस इवेंट के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। गेम्स में सबसे ज्यादा ध्यान 'तियांगोंग' रोबोट ने अपनी ओर खींचा। इस ह्यूमनॉइड रोबोट ने 100 मीटर की स्प्रिंट दौड़ महज 8.86 सेकंड में पूरी करके एक नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। यह प्रदर्शन इसलिए भी खास है क्योंकि यह महान धावक उसेन बोल्ट के 9.58 सेकंड के इंसानी विश्व रिकॉर्ड से भी तेज है। हालांकि, फिनिश लाइन पार करते ही रोबोट का संतुलन बिगड़ गया और वह गिर पड़ा, जिससे उसकी कमर से चिंगारियां निकलती देखी गईं। यह घटना दर्शाती है कि अत्यधिक गति के साथ संतुलन और कंट्रोल बनाए रखना अब भी एक बड़ी चुनौती है। दौड़ के अलावा तियांगोंग के एक अन्य मॉडल ने स्टैंडिंग लॉन्ग जंप में भी नया कीर्तिमान स्थापित किया। बिना दौड़ लगाए, केवल खड़े होने की स्थिति से इस रोबोट ने 3.4 मीटर लंबी छलांग लगाकर दर्शकों को हैरान कर दिया। आयोजकों के अनुसार, रोबोट के टॉर्क और पैरों की जॉइंट मोटर क्षमता ने इसे संभव बनाया। यह उपलब्धि साबित करती है कि रोबोट्स अब केवल चलने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जटिल लैंडिंग और टेक-ऑफ जैसी गतिविधियां भी कुशलता से कर सकते हैं।

रोबोट ने 3.4 मी.लंबी छलांग ने दर्शकों को हैरान कर दिया

टॉर्क और पैरों की जॉइंट मोटर क्षमता ने इसे संभव बनाया

दौड़ते और छलांग लगाते रोबोट

9.39 सेकंड का शुरुआती रिकॉर्ड टूटा

इस प्रतियोगिता की शुरुआत में ही एक अन्य ह्यूमनॉइड रोबोट ने 100 मीटर की दौड़ 9.39 सेकंड में पूरी कर सनसनी मचाई थी। पहली बार किसी रोबोट ने 9.5 सेकंड का दायरा पार किया था। हालांकि, यह रिकॉर्ड ज्यादा दिन नहीं टिका और पहले 9.32 सेकंड और फिर तियांगोंग द्वारा 8.86 सेकंड का समय दर्ज कर इसे ध्वस्त कर दिया गया। बीजिंग का यह आयोजन केवल दौड़ तक सीमित नहीं है, इसमें टेबल टेनिस, डांसिंग और रोजमर्रा के व्यावहारिक कार्यों में भी रोबोट्स की क्षमता का परीक्षण किया जा रहा है।

-शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का हुआ समापन, हरिहरेश्वर महादेव व पार्थिव शिवलिंग का महारुद्राभिषेक

गुरु कृपा से ही जागृत होती है सच्ची शिवभक्ति : ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद

हरिभूमि, जबलपुर। श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ, सिविक सेंटर मढ़ाताल में श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित श्री शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ एवं असंख्य रुद्री निर्माण (पार्थिव शिवलिंग) का धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर भगवती का विधिवत हिंडोला पूजन किया गया। इसके पश्चात भगवान हरिहरेश्वर महादेव एवं निर्मित पार्थिव शिवलिंगों का महारुद्राभिषेक और बिल्वपत्र अर्चन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

गुरु मार्गदर्शन से मिलता है ज्ञान और मोक्ष का मार्ग

कथा व्यास पूज्य ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी महाराज ने कहा कि सच्ची शिवभक्ति, नियमबद्ध शिव पूजन और गुरु की कृपा से ही मनुष्य भवसागर से पार होकर परम शांति को प्राप्त कर सकता है। शिव महापुराण में गुरु को भगवान शिव का ही साक्षात स्वरूप माना गया है। गुरु जीवन में व्याप्त अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश प्रदान करते हैं। उनके मार्गदर्शन के बिना ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग कठिन हो जाता है।

अनादर शिष्य के आध्यात्मिक कल्याण में बाधक

ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी महाराज ने कहा कि गुरु ही शिष्य को सत्य-असत्य और उचित-अनुचित का विवेक प्रदान करते हैं। गुरु का अनादर शिष्य के आध्यात्मिक कल्याण में बाधक बनता है। गुरु की सेवा, उनके प्रति श्रद्धा और उनकी आज्ञा का पालन प्रत्येक शिष्य का धर्म है।

मन, वचन और कर्म की पवित्रता ही सच्ची भक्ति-

ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी ने कहा कि भगवान शिव की भक्ति केवल बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म की शुद्धता का नाम है। शिवभक्त को अहंकार, ईर्ष्या और क्रोध का त्याग कर सभी जीवों के प्रति दया और करुणा का भाव रखना चाहिए। भगवान शिव भक्त के दिखावे को नहीं, बल्कि उसके निर्मल भाव और सच्चे प्रेम को देखते हैं। श्रद्धा से की गई पुकार भोलेनाथ तक अवश्य पहुंचती है।

'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप लाभकारी

उन्होंने कहा कि 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का निरंतर जाप मनुष्य के अंतःकरण को शुद्ध करता है और उसे भगवान शिव की चेतना से जोड़ता है। शिव आराधना जीवन में संयम, शांति और सद्भाव का संचार करती है।

यह रहे उपस्थित-

समापन अवसर पर आचार्य राजेंद्र शास्त्री, नर्मदा प्रसाद शास्त्री, डॉ. संजय मिश्रा, दीप्ति मनीष पांडेय, श्याम पुरुष वाणी, अदम्य वाजपेई, नीता पटेल, सुरेश सरिता कुरेले, गोविंदा प्रीति साहू, अमित प्रतिक्षा सिंह, आराधना आशीष चौकसे, राधा शुक्ला, नेहा गुप्ता, ऋचा मिश्रा, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, शिव गुप्ता, सुनील गुप्ता, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, सोनू कुरेले, राहुल मौर्य, राज गुप्ता, लकी शर्मा, रोहित तिवारी, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी मनोज सेन सहित अन्य धर्मप्रेमीजन भी मौजूद रहे।

तकनीकी साक्ष्यों से जीआरपी जबलपुर ने सुलझाया चोरी का मामला, 1.71 लाख का मशरूका बरामद

जबलपुर। थाना जीआरपी जबलपुर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चोरी के प्रकरण में कार्रवाई करते हुए करीब 1 लाख 71 हजार रुपये का मशरूका बरामद किया है। चोरी गए सामान की तलाश के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर नरसिंहपुर जिले के निवासी तुलसीराम मेहरा से पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन और सोने का मंगलसूत्र चोरी करना स्वीकार किया। दोनों की अनुमानित कीमत 33 हजार 700 रुपये है। पुलिस ने सामान विधिवत जब्त कर लिया। इसके अलावा चोरी के मोबाइल से जुड़े प्रकरणों में प्राप्त तकनीकी साक्ष्यों की तस्दीक के लिए जीआरपी की टीम उत्तर प्रदेश रवाना हुई। वहां से टीम ने दो अलग-अलग प्रकरणों में चोरी किए गए दो महंगे मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी कुल कीमत करीब 1 लाख 37 हजार 288 रुपये है। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई है तथा प्रकरण की विवेचना जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत, एएसआई सुशील सिंह, प्रआर सागर उपाध्याय, प्रआर राजकुमार, प्रआर रविकांत रजक, प्रआर सत्येन्द्र सिंह, प्रआर कौशल तिवारी एवं प्रआर राजेंद्र मरकाम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ट्रेनों में चोरी के दो मामलों का खुलासा आरोपी से 1.94 लाख का मशरूका बरामद

जबलपुर। थाना जीआरपी जबलपुर पुलिस ने ट्रेनों में चोरी की घटनाओं पर कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रदीप सूर्यवंशी (27), निवासी उड़िया मोहल्ला, एनकेजे, जिला कटनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के दो मामलों में कुल 1 लाख 94 हजार 300 रुपये का मशरूका बरामद किया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने कटनी-भुसावल एक्सप्रेस में यात्री की जेब से पर्स व मोबाइल चोरी किया था। उसके कब्जे से रियलमी कंपनी का मोबाइल और 500 रुपये नकद बरामद किए गए। वहीं मुंबई-हावड़ा मेल में यात्री से चोरी किया गया एप्पल कंपनी का आईफोन 14 प्रो मैक्स, गोल्डन रंग, कीमत 1 लाख 71 हजार 800 रुपये भी बरामद किया गया। बरामद सामग्री विधिवत जब्त कर पुलिस कब्जे में ली गई है। दोनों मामलों में आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस ने उसके पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की।

बरगी में उत्साह के साथ निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

जबलपुर। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बरगी नगर की मदीना जामा मस्जिद कमेटी की ओर से तीन दिवसीय विशेष आयोजन किए गए। आयोजन के प्रथम दिन बाहर से आए मुख्य वक्ता हाफिज मौलाना एवं मुफ्ती खलील अहमद अजहरी ने हजरत मोहम्मद साहब की हिदायतों, उनके आदर्श जीवन और उनके बताए नेक रास्ते पर चलने का संदेश दिया। वहीं विशेष नात और कलाम पेश करने के लिए पधारे हाफिज जावेद अख्तर खान ने जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी की महफिल को अपनी प्रस्तुतियों से सजाया। आयोजन के दूसरे दिन मदीना जामा मस्जिद परिसर से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। इस अवसर पर मदीना जामा मस्जिद के पेश इमाम हाफिज अलीमुद्दीन, सदर मोहम्मद इजराईल (पप्पू भाईजान), हाजी अब्दुल रब कुरैशी, हाजी अब्दुल गनी, हाजी अलीम खान, मोहम्मद इब्राहिम, मोहम्मद मकसूद, शेख यूसुफ, गुलाम नबी, मोहम्मद साबिर, शेख जमील, मोहम्मद फिरोज खान, अफरोज खान, सरताज, नूरुद्दीन, मोहम्मद अनवर, अब्दुल हक कुरैशी, फैजान, जीशान, शफीक, मोहम्मद अकमल मौजूद रहे।

पति की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने पर गरीब नवाज कमेटी ने निभाया इंसानियत का फर्ज

गरीब नवाज कमेटी ने कराया बेसहारा महिला का अंतिम संस्कार

जबलपुर। चौथ वाला, राधा-कृष्ण मंदिर, सिंधी कैंप निवासी 66 वर्षीय मृतिका वरिया गोटिया, पति हरन्दर गोटिया, का बीमारी के चलते जिला अस्पताल विक्टोरिया में उपचार के दौरान निधन हो गया। मृतिका के पति हरन्दर गोटिया की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह अपनी पत्नी का अंतिम संस्कार करा सकें। इस संबंध में अस्पताल की कैजुअल्टी से गरीब नवाज कमेटी को जानकारी मिली। सूचना मिलते ही कमेटी के सदस्य मदद के लिए आगे आए और मृतिका के अंतिम संस्कार की व्यवस्था की। करिया पत्तर मुक्ति धाम में मृतिका का अंतिम संस्कार उनके पति हरन्दर गोटिया के हाथों कराया गया। इस दौरान बाबू खान, रियाज अली, अल्तमश रायन, बछु नांकनी, यूसुफ मालगुजार और दीपक निगम सहित कमेटी के सदस्यों ने सहयोग किया। गरीब नवाज कमेटी के इस प्रयास ने एक बार फिर इंसानियत और सामाजिक सेवा की मिसाल पेश की। आर्थिक रूप से असमर्थ परिवार के दुख की घड़ी में साथ खड़े होकर कमेटी ने अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाई।

अंतस सावन महोत्सव में कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

जबलपुर। अंतस संस्था द्वारा नूतन मराठी स्कूल प्रेक्षागृह, गोलबाजार में आयोजित 'अंतस सावन महोत्सव' बुंदेली मर्मज्ञ विद्वान एवं शिक्षाविद स्मृतिशेष डॉ. पूरनचंद श्रीवास्तव को समर्पित रहा। कार्यक्रम में शहर के साहित्यकारों ने काव्य, गीत और ग़ज़लों का प्रभावी मंचीय पाठ कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अनामिका तिवारी, अध्यक्ष महामहोपाध्याय आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे तथा विशिष्ट अतिथि प्रतुल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। आमंत्रित कवि-शायर छाया सिंह, अमर सिंह वर्मा, प्रतिमा अखिलेश, तरुणा खरे, प्रीति नामदेव भूमिजा एवं प्रतीक्षा सेठी ने शानदार रचना पाठ किया। संस्था की निर्देशिका विनीता पैगवार 'विधि' के संयोजन, राजेश पाठक प्रवीण व रचना श्रीवास्तव के संचालन, डॉ. मंजू गोरे एवं ज्योति मिश्रा के समन्वयन तथा संस्थापक डॉ. अनिल कुमार कोरी के निर्देशन में आयोजन सफल रहा। विशेष सहयोग यूनुस अदीब, अभय नायक, अनुकंपा नायक, राकेश पैगवार, रजनी कोठारी, आरके पासी, अनुराग कोरी सांई एवं अनुराधा शुक्ला का रहा।

वंदन पुनर्वास केंद्र में रोटरी क्लब ने सेवा सहयोग और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जबलपुर। रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर ग्रेटर की सेवा बैठक वंदन पुनर्वास केंद्र में आत्मीय वातावरण में आयोजित हुई। बैठक में बच्चों के हित में सहयोग, सेवा गतिविधियों और आगामी योजनाओं पर चर्चा हुई। अजय ग्रोवर ने सहयोग राशि प्रदान करते हुए प्रतिवर्ष बच्चों की ड्रेस स्पॉन्सर करने तथा केंद्र तक पहुंच मार्ग बनवाने का संकल्प लिया। अभय विष्णोई ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की ओर से तथा निशित जैन ने भी वित्तीय सहयोग दिया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में बरगद का पौधा रोपा गया। केंद्र के बच्चों ने नृत्य एवं गायन की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। संरक्षक श्री मेहता, प्राचार्या एवं शिक्षकगण ने रोटरी क्लब के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। निशित जैन की पत्नी निलांजना जैन ने अपना जन्मदिन भी बच्चों और रोटरी परिवार के साथ सेवा के रूप में मनाया तथा बाद में सभी के लिए नाश्ते की व्यवस्था की। कार्यक्रम में Assistant Governor रोटेरियन राकेश नेमा सहित संदीप चौधरी, चेतन जायसवाल, अलका जायसवाल, तरुण अग्रवाल, विशाखा अग्रवाल, प्रबीर दत्ता, संजीव लाल, श्रीराम खत्री, राजेश गुलाटी, बिंदु गुलाटी, अनुराग यादव, अनीता यादव, नासिर अली, यास्मीन अली, डॉ. अदिति अग्रवाल, डॉ. संजय चट्टानी सहित अनेक रोटेरियंस एवं परिवारजन उपस्थित रहे। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन अजय पाठक, सचिव रोटेरियन असगर अली, कोषाध्यक्ष रोटेरियन पुनीत हांडा, अभय विष्णोई, शगुन विष्णोई, अजय ग्रोवर, निशा ग्रोवर, गोपाल असावा, विजय गुप्ता, संजय रूसिया, विनय कोपरीहा व किरण कोपरीहा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। अध्यक्ष अजय पाठक एवं सचिव असगर अली ने सभी सहयोगकर्ताओं और सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

ईद मिलादुन्नबी पर अंजुमन परिसर में अव्यवस्था की निन्दा

जबलपुर। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर अंजुमन परिसर में बड़ी संख्या में जायरीनों के पहुंचने के बावजूद व्यवस्थाओं को लेकर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जिसकी कड़ी निन्दा अल्पसंख्यक कांग्रेस ने की है। अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ताहिर खोकर ने बताया की अंजुमन के मुख्य गेट से मैदान तक कई स्थानों पर पानी और कीचड़ फैला हुआ था, जिसके कारण लोगों को आने-जाने में दिक्कत हुई। जायरीनों को कई स्थानों पर कीचड़ और पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। उन्होंने बताया कि परिसर में पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं होने के चलते मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉक्टर मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी भी अंजुमन स्कूल स्थित मंच तक नहीं पहुंच सके।

नाम सुधार सूचना

मैं, सुनील कुमार बैरागी पिता श्री राजेन्द्र दास बैरागी, उम्र 38 वर्ष, निवासी- बम्हनौदा, पनागर, जिला जबलपुर (म.प्र.) यह सूचित करता हूँ कि मेरी पॉलिसी क्रमांक 22116579 पीएनबी मेट 'लाईफ इंश्योरेंस में मेरे पिता का नाम भूरे लाल शर्मा दर्ज हो गया है जबकि मेरे पिता का सही एवं वास्तविक नाम राजेन्द्र दास बैरागी है।

अत: मैं घोषणा करता हूँ कि मेरी पॉलिसी में दर्ज मेरे पिता का नाम भूरे लाल शर्मा के स्थान पर सही नाम राजेन्द्र दास बैरागी दर्ज किया जाए। यदि उक्त कथन में कोई त्रुटि पाई जाती है तो इसकी समस्त जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं PANKAJ VISHNOI उम्र 52 वर्ष S/O RAJARAM VISHNOI मेरे passport no. M 4925395 में मेरा नाम (PANKAJ KUMAR VISHNOI) लिखा हुआ है जो की बदल कर (PANKAJ VISHNOI) कर लिया है जो कि मेरे आधार, पेन और अन्य सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है अतः मुझे मेरे सही नाम (PANKAJ VISHNOI) से जाना पहचाना जाए।

नया नाम-
PANKAJ VISHNOI
पुराना नाम-
PANKAJ KUMAR VISHNOI
पता- 1618 नेपियर टाउन, एम एल बी मार्ग, सुभद्रा कुमारी चौहान वार्ड, जबलपुर (म.प्र.)

शहनाज अख्तर ने गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में कराया भंडारा

जबलपुर। प्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर ने श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में लगातार तीसरे वर्ष भंडारा प्रसादी वितरण, रुद्राभिषेक एवं विशेष शिव पूजन का आयोजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मीडिया से चर्चा में शहनाज अख्तर ने बताया कि भजन कार्यक्रमों में भक्तों से प्राप्त भेंट व दान की राशि का उपयोग वे धार्मिक आयोजनों, भंडारे तथा दान-पुण्य के कार्यों में करती हैं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सनातन संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखते हुए उनका संदेश नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। उन्होंने देशवासियों और बुजुर्गों से वेद, पुराण, उपनिषद सहित धार्मिक ग्रंथों को सुरक्षित रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि मूल धार्मिक ग्रंथों और उनकी प्रतिलिपियों को सहेजकर रखना आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सही आध्यात्मिक ज्ञान मिल सके और वे सनातन परंपरा से जुड़ सकें।

विशेष बच्चियों के साथ मनाया रक्षाबंधन स्नेह और अपनेपन का दिया संदेश

जबलपुर। अंतराष्ट्रीय मानव मिलन संस्था विकलांग सेवा भारती द्वारा 25 अगस्त को मालवीय चौक में विशेष आवश्यकता वाली बच्चियों के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। भगवान महावीर स्वामी की कृपा एवं राष्ट्र संत नेपाल केसरी मणिभद्रमुनि महाराज के आशीर्वाद से आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाली बच्चियों के साथ स्नेह और सम्मान का रिश्ता मजबूत करना रहा। मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी सूर्यप्रकाश शर्मा रहे। संस्था अध्यक्ष मयूर संगवी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष सुबाश डागा, अतुल ओसवाल, तपस्वीलाल बागमार, एच.एल. वर्मा, कृष्णकांत सावरे, राज मिश्रा, शरद, रजनीश बी, विद्यालय प्राचार्य सचिन प्रजापति, सुचित्रा त्रिवेदी एवं मनीषा रजक सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर बच्चियों ने सभी अतिथियों को राखी बांधी। संस्था की ओर से बच्चियों को मिठाई, राखी, रुमाल एवं लिफाफे में राशि भेंट कर स्नेह और सम्मान दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे और अपनेपन का संदेश देने वाला पर्व है। संस्था का प्रयास है कि समाज की हर बेटी को समान रूप से सम्मान और स्नेह मिले।

उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर
प्रत्यर्थी को अपील की सूचना (नोटिस)
(अधिनियम क्रमांक 5, सन् 1908 का आदेश इकतालिस, नियम 14)
अपील क्रमांक-MA/2018/2015
Process Id: 207494/2026
THE NEW INDIA ASSURANCE COMPANY CO. LTD.
अपीलार्थी
SMT. REKHA BAI, प्रत्यर्थी

सन् 2013 के MACC क्रमांक 101 सन् 2013 में न्यायालय Member, MACT SHRI K.K. TRIPATHI, Jabalpur (Madhya Pradesh) की डिक्री/आदेश, दिनांक 05-08-2015 के विरूद्ध अपील।

प्रति, Smt. Sanjo Baghel W/o Braij Bhushan Baghel, R/o Brahmapuri Colony, Dewari Khurd, Panagar, District-Jabalpur, Madhya Pradesh.

प्रत्यर्थी, अपील की सुनवाई का दिनांक - कृपया सूचित करें कि ऊपर वर्णित अपील श्री Appellant द्वारा प्रस्तुत की गई और इस न्यायालय में पंजीयित की गई है तथा इस न्यायालय द्वारा अपील की सुनवाई का दिनांक 30/09/2026 नियत की गई है। आपत्तियाँ, प्रति आपत्तियाँ, यदि कोई हो, इस सूचना (नोटिस) के प्राप्त होने के दिनांक से एक महीने के भीतर फाइल की जानी चाहिए। कागजात तथा दस्तावेज फाइल करने का दिनांक- कृपया इस बात से भी सूचित हो कि आपसे यह भी अपेक्षित है कि आप दिनांक 30/09/2026 को या उससे पहले ऐसे कागजात और दस्तावेजों की, जो आप कागजातो करने का दिनांक की पुस्तक में शामिल करना चाहते हैं, एक सूची अपने स्वयं के खर्च से तैयार करके इस न्यायालय में परिदत्त करें। सूची में ऐसे कागजात और दस्तावेजों का उल्लेख करना आवश्यक नहीं है जिन्हें इस न्यायालय के नियमों के अधीन शामिल किये जाने की बाध्यता है। सूची निम्नलिखित फार्म में होना चाहिये :- 1) कागज का विवरण (दिनांक सुभेदक चिह्न तथा पृष्ठ संख्या) (1), (2) पूरा शामिल किया जाना है या उसका एक भाग शामिल किया जाना है (यदि कोई एक भाग शामिल किया जाना हो, तो पंक्तियां आदि का उद्धरण देते हुए स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट करें) (2), (3) कागजात की पुस्तक का पृष्ठ (कार्यालय में भरा जाय) (3)। यदि आप कागजात की पुस्तक में कोई कागज शामिल नहीं करना चाहते हों, तो यह अपेक्षित है कि आप उक्त दिनांक 30/09/2026 को या उसके पहले एक रिक्त सूची फाइल करें। आपको अपील की सुनवाई के लिए नियत दिनांक को तैयार रहना चाहिए, किन्तु यदि न्यायालय के काम-काज के कारण अपील उस दिनांक को न्यायालय में न सुनी जा सके तो वह उसके बाद यथासाध्य शीघ्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जायेगी। यदि आपकी ओर से आप स्वयं, आपका वकील या इस अपील के संबंध में आपके लिए कार्य करने के लिये विधिवत् प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ, तो अपील आपकी अनुपस्थिति में सुनी जायेगी और निर्णय दिया जायेगा। अपील से संयत निचले न्यायालयों में अभिलेख इस न्यायालय में प्राप्त हो गए है और निरीक्षण के लिए उपलब्ध हैं। आज दिनांक... को मेरे हस्ताक्षर और उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर की मुहर से दिया गया।

प्रधान सहायक, न्यायिक शाखा

उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर
प्रत्यर्थी को अपील की सूचना (नोटिस)
(अधिनियम क्रमांक 5, सन् 1908 का आदेश इकतालिस, नियम 14)
अपील क्रमांक-MA/2018/2015
Process Id: 207493/2026
THE NEW INDIA ASSURANCE COMPANY CO. LTD.
अपीलार्थी
SMT. REKHA BAI, प्रत्यर्थी

सन् 2013 के MACC क्रमांक 101 सन् 2013 में न्यायालय Member, MACT SHRI K.K. TRIPATHI, Jabalpur (Madhya Pradesh) की डिक्री/आदेश, दिनांक 05-08-2015 के विरूद्ध अपील।

प्रति, Deepak Baghel S/o Braij Bhushan Baghel, R/o Brahmapuri Colony, Dewari Khurd, Panagar, District-Jabalpur, Madhya Pradesh.

प्रत्यर्थी, अपील की सुनवाई का दिनांक - कृपया सूचित करें कि ऊपर वर्णित अपील श्री Appellant द्वारा प्रस्तुत की गई और इस न्यायालय में पंजीयित की गई है तथा इस न्यायालय द्वारा अपील की सुनवाई का दिनांक 30/09/2026 नियत की गई है। आपत्तियाँ, प्रति आपत्तियाँ, यदि कोई हो, इस सूचना (नोटिस) के प्राप्त होने के दिनांक से एक महीने के भीतर फाइल की जानी चाहिए। कागजात तथा दस्तावेज फाइल करने का दिनांक- कृपया इस बात से भी सूचित हो कि आपसे यह भी अपेक्षित है कि आप दिनांक 30/09/2026 को या उससे पहले ऐसे कागजात और दस्तावेजों की, जो आप कागजातो करने का दिनांक की पुस्तक में शामिल करना चाहते हैं, एक सूची अपने स्वयं के खर्च से तैयार करके इस न्यायालय में परिदत्त करें। सूची में ऐसे कागजात और दस्तावेजों का उल्लेख करना आवश्यक नहीं है जिन्हें इस न्यायालय के नियमों के अधीन शामिल किये जाने की बाध्यता है। सूची निम्नलिखित फार्म में होना चाहिये :- 1) कागज का विवरण (दिनांक सुभेदक चिह्न तथा पृष्ठ संख्या) (1), (2) पूरा शामिल किया जाना है या उसका एक भाग शामिल किया जाना है (यदि कोई एक भाग शामिल किया जाना हो, तो पंक्तियां आदि का उद्धरण देते हुए स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट करें) (2), (3) कागजात की पुस्तक का पृष्ठ (कार्यालय में भरा जाय) (3)। यदि आप कागजात की पुस्तक में कोई कागज शामिल नहीं करना चाहते हों, तो यह अपेक्षित है कि आप उक्त दिनांक 30/09/2026 को या उसके पहले एक रिक्त सूची फाइल करें। आपको अपील की सुनवाई के लिए नियत दिनांक को तैयार रहना चाहिए, किन्तु यदि न्यायालय के काम-काज के कारण अपील उस दिनांक को न्यायालय में न सुनी जा सके तो वह उसके बाद यथासाध्य शीघ्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जायेगी। यदि आपकी ओर से आप स्वयं, आपका वकील या इस अपील के संबंध में आपके लिए कार्य करने के लिये विधिवत् प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ, तो अपील आपकी अनुपस्थिति में सुनी जायेगी और निर्णय दिया जायेगा। अपील से संयत निचले न्यायालयों में अभिलेख इस न्यायालय में प्राप्त हो गए है और निरीक्षण के लिए उपलब्ध हैं। आज दिनांक... को मेरे हस्ताक्षर और उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर की मुहर से दिया गया।

प्रधान सहायक, न्यायिक शाखा

In The Court Of XXII Civil Judge, Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer : पलक श्रीवास्तव
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमाक (MJC SUC/0000063/2026)
पुष्पांजली ...... आवेदक
Vs
पोस्ट ऑफिस ...... अनावेदक
Process Id-/2026
प्रेषिती- पेशी दिनांक :- 22/09/2026
(1) आम जनता पता- जिला जबलपुर म.प्र.
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक पुष्पांजली श्रीवास पता साकेत कालोनी खालसा स्कूल के पास तिघरा खमरिया जबलपुर (म.प्र.) ने मृतक एन.के. प्रदीप कुमार निवासी चक सरदार देसासिंह पो.आ. मंडाल जिला जम्मु की डाक विभाग शाखा जम्मु कैंट जम्मु (जम्मु एण्ड कश्मीर) में जमा एफ.डी. खाता संख्या 020174681830 में जमा राशि 21,50,000/- एवं खाता संख्या 020156445427 में जमा राशि 11,50,000/- एवं पी.एल.आई. खाता में जमा एफ.डी की समस्त राशि की प्राप्ति हेतु राशि/संपति हेतु उत्तराधिकारी नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 22 September 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 22 September 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 21 August 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
सील
(पलक श्रीवास्तव)
22वें व्यवहार न्यायधीश वर्ग-1
जिला जबलपुर (म.प्र)

कृपया ध्यान दें:- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

इंडेल मनी को मिली 1,759 करोड़ की बोलियां

मुंबई। इंडेल मनी लिमिटेड के सिक्योर्ड, रेटेड, लिस्टेड और रिडीमेबल नॉन-कनवर्टिबल डिबेंचर के पब्लिक इश्यू को निवेशकों की जोरदार प्रतिक्रिया मिली है। 18 अगस्त 2026 को खुला यह इश्यू महज चार घंटे में पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया। कंपनी को कुल 1,759 करोड़ रुपए की बोलियां मिलीं, जो 250 करोड़ रुपए के बेस इश्यू साइज का 704 प्रतिशत है। मजबूत मांग को देखते हुए कंपनी ने निर्धारित क्लोजिंग डेट से पहले ही 20 अगस्त को इश्यू बंद कर दिया। इश्यू में 250 करोड़ रुपए का बेस साइज रखा गया था।

भारत बना निवेश का नया ठिकाना

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कनाडाई निवेशकों को भारत में निवेश का न्योता दिया

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत का वित्तीय क्षेत्र, विशेषकर बैंकिंग और एनबीएफसी, अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित कर रहा है

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कनाडाई निवेशकों को भारत में निवेश का न्योता दिया। उन्होंने बैंकिंग, बीमा, फिनटेक, सेमीकंडक्टर, मैग्नेट और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों में अवसर बताए। उन्होंने गिफ्ट सिटी की भूमिका और भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था पर जोर दिया। टोरंटो में भारतीय प्रवासी कारोबारी समुदाय के लिए आयोजित स्वागत समारोह में उन्होंने ने कहा कि भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक मजबूत स्थिति में हैं और बैंकिंग क्षेत्र में लगातार निवेश हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का वित्तीय क्षेत्र, विशेषकर बैंकिंग और एनबीएफसी, अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित कर रहा है।

गिफ्ट सिटी में विदेशी संस्थानों के लिए अवसर

सीतारमण ने गिफ्ट सिटी स्थित इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर को भी विदेशी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी पहले ही कई विदेशी बैंकों को आकर्षित कर चुकी है और यहां अन्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के लिए भी कारोबार स्थापित करने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। वित्त मंत्री के मुताबिक, गिफ्ट सिटी का नियामकीय और कर ढांचा विशेष रूप से सीमा-पार वित्तीय गतिविधियों को आसान बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार चाहती है कि कनाडाई निवेशक भारत आएं और देश के साथ अपने आर्थिक संबंधों को और व्यापक बनाएं।

बीमा और फिनटेक में बढ़ते अवसर

वित्त मंत्री ने बताया कि भारत में अब बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति है। इसके अलावा, भारत का तेजी से विकसित हो रहा फिनटेक क्षेत्र भी वैश्विक पूंजी के लिए बड़े अवसर पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की बड़ी आबादी, बढ़ती क्रय शक्ति, खपत और घरेलू मांग देश को निवेश के लिए आकर्षक बाजार बनाती है।

सेमीकंडक्टर और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों पर फोकस

सीतारमण ने कनाडाई निवेशकों के लिए सेमीकंडक्टर, मैग्नेट और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों को भी महत्वपूर्ण अवसर वाला बताया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक बाजारों के लिए भरोसेमंद और लागत प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला का विकल्प उपलब्ध कराने की क्षमता रखता है। वित्त मंत्री ने कहा कि कनाडाई संस्थागत निवेशकों के लिए भारत में मौजूद अवसर केवल देश की विकास यात्रा में भागीदारी तक सीमित नहीं हैं। भारत को व्यापक क्षेत्रीय और वैश्विक वित्तीय गतिविधियों के मंच के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।उन्होंने कनाडाई निवेशकों से भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और विभिन्न क्षेत्रों में खुल रहे अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया।

सोयाबीन तेल का थोक भाव 158 रुपए किलो पहुंचा, पाम तेल 157 और सरसों तेल 200 रु.

अब खाद्य तेलों पर चढ़ने लगी त्योहारी खुमारी, कीमतें 15 फीसदी तक बढ़ीं

वाणिज्य प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

त्योहारों के नजदीक आते ही खाद्य तेलों पर त्योहारी खुमारी चढ़ने लगी है। घरेलू और औद्योगिक विशेषकर नमकीन और मिठाई निर्माताओं द्वारा) में मांग में वृद्धि दर्ज होने के खाद्य तेलों के खुदरा और थोक दामों में लगभग 15 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। स्थानीय तेल जिंस बाजार हनुमानगंज, जुमेराती बाजार में सोयाबीन तेल का थोक भाव 158 रुपए किलो ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है।

तेल कारोबारियों के मुताबिक सोयाबीन उत्पादक क्षेत्रों में मानसून की स्थिति और फसल पर पड़े असर के कारण इस साल उत्पादन को लेकर चिंता बनी हुई है। तेल ब्रोकर रमाकांत तिवारी के अनुसार स्थानीय थोक बाजार में फिलहाल खाद्य तेलों के भाव सोयाबीन तेलः 158 रुपए प्रति किलो, पाम ऑयलः 157 रुपए प्रति किलो, सरसों तेलः 200 रुपए प्रति किलो, मूंगफली तेलः 220 रुपए प्रति किलो, सनफ्लावर ऑयलः 215 रुपए प्रति किलो, वनस्पतिः 170 रुपए प्रति किलो है।

पाम तेल की तेजी से वनस्पति भी प्रभावित

खाद्य तेल

खुदरा बाजार में कीमत 200 रुपए के पार

थोक बाजार में तेजी का असर अब खुदरा बाजार में भी दिखाई दे रहा है। कई खाद्य तेलों की कीमत 200 रुपए प्रति लीटर के पार पहुंच गई है। कारोबारियों का कहना है कि यदि थोक भाव में आगे और बढ़ोतरी होती है तो इसका सीधा असर खुदरा कीमतों पर पड़ सकता है। बढ़ती कीमतों के बीच कुछ ब्रांडेड कंपनियां उपभोक्ताओं पर सीधे कीमत बढ़ाने के बजाय पैक का वजन कम करने का तरीका अपना रही हैं। बाजार में एक लीटर के बजाय 910 ग्राम के पैक भी देखने को मिल रहे हैं। इससे पैकेट की कीमत अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है, लेकिन प्रति किलो वास्तविक कीमत अधिक हो सकती है।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार पाम तेल की कीमतों में तेजी का असर वनस्पति घी पर भी पड़ सकता है, क्योंकि इसके निर्माण में पाम तेल और उससे जुड़े घटकों का इस्तेमाल होता है। यदि पाम तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं तो खाद्य उत्पादों के अलावा साबुन, शैंपू और अन्य रोजमर्रा की वस्तुओं की लागत पर भी असर पड़ सकता है। पाम तेल दुनिया में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेलों में शामिल है और इसकी अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेजी का असर भारत जैसे बड़े आयातक देश पर सीधे पड़ता है। भारत दुनिया के प्रमुख खाद्य तेल आयातकों में शामिल है। कारोबारियों के मुताबिक अभी खाद्य तेलों में तेजी के पीछे मुख्य रूप से त्योहारी मांग, उत्पादन को लेकर चिंता और अंतरराष्ट्रीय बाजार की कीमतें जिम्मेदार हैं। आने वाले दिनों में रक्षाबंधन के बाद गणेश उत्सव, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहारों के चलते खपत बढ़ने की उम्मीद है। ऐसे में यदि घरेलू आवक और आयातित तेल की लागत में राहत नहीं मिलती है तो खाद्य तेलों के भाव में और तेजी आ सकती है।

दो-चार दिन में 12 रुपए की अभी और आएगी गिरावट

शक्कर के दाम में बड़ी गिरावट 24 घंटे में 800 रुपए घटे भाव

वाणिज्य प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

त्योहारों के बीच शक्कर के बढ़ते दाम से परेशान उपभोक्ताओं और कारोबारियों को अब बड़ी राहत मिली है। सरकार की सख्ती और सटोरियों की चाल उलटी पड़ने से शक्कर ने नीचे की ओर रूख किया है। राजधानी भोपाल के थोक बाजार में 24 घंटे में शक्कर के भाव 800 रुपए प्रति क्विंटल तक नीचे आ गए हैं। इसके पहले जहां शक्कर का थोक भाव करीब 7,000 रुपए क्विंटल तक पहुंच गया था, वह अब घटकर 6,100 से 6,200 रुपए प्रति क्विंटल रह गया है। इसके साथ ही शक्कर में अभी 12 रुपए प्रति किलो यानी 1200 रुपए क्विंटल तक भाव और नीचे आने की संभावना है। शक्कर ब्रोकर रमाकांत तिवारी ने बताया कि केंद्र सरकार की सख्ती और स्टॉक की जांच के बाद शक्कर के भाव में यह गिरावट आई है। साथ ही सरकार द्वारा मासिक कोटा भी 27 अगस्त को जारी होने के संकेत के मद्देनजर शक्कर में मंदी का माहौल बना है। तिवारी के अनुसार बुधवार को शुगर मिलो में शक्कर का टेंडर 5000 से 5200 रुपए क्विंटल हुआ है, अतः शक्कर के भाव में अभी गिरावट जारी रहेगी। बाजार जानकारों के अनुसार शक्कर के दाम में तेजी के कारणों की जांच केंद्र सरकार की ओर से कराई गई थी। जांच में कथित तौर पर कुछ व्यापारियों, डीलरों और बिचौलियों द्वारा जमाखोरी, सट्टेबाजी के सौदों और वास्तविक आवाजाही के बिना कागजों पर स्टॉक दिखाने जैसी गतिविधियों की जानकारी सामने आई।

टीवीएस आईक्यूब के 10 लाख ग्राहक पूरे

बेंगलुरु। टीवीएस मोटर कंपनी ने अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस आईक्यूबके 10 लाख ग्राहकों का आंकड़ा पार करने की उपलब्धि का जश्न मनाते हुए मिलियनआर स्पेशल एडिशन लांच किया है। कंपनी के मुताबिक, यह स्पेशल एडिशन भारत के पसंदीदा फैमिली इलेक्ट्रिक स्कूटर के तौर परआईक्यूबकी पहचान को और मजबूत करता है।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

डाबर रेड टूथपेस्ट अनमोल सौगातः डॉ. सोनिया

नई दिल्ली। आयुर्वेद-आधारित उत्पाद भी दैनिक मौखिक स्वच्छता की दिनचर्या को बेहतर बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं। डाबर रेड टूथपेस्ट में पुदीना सत्व, तोमर बीज और मरिच यानी काली मिर्च जैसे पारंपरिक घटक शामिल हैं। अतः इसकी आदत पीढ़ियों तक देने वाली अनमोल सौगात है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता (संचा./संधा.), मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड, बालाघाट

क्र.अ.अ./सं.सं./बाला/कार्य/2604 — **आम सूचना** — बालाघाट, दिनांक 25/08/2026

वारासिवनी संभाग के अंतर्गत निम्न अवैध कॉलोनी का विद्युतीकरण प्रस्तावित है।

क्र.	कॉलोनी का नाम	खसरा क्र. और	प्लाट की संख्या	अनुमानित भार	विद्युतीकरण प्राक्कलन राशि	विद्युतीकरण हेतु आने वाली प्रति किलोवॉट लागत
1	श्री नितिन पशीने पिता श्री हेमन्त पशीने एवं अन्य आवेदको द्वारा ग्राम मानपुर जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवासीय प्रयोजन हेतु स्थापित कालोनी ।	पटवारी हल्का मानपुर खसरा क्र. 3/1/1/3, 3/5, 35/1/1 एवं 27/2/1/3 कुल रकबा 23382.78 वर्ग फीट	35 नग	101 किलोवाट	1410296.59	13963.33

जनमानस हेतु सूचनार्थ प्रकाशित । बिजली की बचत, बिजली का उत्पादन।

अधीक्षण अभियंता (संचा/ संधा.)
म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि., बालाघाट

कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मण्डला
कार्यपालन यंत्री, ग्रा. या. सेवा एवं सदस्य सचिव, जिला वॉश तकनीकी समिति,

Mob. 9691818756 E-mail: eemandla1@gmail.com

पत्र क्र. 1046/एसएसी/ई-निविदा/2026-27 **निविदा आमंत्रण सूचना क्र./01/2026-27** मण्डला, दिनांक 12.08.2026

जिला वॉश तकनीकी समिति, मण्डला द्वारा मध्यप्रदेश पंचायत (ग्रामीण नलजल योजना संचालन- संधारण एवं प्रबंधन) नियम, 2026 की कंडिका 12 के प्रावधानों के अंतर्गत ग्रामीण नल जल योजनाओं के वृहद मरम्मत, रख-रखाव एवं स्त्रोत तथा पाइप लाइन विस्तार कार्यों हेतु कंडिका 14 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों के अंतर्गत एजेंसियों को जनपद स्तर पर सूचीबद्ध (empanel) करने के लिए पात्र आवेदकों से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	टेण्डर नम्बर	जिले का नाम	जिले में जनपद पंचायतों की संख्या	सूचीबद्धता शुल्क (रु.)	निविदा दस्तावेज शुल्क (रु.)	सूचीबद्धता की अवधि (माह)
1	2026_RES_530586_1	मण्डला	मण्डला, बिछिया, मवई, घुघरी	50,000	1,000	24

निविदा की शर्तें :- 1. इस निविदा का उद्देश्य विभिन्न शासकीय योजनाओं / कार्यक्रमों के लिए सक्षम, अनुभवी एवं वित्तीय रूप से सक्षम एजेंसियों को सूची सूचीबद्ध (empanel) करने के लिए पात्र आवेदकों से निविदा आमंत्रित किया जाना है। Empanelment से किसी एजेंसी को किसी निश्चित कार्य, न्यूनतम कार्य मात्रा अथवा निश्चित भुगतान की गारंटी नही होगी। 2. निविदाकार व्यक्ति होने पर जिस जिले के लिए निविदा आमंत्रित की गई है उस जिले का निवासी होना चाहिये। 3. निविदाकार फर्म/कंपनी होने पर उसका पंजीकृत कार्यालय मध्यप्रदेश में तथा जिस जिले के लिए निविदा आमंत्रित की गई है उस जिले में संचालित कार्यालय होना चाहिये। 4. एजेंसी किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा वर्तमान में Blacklist / Debar नहीं होना चाहिये। 5. विभाग / सक्षम प्राधिकारी को शासन नियमों के अधीन किसी अथवा सभी निविदाओं को स्वीकार / अस्वीकार /निरस्त करने अथवा निविदा प्रक्रिया को पुन: आमंत्रित करने का अधिकार होगा। 6. अन्य आवश्यक निर्देश / शर्तें जो कि निविदा प्रपत्र (Tender Document) वर्णित/अंगित हैं।

(Critical Dates) :-

Published Date	27/08/2026 10:30 AM	Bid Opening Date	11/09/2026 11:30 AM
Document Download/Sale Start Date	27/08/2026 10:30 AM	Document Download /Sale End Date	09/09/2026 05:00 PM
Clarification Start Date	NA	Clarification End Date	NA
Bid Submission Start Date	27/08/2026 10:30 AM	Bid Submission End Date	09/09/2026 06:00 PM

Cover (लिफाफा) - A- 1. एजेंसी का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र या पंजीयन नवीनीकरण की रसीद । 2. पेन कार्ड की प्रति। 3. जीएसटी नंबर प्रमाण पत्र । 4. समान प्रकृति के कार्यों का अनुभव एवं निर्धारित वित्तीय क्षमता का प्रमाण पत्र परिशिष्ट "क" एवं "ख" 5. शपथ पत्र (Affidavit) परिशिष्ट "ग" 6. अधिकार-पत्र (Authorization letter) यदि लागू हो परिशिष्ट "घ" 7. पोर्टल से आनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने की ई- रिसिप्ट (स्वप्रमाणित प्रति) 8. अमानत राशि केवल ऑनलाईन (As per Tender website link Bank) ऑनलाईन के रूप में ही मान्य रहेगी। 9. अन्य आवश्यक दस्तावेज ।(जो लागू हो)

"स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

कार्यपालन यंत्री,
ग्रामीण यान्त्रिकी सेवा संभाग मण्डला एवं
सदस्य सचिव, जिला वॉश तकनीकी समिति जिला पंचायत मण्डला

G-17705/26

कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं सदस्य सचिव, जिला वॉश तकनीकी समिति, जिला पंचायत जबलपुर (.प्र.म)

ईमेल -eeresjabalpur@mp.gov.in अम्बेडकर चौक, जबलपुर पिन कोड : 482001 मो नंबर. 9131414293

पत्र क्र. 1420 2026 /ग्रायासे/निविदा-ई/ **निविदा आमंत्रण सूचना** जबलपुर दिनांक 12.08.2026

जिला वॉश तकनीकी समिति, जबलपुर द्वारा मध्यप्रदेश पंचायत (ग्रामीण नलजल योजना संचालन- संधारण एवं प्रबंधन) नियम, 2026 की कंडिका 12 के प्रावधानों के अंतर्गत ग्रामीण नल जल योजनाओं के वृहद मरम्मत, रख-रखाव एवं स्त्रोत तथा पाइप लाइन विस्तार कार्यों हेतु कंडिका 14 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों के अंतर्गत एजेंसियों को जनपद स्तर पर सूचीबद्ध (empanel) करने के लिए पात्र आवेदकों से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	टेण्डर नम्बर	जिले का नाम	जिले में जनपद पंचायतों की संख्या	सूचीबद्धता शुल्क (रु.)	निविदा दस्तावेज शुल्क (रु.)	सूचीबद्धता की अवधि (माह)
1	2026_RES_507532_1	जबलपुर	07	50,000	1,000	24

महत्वपूर्ण जानकारी: 1. निविदा से संबंधित सभी दस्तावेज मध्यप्रदेश शासन के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल (https://mptenders.gov.in) से देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं। 2. निविदा दस्तावेज शुल्क एवं सूचीबद्धता शुल्क मध्य प्रदेश शासन के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा करनी होगी। 3. निविदा से संबंधित बैठक, आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख तथा अन्य जरूरी तारीखों की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर देखी जा सकती है। 4. किसी भी कारण से आवेदन जमा करने में होने वाली देरी के लिए विभाग जिम्मेदार नही होगा। 5. जिले के प्रत्येक जनपद में अधिकतम 5 निविदाकारों को सूचीबद्ध किया जाएगा। 6. एक निविदाकार को जिले के अधिकतम 2 जनपदों में ही सूचीबद्ध किया जासकेगा। 7. कार्यालय को किसी भी आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार करने तथा आवश्यकता पड़ने पर पूरी निविदा प्रक्रिया को निरस्त करने का अधिकार होगा। इस संबंध में कार्यालय द्वारा कारण बताना आवश्यक नहीं होगा। 8. उपरोक्त निविदा के निविदा प्रपत्र वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकेगें । निविदा प्रपत्र क्रय करने की दिनांक 27.08.2026 से प्रारंभ होकर दिनांक 11.09.2026 शाम 5:30 बजे तक निर्धारित है। निविदा कवर 'अ' (Cover-1) ऑनलाईन ही जमा/अपलोड (Submit) करने होगें । निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है। 9. संशोधन संबंधी सभी सूचनाएं केवल वेबसाइट पर ही अपलोड की जावेगी। पृथक से पेपर में प्रकाशित नहीं की जावेगी। समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतिक्षा न करें वेबसाईट में किसी प्रकार की असुविधा के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

(Critical Dates) :-

Published Date	27/08/2026 10:00 AM	Bid Opening Date	12/09/2026 10:00 AM
Document Download/Sale Start Date	27/08/2026 10:00 AM	Document Download /Sale End Date	11/09/2026 06:00 PM
Clarification Start Date	NA	Clarification End Date	NA
Bid Submission Start Date	27/08/2026 10:00 AM	Bid Submission End Date	11/09/202606:00 PM

"स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

(सुमित शुक्ला)
कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यान्त्रिकी सेवा एवं
सदस्य सचिव, जिला वाश तकनीकी समिति जिला पंचायत, जबलपुर (म.प्र.)

G-17742/26

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

E-mail- modgmanu@mp.gov.in

क्र. / / खनिज/2026/ — **संशोधित प्रथम सूचना** — अनूपपुर, दिनांक:-

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18 (1 - क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा आवेदन प्राप्त करने के लिए,

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक Shri RAMESH KUMAR RAI S/O JAGANNATH RAI WARD NO, 9 JAITHARI ROAD ANUPPUR TEHSIL ANUPPUR DISTRICT ANUPPUR (M.P.). द्वारा उत्खनिपटटा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 12/08/2026 को प्रस्तुत किया गया है । दिनांक 25/09/2026 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थिति उत्खनिपटटा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई - खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे ।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
अनूपपुर	पुष्पराजगढ	नौगई	156/1/3, 156/13/2, 156/2/2, 156/6/2, 156/11/2, 159/3/6, 159/3/8, 159/3/4	3.950	(निजी भूमि)	बोल्डर एवं गिट्टी	आवेदन

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा । 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि मे प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिजनियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा । 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा । 5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा ।

उप संचालक
(खनि प्रशासन)
जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

G-17719/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

राशिफल

मेष — संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष — खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या — कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय

वृश्चिक — संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर — आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि

मीन — किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 6329

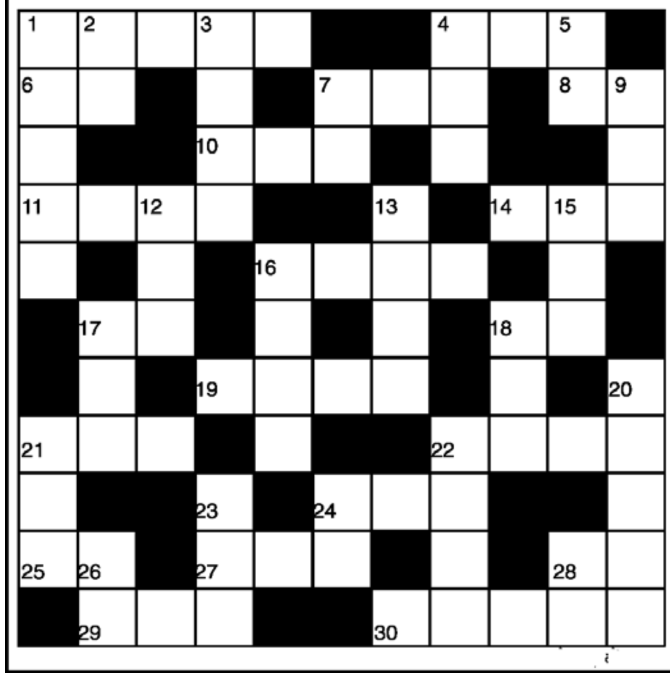

बाएँ से दाए-
1. पद्माकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -6328 का हल

सूडोकु नवताल - 6339

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6338 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

फैटी लिवर अब केवल बड़ों की बीमारी नहीं रह गई है। आजकल बच्चों और किशोरों में भी नॉन-अल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस बारे में प्रिकॉशन बरतने की बहुत जरूरत है।

अनहेल्दी डाइट-इनएक्टिव लाइफस्टाइल

बच्चों में बढ़ा रहा फैटी लिवर

हेल्थ सजेशन

डॉ. अमित गुप्ता

सीनियर कंसल्टेंट

पीडियाट्रिशियन एंड नियोनेटोलॉजिस्ट

मदरहुड हॉस्पिटल्स, नोएडा

यह चिंताजनक है कि भारतीय बच्चों में फैटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। बढ़ता मोटापा, प्रोसेस्ड और ज्यादा चीनी वाले खाद्य पदार्थों का सेवन, मीठे पेय पदार्थ, व्यायाम की कमी और लंबे समय तक स्क्रीन देखने की आदत इसके मुख्य कारण हैं। पिछले कुछ वर्षों में बच्चों में फैटी लिवर के मामलों में स्पष्ट वृद्धि देखी गई है। अधिक वजन वाले लगभग हर पांच में से एक बच्चे में फैटी लिवर के लक्षण हो सकते हैं।

समस्या के कारण-लक्षण: इसके शुरुआती चरण में आमतौर पर कोई लक्षण नहीं दिखते, लेकिन कुछ बच्चों में थकान, पेट में असहजता या अचानक वजन बढ़ने जैसी शिकायतें हो सकती हैं। समय पर इलाज और जीवनशैली में बदलाव से इस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, फैटी लिवर का संबंध बचपन के मोटापे से काफी गहरा है। इसके साथ ही हाई ब्लड शुगर, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं भी देखने को मिल सकती हैं। यह जरूरी नहीं कि केवल मोटे बच्चों को ही फैटी लिवर हो। कई बार सामान्य दिखने वाले बच्चों में भी पेट के आस-पास अतिरिक्त चर्बी, खराब खान-पान और कम शारीरिक गतिविधि के कारण यह समस्या हो सकती है।

जीवनशैली में सुधार जरूरी: बच्चों में फैटी लिवर के लिए कोई विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। इसका सबसे प्रभावी इलाज संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना है। अच्छी बात यह है कि यदि बीमारी का पता शुरुआती चरण में चल जाए, तो इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। बच्चों को रोज कम से कम 60 मिनट शारीरिक गतिविधि या खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करें। पर्याप्त नींद और सीमित स्क्रीन टाइम भी बेहद जरूरी है।

बच्चों की डाइट हो सही: फैटी लिवर की रोकथाम घर से ही शुरू हो सकती है। माता-पिता बच्चों को फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त संतुलित भोजन दें। जंक फूड, मीठे पेय पदार्थ और पैकेट वाले स्नैक्स का सेवन कम करें। जिन बच्चों का वजन अधिक है, जिन्हें डायबिटीज है या जिनके परिवार में मेटाबॉलिक बीमारियों का इतिहास है, उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए।

बरतें जरूरी सावधानियां: विशेषज्ञों के अनुसार, यदि बच्चा अधिक वजन का है, पेट के आस-पास चर्बी जमा है, परिवार में मोटापा या डायबिटीज का इतिहास है या वह नियमित रूप से जंक फूड और मीठे पेय पदार्थों का सेवन करता है, तो माता-पिता को विशेष सतर्क रहने की जरूरत है। लगातार थकान, पेट में परेशानी या बिना कारण वजन बढ़ना भी इस समस्या का संकेत हो सकते हैं। हालांकि शुरुआती अवस्था में यह बीमारी अकसर बिना किसी लक्षण के रहती है, इसलिए, जोखिम वाले बच्चों की समय-समय पर जांच कराना महत्वपूर्ण है।

डॉक्टरों का कहना है कि बचपन में बढ़ता मोटापा और शारीरिक गतिविधियों की कमी, बच्चों में फैटी लिवर के बढ़ते मामलों की सबसे बड़ी वजहें हैं। अनुमान है कि अधिक वजन वाले लगभग 30 प्रतिशत बच्चों में फैटी लिवर होने का खतरा रहता है, लेकिन शुरुआती चरण में लक्षण न होने के कारण कई मामलों का पता नहीं चल पाता। जागरूकता, स्वस्थ खान-पान, आउटडोर गतिविधियों को बढ़ावा और समय पर चिकित्सकीय सलाह से भविष्य में लिवर से जुड़ी गंभीर बीमारियों के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

बरसात का मौसम आमतौर पर बहुत सुहावना होता है, लेकिन इस दौरान मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ने लगती है। मच्छर अपने साथ कई तरह की गंभीर बीमारियां लेकर आते हैं, जो कई बार जानलेवा भी साबित होती हैं। इससे बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इनसे संक्रमित होने पर क्या करना चाहिए, इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

मच्छरों के काटने से हो सकती हैं कई तरह की खतरनाक बीमारियां

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. रविंद्र गुप्ता

सीनियर कंसल्टेंट फिजिशियन

सी.के. बिड़ला हॉस्पिटल, गुरुग्राम

बरसात का मौसम मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल माना जाता है। दरअसल बारिश का पानी लोगों के घरों के आस-पास के गड्ढों, गमलों, कूलर या घर के किसी हिस्से में रखे कबाड़ में जमा होने लगता है। इसी गंदे पानी में मच्छरों के अंडे और लार्वा तेजी से विकसित होने लगते हैं। वातावरण में बहुत ज्यादा ह्यूमिडिटी (उमस) और नमी होने के कारण जहां एक ओर मच्छर लंबे समय तक जीवित रहते हैं, वहीं उनकी प्रजनन क्षमता बढ़ने के कारण उनकी संख्या भी बहुत तेजी से बढ़ती है। बरसात के मौसम में मच्छरों से सबसे अधिक डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया बीमारियों के होने का खतरा रहता है। डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छर साफ पानी में पनपते हैं, जबकि मलेरिया के मच्छर जमा गंदे पानी में पनपते हैं।

डेंगू होने के कारण और लक्षण

एडिज नामक मादा मच्छर के काटने से डेंगू होता है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि डेंगू का मच्छर दिन में ही काटता है और यह जमीन से केवल 2 फीट की उंचाई तक ही उड़ पाता है। अतः इससे बचाव के लिए ऐसे कपड़े पहनें, जिनमें आपके पैर पूरी तरह ढंके हों। आमतौर पर मच्छर काटने के चार से छह दिनों के बाद इस बीमारी के लक्षण नजर आने लगते हैं। आठ-दस दिनों तक लगातार बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में तेज दर्द जैसे लक्षण नजर आते हैं। इसके अलावा थकान, जी मिचलाना, वॉमिटिंग और त्वचा पर लाल रंग के चकत्ते जैसे लक्षण भी नजर आते हैं। गंभीर मामलों में प्लेटलेट्स तेजी से नीचे गिरना, नाक या मसूड़ों से खून गिरना और सांस लेने तकलीफ जैसे लक्षण भी नजर आते हैं। मरीज की ऐसी अवस्था को डेंगू शॉक सिंड्रोम कहा जाता है। ऐसी स्थिति में मरीज को बिना देर किए नजदीकी अस्पताल ले जाना चाहिए।

बचाव-उपचार: घर की छत, बालकनी या आंगन में खाली बर्तन, गमला, बाल्टी या कोई ऐसी चीजें न रखें, जहां पानी जमा होने या मच्छर पनपने का खतरा हो। अपने घर के घर कोने की नियमित सफाई करें। इस मौसम में घर के भीतर इंडोर प्लांट न रखें। खिड़कियों और दरवाजे पर जाली वाले डबल डोर की व्यवस्था रखें। मच्छर भगाने वाले स्प्रे या लोशन का इस्तेमाल करें। बेहतर यही होगा कि रात को सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। अपने घर के आस-पास सामुदायिक स्तर पर फॉगिंग की व्यवस्था करें। पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें। अगर घर में बच्चे हैं तो उनकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

डेंगू के लक्षण दिखने पर सबसे पहले अपने नजदीकी अस्पताल में डेंगू एस-1 नामक जांच कराएं। इससे बीमारी का पता चल जाता है। अगर बुखार जैसे लक्षणों के साथ प्लेटलेट्स की संख्या 20,000 से कम होती है तो इसे खतरे का संकेत माना जाता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर 48 घंटे के अंतराल पर दोबारा प्लेटलेट्स काउंट की सलाह देते हैं। कई बार मशीन की काउंटिंग और मैनुअल काउंटिंग तरीके से किए गए काउंटिंग के रिजल्ट में काफी अंतर आता है क्योंकि जब कई प्लेटलेट्स आपस में चिपके होते हैं तो मशीन अपनी गिनती में कई प्लेटलेट्स को भी एक ही काउंट करता है, ऐसी स्थिति में डॉक्टर मैनुअल काउंटिंग के रिजल्ट को अधिक विश्वसनीय मानते हैं। अगर बुखार हो तो अपने मन से कोई दवा न लें, इससे तबियत और ज्यादा बिगड़ सकती है। आराम करें, अधिक मात्रा में नारियल पानी, नीबू पानी और जूस जैसे तरल पदार्थों का सेवन करें। निरंतर डॉक्टर के संपर्क में रहें और सभी निर्देशों का पालन करें। ज्यादा गंभीर स्थिति में मरीज को अस्पताल में भर्ती कराके अलग से प्लेटलेट्स चढ़ाने की जरूरत पड़ती है।

डेंगू से जुड़े भ्रम से बचें: केवल प्लेटलेट्स का घटना डेंगू का लक्षण नहीं होता और न ही केवल प्लेटलेट्स चढ़ाना डेंगू का एकमात्र उपचार है। आमतौर पर आराम करने और तरल पदार्थों का सेवन करने के बाद शरीर में इनकी संख्या अपने आप बढ़ जाती है। प्लेटलेट्स काउंट को लेकर भी व्यक्ति के मन में काफी डर बना हुआ है। अगर इसकी संख्या 20,000 से नीचे पहुंच जाए तभी व्यक्ति अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत महसूस होती है, अन्यथा पानी, जूस, छाछ जैसे तरल पदार्थों का सेवन करके इस स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। आमतौर पर यह धारणा प्रचलित है कि पपीते के पत्ते का रस या बकरी के दूध के सेवन से प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से बढ़ती है, लेकिन इस बात का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। इसलिए बेहतर यही होगा कि डेंगू के लक्षण नजर आने पर डॉक्टर से सलाह लें और उनके निर्देशों का पालन करें।

मलेरिया के कारण-लक्षण

यह बीमारी मुख्य रूप से मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलती है। डेंगू के विपरीत यह मच्छर दिन के बजाय रात में काटता है। इसके काटने के 7 से 30 दिनों के बाद इसके लक्षण नजर आ सकते हैं। ठंड लगना, कंपकंपी के साथ तेज बुखार, जो कई बार 47 से 72 घंटे की अवधि में बारी-बारी से चढ़ता-उतरता रहता है। इस दौरान बुखार उतरते समय ज्यादा पसीना आना, मांसपेशियों में दर्द और वॉमिटिंग जैसी समस्या हो सकती है। इसके अलावा सांस लेने में तकलीफ के साथ गंभीर मामलों में किडनी और लिवर फेल होने की समस्या भी हो सकती है।

बचाव और उपचार: इससे बचाव के लिए घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। मच्छर नाशक स्प्रे का छिड़काव करें, गर्भवती महिलाओं और बच्चों का विशेष ध्यान रखें। इसके उपचार के लिए मलेरिया रोधी दवाओं की मदद ली जाती है। इस मौसम में बुखार होने पर बिना देर किए, डॉक्टर से सलाह लें। इस बात का ध्यान रखें कि उपचार बीच में अधूरा न छोड़ें, इससे दोबारा बुखार होने की आशंका रहती है। अगर सही समय पर उपचार मिल जाए तो मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो जाता है।

चिकनगुनिया के कारण-लक्षण

यह बीमारी एडिज एजिप्टी और एडिज एल्बोपिक्ट्स नामक मच्छर के काटने से फैलती है। ये मच्छर मुख्यतः सुबह या दोपहर के बाद काटते हैं। ये भी रुके हुए पानी में अंडे देते हैं। इनके काटने के अचानक तेज बुखार, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, त्वचा पर रैशेज और जी मिचलाने जैसी समस्या होती है। बुखार उतर जाने के बाद भी जोड़ों का दर्द कई महीनों तक बना रहता है। बहुत अधिक कमजोरी भी रोगी को महसूस होती है।

बचाव और उपचार: मच्छरों के पनपने को रोकने के लिए सभी उपाय इस रोग से भी बचाने में कारगर हैं। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए डॉक्टर आमतौर पर बुखार उतारने और जोड़ों का दर्द दूर करने की दवाएं देते हैं। ऐसी समस्या होने पर अपने मन से पेनकिलर लेने की गलती न करें, यह किडनी के लिए नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर यही होगा कि आप डॉक्टर के सभी निर्देशों का पालन करें। *

प्रस्तुति: विनीता

मच्छरों से होने वाली अन्य बीमारियां

क्यूलेक्स नामक मच्छर के काटने से जापानी इंसेफलाइटिस नामक बुखार होने का खतरा रहता है। इस प्रजाति के मच्छर ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में धान के खेतों के आस-पास पाए जाते हैं। इसके काटने के बाद होने वाला बुखार कई बार जानलेवा भी साबित होता है। मच्छर जनित यह बीमारी व्यक्ति के मस्तिष्क में सूजन पैदा करती है। बुखार के साथ वॉमिटिंग, सिरदर्द और गर्दन में अकड़न जैसी समस्या भी हो सकती है। ज्यादा गंभीर स्थिति होने पर मरीज बेहोश हो जाता है। इसके लिए कोई विशेष दवा नहीं है। केवल बुखार में दी जाने वाली दवाओं की मदद से डॉक्टर इसके लक्षणों को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा लिंफेटिक फाइलेरिया या हाथी पांव नामक बीमारी भी मच्छर के काटने होती है, इस बीमारी में मरीज का पैर हाथी की तरह सूज जाता है, इसलिए इसे हाथी पांव फाइलेरिया भी कहा जाता है। यह बीमारी वुचेरिया बैंक्रोफ्टी नामक धागे जैसी कृमि के कारण होती है। इस कृमि से संक्रमित व्यक्ति को जब मच्छर काटता है, तो मच्छर के अंदर माइक्रोफाइलेरिया का यह लार्वा चला जाता है और मच्छर के भीतर विकसित होकर संक्रामक रूप धारण कर लेता है। फिर वही संक्रमित मच्छर जब किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो संक्रामक लार्वा त्वचा के जरिए व्यक्ति के लिंफेटिक सिस्टम में पहुंच जाता है, यह लार्वा कृमि बनकर वर्षों तक व्यक्ति के शरीर में जीवित रहता है और उसके लिंफोटिक सिस्टम पर हमला कर देता है, जिससे उसके पैरों में सूजन आ जाती है। इसके लक्षण कई साल बाद भी नजर आ सकते हैं। फाइलेरिया से बचाव के लिए अभी कोई टीका उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसके उपचार के लिए दवाएं उपलब्ध हैं।

प्रिकॉशन

डॉ. श्रेया गुप्ता

कंसल्टेंट ऑफ्थेल्मोलॉजिस्ट

श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली

बारिश के मौसम में आंखों में होने वाला कॉमन वायरल या बैक्टीरियल इंफेक्शन है कंजंक्टिवाइटिस, जिसे आई फ्लू भी कहते हैं। ये कैसे होता है, इसके संक्रमण से कैसे बच सकते हैं और इसका उपचार क्या होता है? इस बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर डिटेल में बता रहे हैं।

आई फ्लू से बचाव के लिए आंखों की करें प्रॉपर केयर

बारिश और उमस के मौसम में आई फ्लू यानी आंखों का संक्रमण तेजी से फैल सकता है। इसे कंजक्टिवाइटिस भी कहा जाता है। इसमें आंखें लाल होने के साथ जलन, खुजली और पानी आने जैसी समस्या हो सकती हैं। कई बार आंखों में सूजन भी आ जाती है और ऐसा लगता है जैसे आंख में कुछ चला गया हो। यह संक्रमण बच्चों से लेकर बड़ों तक किसी को भी हो सकता है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल सकता है। खासतौर पर जब लोग संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आते हैं या उसकी इस्तेमाल की हुई चीजों को छूने के बाद अपनी आंखों को छूते हैं, तब संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए आंखों में अचानक लालिमा, ज्यादा पानी आने या चिपचिपा पदार्थ निकलने जैसे लक्षण दिखाई दें, तो इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

क्या है आई फ्लू: आई फ्लू आंख की बाहरी परत कंजक्टिवा में होने वाला संक्रमण है। यह संक्रमण वायरस या बैक्टीरिया के कारण हो सकता है। वायरल आई फ्लू ज्यादा कॉमन है और कई बार सर्दी-जुकाम के साथ भी हो सकता है। संक्रमित व्यक्ति की आंखों के संपर्क में आने, उसके तौलिए, रुमाल या तकिए जैसी चीजों का इस्तेमाल करने से भी संक्रमण फैल सकता है। इसके अलावा आंखों को छूने के बाद बिना हाथ धोए दूसरी चीजों को छूना और फिर उन्हीं हाथों से आंखों को छूना भी संक्रमण फैलने का एक कारण हो सकता है। यही वजह है कि आई फ्लू होने पर व्यक्तिगत साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। संक्रमित व्यक्ति को भी कोशिश करनी चाहिए कि वह बार-बार अपनी आंखों को न छुए और आंखों को छूने के बाद हाथ अच्छी तरह साबुन से धो लें।

आई फ्लू के प्रमुख लक्षण: आई फ्लू होने पर आंखों में लालिमा, पानी आना, जलन और खुजली हो सकती है। कई लोगों को आंख में कुछ पड़ा होने जैसा महसूस होता है और बार-बार आंखों को रगड़ने का मन करता है। आंखों से चिपचिपा या सफेद-पीला पदार्थ निकलने के कारण सुबह पलकें आपस में चिपक सकती हैं। कुछ मामलों में रोशनी देखने में परेशानी और आंखों के आस-पास हल्की सूजन भी हो सकती है। संक्रमण एक आंख से शुरू होकर दूसरी आंख तक भी पहुंच सकता है। कुछ लोगों में इसके साथ हल्की परेशानी या असहजता बनी रहती है, जबकि कुछ मामलों में लक्षण ज्यादा परेशान करने वाले हो सकते हैं। अगर आंखों की लालिमा लगातार बढ़ रही हो या नजर पर असर पड़ रहा हो तो डॉक्टर से जांच करानी जरूरी है।

कैसे करें बचाव: आई फ्लू से बचने के लिए सबसे जरूरी है हाथों की सफाई का ध्यान रखना। आंखों को बार-बार हाथ न लगाएं और आंखों को रगड़ने से बचें, क्योंकि इससे संक्रमण और जलन दोनों बढ़ सकते हैं। संक्रमित व्यक्ति का तौलिया, रुमाल, तकिया, आई मेकअप या कॉन्टैक्ट लेंस साझा न करें। अगर परिवार में किसी को आई फ्लू है तो उसके इस्तेमाल की चीजों को अलग रखें और कोशिश करें कि संक्रमित व्यक्ति की आंखों से निकलने वाले पानी या डिस्चार्ज के सीधे संपर्क में न आएं। बार-बार हाथ धोना संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद करता है। स्कूल जाने वाले बच्चों में भी इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि बच्चों के बीच संक्रमण तेजी से फैल सकता है। आंखों को छूने से पहले और बाद में हाथ साफ रखना सबसे आसान और प्रभावी बचाव के तरीकों में से एक है।

आई फ्लू होने पर क्या करें: आई फ्लू के ज्यादातर वायरल मामलों में संक्रमण कुछ दिनों में अपने आप ठीक हो सकता है। इस दौरान आंखों को नियमित रूप से धोना, आंखों को न रगड़ना, व्यक्तिगत सामान साझा न करना और डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा या आई ड्रॉप इस्तेमाल न करना संक्रमण से बचाव में मददगार हो सकता है। अगर घर में किसी सदस्य को आई फ्लू हो गया है तो बाकी लोगों को भी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आंखों में लगातार परेशानी, दर्द या नजर में बदलाव होने पर समय गंवाए बिना डॉक्टर से संपर्क करना ही सबसे सुरक्षित तरीका है। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

अगर आंखों में बैक्टीरियल इन्फेक्शन है तो डॉक्टर की सलाह के अनुसार आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल करें। आंखों में बिना सलाह के एंटीबायोटिक या स्टेरॉयड वाली ड्रॉप न डालें, क्योंकि हर तरह के आई फ्लू में एक जैसी दवा की जरूरत नहीं होती। आंखों पर साफ कपड़े से ठंडी पट्टी रखने से जलन और असहजता में राहत मिल सकती है। अगर कॉन्टैक्ट लेंस का इस्तेमाल करते हैं तो संक्रमण के दौरान इसे पहनने से बचें। आंखों को साफ रखने के लिए डॉक्टर की सलाह का पालन करें और किसी दूसरे व्यक्ति की इस्तेमाल की हुई आई ड्रॉप अपनी आंखों में न डालें। अगर लक्षण लगातार बने रहें या बढ़ते जाएं तो खुद से इलाज करने के बजाय आंखों के डॉक्टर से जांच कराना बेहतर है।

बिल्कुल ना बरतें लापरवाही: आई फ्लू या कंजंक्टिवाइटिस होने पर अगर आंखों में तेज दर्द हो, दिखाई देने में परेशानी हो, रोशनी बिल्कुल सहन न हो, आंखों में ज्यादा सूजन हो या समस्या लगातार बढ़ रही हो तो तुरंत आंखों के डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। खासकर बच्चों में लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही नहीं करनी चाहिए। अगर आंखों से ज्यादा डिस्चार्ज निकल रहा है, नजर धुंधली हो रही है या कुछ दिनों में लक्षणों में सुधार नहीं हो रहा है, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। कुछ अन्य आंखों की समस्याओं में भी लालिमा और दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं, इसलिए हर लाल आंख को सिर्फ आई फ्लू मानकर घर पर इलाज करना सही नहीं है। समय पर जांच कराने से सही कारण पता चल सकता है और जरूरत के अनुसार इलाज शुरू किया जा सकता है। याद रखें, आई फ्लू आम संक्रमण है, लेकिन इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। साफ-सफाई का ध्यान रखकर और संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर इसके फैलाव को काफी हद तक रोका जा सकता है।

यूएस ओपन : मिक्स्ड डबल्स में सेरेना-अल्काराज की जोड़ी का सफर समाप्त

क्वार्टरफाइनल में कोबोली और बेलिंडा से हारी दिग्गज जोड़ी

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्काराज का यूएस ओपन मिक्स्ड डबल्स का सफर क्वार्टरफाइनल में फ्लेवियो कोबोली और बेलिंडा बेनसिक से हारकर समाप्त हो गया। विलियम्स और अल्काराज की जोड़ी को 5-4(4), 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। विलियम्स और अल्काराज ने शुरुआत में कई गलतियां कीं, जिससे कोबोली और बेनसिक को फायदा मिला।

कोबोली ने टाई-ब्रेक में अपना दम दिखाया और ऐस लगाकर पहला सेट अपने नाम कर लिया। स्विस-इटैलियन जोड़ी दूसरे सेट में और भी जबरदस्त नजर आई। उन्होंने बिना किसी गलती के जीत हासिल की और अमेरिकी-स्पेनिश जोड़ी के सफर को समाप्त कर दिया। कोबोली और बेनसिक का सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स के खिलाफ मुकाबला होगा।

अल्काराज ने की शुरुआती थकान दूर

अलकाराज, जो चोट की वजह से अप्रैल से नहीं खेले थे, ने अपनी शुरुआती थकान को दूर किया और मैचिंग रॉयल पर्पल कपड़ों में कोर्ट पर गले मिलने से पहले फोरहैंड विनर से शुरुआती राउंड की जीत पक्की कर ली। विलियम्स ने कहा, यहां होना हमेशा शानदार है। मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मैं इस कोर्ट पर वापस आ पाऊंगी।

सेमीफाइनल में पति-पत्नी की जोड़ी

एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स दोनों यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कभी खिताब नहीं जीत पाए हैं लेकिन इस बार हो सकता है कि यह विवाहित जोड़ा एक साथ कोई ट्रॉफी जीत सके। पति-पत्नी की यह जोड़ी कैटेरीना सिनियाकोवा और हेनरी पैटन को 5-4 (6), 4-5 (3) (10-8) से हराकर मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। सेमीफाइनल में स्वितोलिना और मोनफिल्स का मुकाबला बेनसिच और कोबोली से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में मिरा एंड्रीवा और एंड्री रुबलेव का सामना कैरोलिना मुचोवा और जैकब मेनसिच से होगा। विजेता टीम को 10 लाख डॉलर मिलेंगे। संन्यास लेने से पहले अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेल रहे मोनफिल्स के लिए यह एक शानदार कमाई होगी, जिसे वह अपनी पत्नी के साथ साझा कर सकेंगे।

खबर संक्षेप

World Championship of Legends

डब्ल्यूसीएल का तीसरा सत्र 3 अक्टूबर से

नई दिल्ली। 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स' (डब्ल्यूसीएल) के तीसरे सत्र का आयोजन 3 से 18 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा। पहली बार यह टूर्नामेंट ब्रिटेन से से बाहर आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट को यूएई में स्थानांतरित करने के साथ आयोजकों का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंच बनाना है, साथ ही उन्होंने तीसरे चरण में अधिक दिग्गज खिलाड़ियों, रोमांचक प्रतिद्वंद्विताओं और मनोरंजन का वादा किया है। 'लीजेंड्स' क्रिकेट लीग के तीसरे सत्र में कई पूर्व अंतरराष्ट्रीय सितारे हिस्सा लेने वाले हैं। इनमें युवराज सिंह, एबी डिविलियर्स, ड्वेन ब्रावो, शाहिद अफरीदी, मोईन अली, डेविड वॉर्नर और मोहम्मद महमूदुल्लाह शामिल हैं। डब्ल्यूसीएल ने तीसरे सत्र के लिए बांग्लादेश चैंपियंस को शामिल करके अपनी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी का भी विस्तार किया है।

फुटबॉल अंडर-17 टीम के सहायक कोच बने एंड्रयूज

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने एंथनी एंड्रयूज को भारत की अंडर-17 महिला राष्ट्रीय टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है, जबकि जोआकिम एलेक्जेंडर्सन मुख्य कोच के रूप में बने रहेंगे। एंड्रयूज ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच के रूप में भी कार्यरत हैं और वह इस पद पर बने रहेंगे। वह ताशकंद में भारत अंडर-17 महिला टीम से जुड़ गए हैं, जहां टीम चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप 2027 के क्वालीफायर की तैयारियों के लिए गुरुवार और रविवार को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी।

क्वार्टर फाइनल में चोटरानी और सेंथिलकुमार

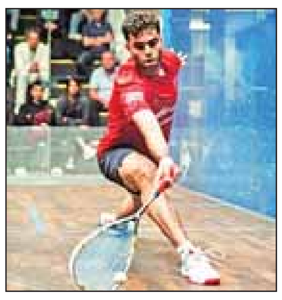

नई दिल्ली। भारत के वीर चोटरानी और वेलवन सेंथिलकुमार हंगरी की राजधानी में चल रहे 43,500 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए कॉपर टूर्नामेंट बुडापेस्ट स्क्वाश ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। विश्व में 38वें नंबर के खिलाड़ी और यहां तीसरी वरीयता प्राप्त चोटरानी ने पहले दौर में बाई मिलने के बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के रुई सोरेस को 13-11, 12-14, 11-9, 12-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और यहां आठवीं वरीयता प्राप्त सेंथिलकुमार ने जर्मनी के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी राफेल कांद्रा को 11-9, 6-11, 11-7, 11-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

कोलंबो टेस्ट : पहली पारी में श्रीलंका 290 रन पर ऑलआउट

फॉलोऑन खेलने उतरी श्रीलंकाई टीम गंवाए 6 विकेट, जीत के करीब भारत

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने कुछ समय तक डटकर मुकाबला किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने सही समय पर विकेट लेकर बुधवार को दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन मेजबान टीम के दूसरी पारी में स्टंप तक 229 रन तक 6 विकेट झटक लिए।

स्टंप तक सोनल दिनुषा 7 और केशारा नुवांथा 3 रन बनाकर क्रीज पर थे। जैसा कि अब इस मैच में आम हो गया है, शाम की बारिश और खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ा। अब भारत की कोशिश होगी कि पांचवें दिन मैच और सीरीज दोनों अपने नाम कर ले।

भारतीय गेंदबाजों का दबदबा

भारतीय गेंदबाजों के दबदबे से पहले पासिंदु सूरियाबंडारा (92) और कामिंदु मेंडिस (55) के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 115 रन की साझेदारी श्रीलंका की वापसी का मुख्य आधार रही। सूरियाबंडारा और मेंडिस ने तब मोर्चा संभाला जब श्रीलंका 63 रन तक दो विकेट खोकर संघर्ष कर रहा था। इन दोनों ने अगले 110 मिनट तक भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया। इस साझेदारी ने श्रीलंका को पहली पारी में 213 रन से पिछड़ने के बाद फॉलोऑन की स्थिति से उबरने में मदद की। हालांकि, उस दौरान श्रीलंका का प्रदर्शन पहली पारी की तुलना में काफी बेहतर था। पहली पारी में टीम 290 रन पर ऑलआउट हो गई थी और फॉलोऑन के स्कोर से सिर्फ 13 रन दूर रह गई थी।

दिनुशा ने लगाया श्रृंखला का अपना दूसरा शतक

सोनल दिनुशा ने श्रृंखला का अपना दूसरा शतक लगाते हुए 103 रन की पारी खेली थी। लेकिन सूरियाबंडारा और मेंडिस की साझेदारी की वजह से मैच पांचवें दिन तक खिंच गया जबकि उन्होंने दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा और कामिल मिशारा के विकेट जल्दी गंवा दिए थे। इन दोनों की साझेदारी बिल्कुल भी रक्षात्मक नहीं थी। दोनों बल्लेबाजों ने खुलकर बल्लेबाजी करते हुए गेंदबाजों पर लगातार दबदबा बनाया। मेंडिस ने मानव सुथार की गेंदों पर दो छक्के जड़े और बाएं हाथ के स्पिनर को दबाव बनाने का बिलकुल भी मौका नहीं दिया। फिर सूरियाबंडारा ने भी सुथार की गेंद पर स्लॉग-स्वीप करते हुए एक छक्का लगाया। इस सीरीज में पहली बार युवा स्पिनर सुथार संघर्ष करते नजर आए। मेंडिस ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद को पुल करते हुए छक्का लगाकर 87 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके कुछ ही समय बाद ही सूरियाबंडारा ने भी 78 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया।

डाइव लगाते समय चोटिल हुए सिराज

इस दौरान भारत के लिए चिंता की बात भी हुई क्योंकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज कैच लेने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गए। उन्हें चिकित्सा सहायता के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा, लेकिन कुछ समय बाद वह वापस लौट आए। दूसरे सत्र में सिराज ने छोटे रन-अप के साथ गेंदबाजी की। तीसरे दिन विकेटकीपिंग से दूर रहने के बाद वापस जिम्मेदारी संभालने वाले पंत भी कई मौकों पर विकेट के काफी करीब खड़े होकर विकेटकीपिंग करते नजर आए।

दिन के अंतिम सत्र ने बदला मैच का पूरा रुख

श्रीलंका ने चाय तक अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 199 रन बना लिए थे जिससे उसे पारी की हार से बचने के लिए महज 14 रन की दरकार थी। लेकिन दिन के अंतिम सत्र ने मैच का पूरा रुख बदल दिया और भारत ने तीन विकेट झटक लिए। कप्तान धनंजय डी सिल्वा सबसे पहले आउट हुए। वह सुथार की गेंद पर देवदत्त पडिक्कल के हाथों में लपके गए। सूरियाबंडारा अपने पहले टेस्ट शतक की ओर बढ़ते दिख रहे थे, लेकिन एक गलत फैसले ने उनकी पारी का अंत कर गया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सुथार की गेंद पर आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की। फिर सुथार ने इस हरकत को भांपते हुए बाहर की ओर गेंद डाली और पंत ने उनकी गिल्लियां बिखेरने में देर नहीं की। इस तरह सूरियाबंडारा 92 रन पर स्टंप आउट हो गए।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

बुमराह को पछाड़ स्टार्क नंबर वन गेंदबाज, पंत को फायदा

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बुधवार को टेस्ट क्रिकेटरों की रैंकिंग जारी की। गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल कर लिया है। बांग्लादेश के खिलाफ हाल में संपन्न टेस्ट सीरीज में मिचेल स्टार्क ने 12 विकेट लिए थे और प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। इसी प्रदर्शन की बदौलत आईसीसी की टेस्ट गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में स्टार्क ने 2 स्थान की छलांग लगाते हुए पहला स्थान हासिल किया है। जसप्रीत बुमराह इंजरी की वजह से श्रीलंका के खिलाफ भारत की 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। इसका असर उनकी रैंकिंग पर पड़ा है। वह एक स्थान नीचे खिसक कर दूसरे नंबर पर चले गए हैं।

हेनरी को एक स्थान का नुकसान

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह तीसरे स्थान पर आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह चौथे स्थान पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन एक स्थान के नुकसान के साथ पांचवें, दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा एक स्थान के फायदे के साथ छठे, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के नोमान अली आठवें, ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड नौवें और ऑस्ट्रेलिया के ही नाथन लियोन दो स्थान उपर चढ़कर दसवें स्थान पर आ गए हैं।

दलीप ट्रॉफी

नॉर्थ जोन ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, अब साउथ जोन से मुकाबला

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

जम्मू और कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर आबिद मुश्ताक ने नॉर्थ जोन के लिए खेलते हुए बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने मैच में 99 रन देकर 9 विकेट लेते हुए नॉर्थ जोन की वेस्ट जोन के खिलाफ जीत में बड़ी भूमिका निभाई। बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए दलीप ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल मुकाबले में नॉर्थ जोन ने रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली वेस्ट जोन को 52 रन से हरा दिया। चौथी पारी में वेस्ट जोन को जीत के लिए 287 रन की आवश्यकता थी, लेकिन वेस्ट जोन की पारी 234 रन पर सिमट गई और 52 रन से मैच हार गई। सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन का मुकाबला साउथ जोन से होगा। मैच 30 अगस्त से 2 सितंबर तक बीसीसीआई सीओई ग्राउंड 2 में खेला जाएगा।

आबिद मुश्ताक चुने गए प्लेयर ऑफ द मैच

वेस्ट जोन की पहली पारी 187 रन पर सिमट गई थी। सर्वाधिक 52 रन शम्स मुलानी ने बनाए थे। नॉर्थ जोन के लिए आबिद मुश्ताक ने 5, अर्शदीप सिंह ने 3 और अंशुल कंबोज ने 2 विकेट लिए थे। नॉर्थ जोन की दूसरी पारी 222 रन पर सिमट गई। आयुष बडोनी ने 50, निशांत संधु ने 44 और अब्दुल समद ने 30 रन की पारी खेली थी। वेस्ट जोन के लिए शम्स मुलानी और तनुष कोटियान ने 4-4 विकेट लिए। मुशीर खान ने 2 विकेट लिए थे। पहली पारी में मिले 64 रन की बढ़त के आधार पर नॉर्थ जोन ने वेस्ट जोन को जीत के लिए 287 रन का लक्ष्य दिया था।

वेस्ट के 6 विकेट 24 रन पर गिरे

मुशीर खान 96 और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के 66 के अलावा कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिका। वेस्ट ने अपने आखिरी 6 विकेट अंतिम 24 रन के अंदर गंवाए। नॉर्थ जोन के लिए आबिद मुश्ताक ने 4, निशांत संधु ने 2 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह, अंशुल कंबोज और सुनील कुमार ने 1-1 विकेट लिए। मैच पर नजर डालें तो नॉर्थ जोन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 251 रन बनाए थे। नौवें नंबर पर आकर अंशुल कंबोज ने सर्वाधिक 60 रन की पारी खेली थी। आयुष बडोनी ने 51 रन बनाए थे। वेस्ट जोन के लिए तनुष कोटियान और तुषार देशपांडे ने 4-4, जबकि मुकेश चौधरी और शार्दुल ठाकुर ने 1-1 विकेट लिए थे।

टॉप्स में शामिल सिंड्रेला और पायस

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के भारतीय टीम में चुनी गई युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी सिंड्रेला दास और पायस जैन को खेल मंत्रालय के 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' (टॉप्स) के विकास समूह में शामिल किया गया है। इसके अलावा सीनियर खिलाड़ी मनिका बत्रा के अगले महीने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए धनराशि के अनुरोध को भी मंजूरी दे दी गई है। कोलकाता की रहने वाली 17 वर्षीय सिंड्रेला ने इस साल की शुरुआत में थाईलैंड में एशियाई युवा चैंपियनशिप में लड़कियों के युगल में रजत पदक और लड़कियों के एकल में कांस्य पदक जीता था। घरेलू स्तर पर नहीं खेलने के कारण मनिका को एशियाई खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्हें सितंबर में बुल्गारिया और कजाकिस्तान में होने वाले डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) से धनराशि मिलेगी।

मयंक और प्रतीति ने जीता एशियाई जूनियर क्लासिकल शतरंज का खिताब

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारत के मयंक चक्रवर्ती और प्रतीति बोरदोलोई ने एशियाई जूनियर क्लासिकल शतरंज चैंपियनशिप में क्रमशः ओपन और लड़कियों के वर्ग का खिताब जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त मयंक ने नौ राउंड की ओपन चैंपियनशिप में 7.5 अंक हासिल करके स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रूस के आर्टेम पिंगिन ने सात अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि भारत के दक्ष गोयल ने 6.5 अंक बनाकर कांस्य पदक जीता। प्रतीति ने 9 राउंड में 7.5 अंक हासिल करके लड़कियों के वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दोहरी सफलता दिलाई। कजाकिस्तान की मारिया खोल्यावको उनसे आधा अंक पीछे रहकर रजत पदक जीतने में सफल रहीं, जबकि निवेदिता वीसी ने 6.5 अंक लेकर कांस्य पदक जीता। ओपन चैंपियन मयंक ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर एक और ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया।

कांस्य पदक विजेता दक्ष गोयल फिडे मास्टर बने। उन्होंने इंटरनेशनल मास्टर नॉर्म भी हासिल किया। महिला चैंपियन प्रतीति ने महिला इंटरनेशनल मास्टर का खिताब भी अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने महिला ग्रैंडमास्टर नॉर्म भी हासिल किया।

एशियाई खेल : 28 सितंबर को अपना अभियान शुरू करेगी भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम

सीधे क्वार्टर फाइनल से दहाड़ने को तैयार भारतीय क्रिकेट टीमें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम जापान में होने वाले एशियाई खेलों में 28 सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी जबकि महिला टीम 18 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी।

भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमें वरीयता प्राप्त हैं और सीधे क्वार्टर फाइनल से अभियान शुरू करेंगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पुरुष टीम और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली महिला टीम नागोया के पास कोरोगी एथलेटिक पार्क में होने वाली इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार हैं।

महिला टीम 18 सितंबर को जापान के खिलाफ खेलेगी अपना पहला मुकाबला

पुरुष क्रिकेट में भाग ले रहीं 10 टीमें

भारतीय टीम टूर्नामेंट में सीधा क्वार्टर फाइनल राउंड में उतरेगी। दरअसल, एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट में कुल 10 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें से 4 टीमों को बेहतर आईसीसी रैंकिंग के कारण डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल का टिकट दिया गया है। इस लिस्ट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका का नाम शामिल है। वहीं, अफगानिस्तान, जापान, नेपाल, हांगकांग, मलेशिया और ओमान ग्रुप स्टेज में खेलेंगी।

भारत ने पिछले सत्र में जीता था स्वर्ण पदक

भारत ने पिछले सत्र में दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीते थे। महिला वर्ग में भारत के क्वार्टर फाइनल प्रतिद्वंद्वी का फैसला पहले ही हो चुका है जबकि पुरुष टीम का सामना ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा। ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल शामिल हैं। महिला वर्ग का फाइनल 22 सितंबर को जबकि पुरुष वर्ग का खिताबी मुकाबला तीन अक्टूबर को खेला जाएगा। पुरुष वर्ग में भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका को वरीयता दी गई है। महिला वर्ग में कुल आठ टीमों को वरीयता दी गई है, जिसमें भारत भी शामिल है।

12 साल पुराने प्रकरण में आया अदालत का फैसला

शिवलिंग व नंदी छिपाने के मामले में पप्पू पहलवान बरी

जबलपुर। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी मेघा पुरोहित की अदालत ने 12 साल पहले चबूतरे से शिवलिंग व नंदी महाराज हटाकर छिपा दिए जाने के मामले में फैसला सुनाया।कोर्ट ने आरोपी जबलपुर निवासी राशन दुकान संचालक पप्पू पहलवान को दोषमुक्त कर दिया है। आरोपी की ओर से अधिवक्ता जीएस ठाकुर ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि अधारताल पुलिस ने 2014 में नागभूषण विश्वकर्मा की शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध किया था। महज संदेह के आधार पर पप्पू पहलवान को आरोपी बना लिया गया। इस वजह से स्थानीय राजनीति में सक्रिय उसके पुत्र जाफर सहित पूरे परिवार को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। एक ऐसा दाग लगा, जिससे पिछले 12 वर्ष से पूरा परिवार हलकान है। अभियोजन पप्पू पहलवान पर लगाए गए आरोप युक्तियुक्त संदेह से परे प्रमाणित करने में विफल रहा है। अभियोजन के अनुसार दो दिसंबर 2014 की रात करीब 12 बजे सम्मति नगर, अधारताल में नागभूषण विश्वकर्मा के मकान के सामने गृह निर्माण समिति की जगह पर बने शंकरजी के चबूतरे पर स्थापित शिवलिंग की पिंडी, जिलहरी और नंदी महाराज गायब हो गए थे। पप्पू पहलवान पर संदेह के कारण नामजद शिकायत की गई थी।

हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर ठाकुर ने किया विरोध

मंत्री विजय शाह के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति रोकना कोर्ट की अवमानना

जबलपुर। हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर का कहना है कि हाई कोर्ट अथवा सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कैबिनेट मंत्री विजय शाह के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति न देना विधि के शासन और न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 129 और 215 के तहत सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट कोर्ट आफ रिकार्ड हैं तथा आदेश की अवमानना पर कार्रवाई कर सकते हैं। अधिवक्ता ठाकुर ने कहा कि कंटेम्प्ट आफ कोर्ट्स एक्ट- 1971 के तहत न्यायालय के आदेश की जानबूझकर अवहेलना सिविल अवमानना हो सकती है। आदेश की अवहेलना के लिए संबंधित अधिकारी या प्राधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी हो सकते हैं। उन्होंने मप्र स्पेशल पुलिस इस्टैब्लिशमेंट बनाम मप्र शासन (2004) का हवाला देते हुए कहा कि पर्याप्त सामग्री के बावजूद अभियोजन स्वीकृति रोकना विधि के शासन के विपरीत है। सुब्रमण्यम स्वामी प्रकरण में भी स्वीकृति के प्रविधान को अनुच्छेद 14 के अनुरूप सीमित और निष्पक्ष तरीके से लागू करने पर जोर दिया गया है। अधिवक्ता ठाकुर ने मंसुखलाल विठ्ठलदास चौहान बनाम गुजरात राज्य (1997) का उल्लेख करते हुए कहा कि अदालत सक्षम प्राधिकारी को स्वीकृति पर निर्णय लेने का निर्देश दे सकती है, स्वयं स्वीकृति प्रदान करने का आदेश नहीं। उन्होंने बीएनएसएस की धारा 218 में 120 दिनों में निर्णय नहीं होने पर डीम्ड सैंक्शन के प्रविधान का भी उल्लेख किया।

40 किलो प्रतिबंधित एनालॉग मिल्क केक जब्त

पाटन और शहपुरा में खाद्य सुरक्षा टीम का छापा

मिठाई दुकानों से लिए गए 11 सैंपल

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार अमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री और अपमिश्रण पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं राजस्व अधिकारियों की संयुक्त टीम ने आज पाटन और शहपुरा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। जांच टीम ने पाटन की 5 प्रसिद्ध मिठाई और खोवा दुकानें जिसमें बड्डु स्वीट्स, संदीप खोवा, राजू स्वीट्स, जुगल स्वीट्स तथा मदन स्वीट्स का निरीक्षण कर मावा एवं मिठाइयों के 7 नमूने एकत्र किए। इस दौरान एक दुकान से प्रतिबंधित एनालॉग मिल्क केक का सैंपल लेते हुए 40 किलोग्राम मिल्क केक मौके से जब्त किया गया। जांच अभियान के दौरान शहपुरा के भेड़ाघाट चौराहा स्थित बीकानेर स्वीट्स की भी जांच कर मिठाइयों के 4 सैंपल लिए गए। पूरी कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने सभी विक्रेताओं को परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने और केवल उच्च गुणवत्ता वाली मिठाइयां व खाद्य पदार्थ ही बेचने की चेतावनी दी।

रक्षा बंधन पर लोक निर्माण मंत्री को बहिनों ने बांधा रक्षा सूत्र

बहनों का प्रेम और विश्वास मेरी सबसे बड़ी पूंजी : राकेश सिंह

जबलपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के सिविल लाइन स्थित निज निवास पर रक्षाबंधन उत्सव आयोजित हुआ। शहरभर से पहुंचीं लाड़ली बहनों एवं मातृशक्ति ने मंत्री राकेश सिंह को रक्षा सूत्र बांधकर स्नेह और आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर बहनों ने उन्हें 60 फीट की विशाल एवं आकर्षक राखी भी भेंट की। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि बहनों का आशीर्वाद, प्रेम और विश्वास उनकी सबसे बड़ी पूंजी और जनसेवा की प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का पर्व है। बहनें भाई की कुशलता व दीर्घायु की कामना करती हैं और भाई उनकी रक्षा का संकल्प लेता है। इतनी बड़ी संख्या में बहनों का आशीर्वाद मिलना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए जबलपुर की बहनों एवं मातृशक्ति के प्रति आभार जताया।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी परांजपे, जिपं अध्यक्ष आशा गोंटिया, जिला उपाध्यक्ष अलका गर्ग, रूपा राव, महिला मोर्चा अध्यक्ष आत्मिका सिंह, जनजाति मोर्चा अध्यक्ष संतोषी ठाकुर, रीना राय, अर्चना अग्रवाल, सीमा सिंह, मधुबाला राजपूत, लवलीन आनंद, मालती चौधरी, शारदा कुशवाहा, प्रिया संजय तिवारी, पूजा श्रीराम पटेल, सोनिया रंजीत सिंह, कविता रैकवार, किरण तोमर, पूनम प्रसाद, सीमा सिंह चौहान, सुमन यादव सहित सैकड़ों बहनों ने राकेश सिंह को राखी बांधी।

दीवार उठाकर आम रास्ता बंद करने पर रोक

जबलपुर। व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड संध्या गर्ग की अदालत ने एक मामले में वादी के पक्ष में राहतकारी अंतरिम आदेश पारित करते हुए मकान के सामने स्थित आम रास्ते को दीवार बनाकर बंद करने पर रोक लगा दी है।अदालत ने प्रतिवादियों को निर्देश दिया कि मामले के अंतिम निर्णय तक वे उक्त रास्ते में ईंट की दीवार बनाकर अथवा किसी अन्य तरीके से आवागमन में अवरोध उत्पन्न नहीं करेंगे। ठक्कर ग्राम, बाबा टोला निवासी मुकेश जाटव की ओर से अदालत को बताया गया कि वादी जिस मकान में निवास करता है, उससे संबंधित सभी दस्तावेज उसके पास उपलब्ध हैं। मकान के सामने आने-जाने के मार्ग का उल्लेख नक्शे में भी है।अधिवक्ताओं ने दलील दी कि इसके बावजूद प्रतिवादी सुरेश जाटव और रोशनी जाटव आम रास्ते को ईंट की दीवार खड़ी कर बंद करने का प्रयास कर रहे हैं। वादी द्वारा मना करने पर विवाद की स्थिति निर्मित हुई। आरोप है कि मारपीट के बाद जान से मारने की धमकी भी दी गई, जिसकी शिकायत हनुमानताल थाने में की गई है। वादी की ओर से आशंका जताई गई कि यदि रास्ते पर दीवार बनाने से नहीं रोका गया तो आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाएगा और गंभीर परेशानी उत्पन्न होगी। अदालत ने परिस्थितियों को प्रथम दृष्टया गंभीर मानते हुए अंतिम निर्णय तक अंतरिम राहत प्रदान की और रास्ते पर किसी भी प्रकार का अवरोध खड़ा करने पर रोक लगा दी।

रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी लगातार जारी रखने पर विशेष ध्यान

ईद व रक्षाबंधन को लेकर जीआरपी आरपीएफ ने चलाया संयुक्त चेकिंग अभियान

जबलपुर। ईद एवं रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए थाना जीआरपी जबलपुर और आरपीएफ ने रेलवे स्टेशन जबलपुर पर संयुक्त रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्लेटफार्म, प्रवेश-निकास द्वार, प्रतीक्षालय, सर्कुलेटिंग एरिया सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों और लावारिस सामान की जांच की गई। अभियान के दौरान आरपीएफ डॉग स्क्वॉड की मदद से भी विशेष चेकिंग की गई। जीआरपी एवं आरपीएफ ने यात्रियों से अपील की कि वे अपने सामान की स्वयं निगरानी रखें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस अथवा आरपीएफ को दें। पर्व के दौरान स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी लगातार जारी रखने की बात कही गई।

रक्षा मंत्री श्री सिंह करेंगे 450 करोड़ के ओवरहॉलिंग प्रोजेक्ट का भूमि पूजन

जबलपुर को रक्षा क्षेत्र में बड़ी सौगात

जबलपुर। भारतीय सैन्य शक्ति को सुदृढ़ करने और देश में रक्षा उत्पादन को नई दिशा देने के उद्देश्य से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 27 अगस्त को व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में आयोजित समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री श्री सिंह 450 करोड़ की लागत से स्थापित होने वाले टी-टैंक ओवरहॉलिंग प्रोजेक्ट का भूमि पूजन करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। इस ओवरहॉलिंग परियोजना से जबलपुर एक बार फिर देश के रक्षा मानचित्र पर अपनी सामरिक और औद्योगिक क्षमता सिद्ध करेगा। रक्षा मंत्रालय के इस प्रोजेक्ट से न केवल रक्षा उपकरणों की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, बल्कि महाकौशल क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अनेक नए अवसर भी सृजित होंगे।

ईओडब्ल्यू की कार्यप्रणाली पर हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने रायसेन जिले की वर्ष 2013 की साइकिल वितरण योजना से जुड़े कथित अनियमितता मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, ईओडब्ल्यू की कार्यप्रणाली पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने सवाल किया कि जब दो दिसंबर, 2021 को अभियोजन की मंजूरी मिल चुकी थी, तो वर्ष 2026 तक आरोप पत्र दाखिल क्यों नहीं किया गया। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनीन्द्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने ईओडब्ल्यू के महानिदेशक से व्यक्तिगत हलफनामा मांगा है। मामले में बरेली तहसील की सहायक शिक्षक सीमा धाकड़ और उमराव धाकड़ ने ईओडब्ल्यू की ओर से दर्ज प्राथमिकी को चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार वर्ष 2013 में छात्रों को साइकिल वितरण के लिए उनके खातों में राशि आई थी। संबंधित प्राचार्य ने राशि निकालकर लाभार्थियों को नकद दे दी थी। बाद में ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू की। सुनवाई में बताया गया कि अन्य सह-आरोपियों का विचारण आठ अगस्त, 2023 को समाप्त हो चुका है। वहीं याचिकाकर्ताओं के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दो दिसंबर, 2021 को मिल गई थी। इसके बावजूद वर्ष 2026 तक आरोप पत्र दाखिल नहीं हुआ। कोर्ट ने कहा कि इतनी लंबी देरी प्रथमदृष्टया जांच अधिकारी और संबंधित अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाती है व भ्रष्टाचार की आशंका पैदा करती है।

कोरोना काल में शुरू किया छोटा प्रयास आज बना आजीविका का साधन, पति और बेटे ने बढ़ाया हौसला

अमिता की रसोई बनी आत्मनिर्भरता की पहचान

जबलपुर। घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ अपने हुनर को रोजगार का माध्यम बनाकर महिलाएं आत्मनिर्भरता की राह बना सकती हैं। इसका प्रेरणादायक उदाहरण स्नेह नगर निवासी अमिता तिवारी ने पेश किया है। कोरोना काल में घर से शुरू किया गया उनका छोटा-सा प्रयास आज आजीविका का साधन बन चुका है। खास बात यह है कि इस सफर में उनके पति और बेटे ने भी कदम-कदम पर उनका साथ दिया।

अमिता ने कोरोना संक्रमण के दौर में घर पर रहते हुए कुछ नया करने का निर्णय लिया। इसी सोच के साथ उन्होंने "KITCHEN FROM HOME" के नाम से काम शुरू किया। शुरुआत में उन्होंने घर पर तैयार किए गए टिफिन, मिठाइयां और विभिन्न प्रकार के नाश्ते उपलब्ध कराना शुरू किया। भोजन में घर के स्वाद के साथ गुणवत्ता और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया।

धीरे-धीरे लोगों को उनके हाथ का स्वाद पसंद आने लगा और ग्राहकों का भरोसा बढ़ता गया। बढ़ते प्रतिसाद के साथ काम का दायरा भी विस्तारित होता गया। आज अमिता का यह प्रयास न केवल उनके लिए रोजगार का जरिया है, बल्कि परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

पढ़ाई के साथ मां के काम में हाथ बंटाता है बेटा

अमिता की सफलता में उनके बेटे की भूमिका भी उल्लेखनीय है। उसने अपनी पढ़ाई के साथ समय निकालकर मां के काम में सहयोग किया। टिफिन, मिठाई और नाश्ते की तैयारियों से लेकर जरूरत के अन्य कार्यों में भी वह मां का हाथ बंटाता है। पढ़ाई के साथ मां के काम में सहयोग करना उसके परिवार के प्रति लगाव और जिम्मेदारी को दर्शाता है।

पति ने दिया हर कदम पर साथ

अमिता के पति ने भी उनके इस प्रयास को आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग दिया। उन्होंने समय निकालकर जरूरी कामों में मदद की और हर कदम पर अमिता का उत्साह बढ़ाया। पति और बेटे के सहयोग से अमिता के लिए घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ अपना काम करना आसान हुआ।

महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा

अमिता तिवारी की कहानी उन महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते घर से बाहर जाकर काम नहीं कर पातीं। उन्होंने साबित किया कि घर की चारदीवारी के भीतर भी हुनर, मेहनत और लगन के बल पर रोजगार का रास्ता बनाया जा सकता है। अमिता का कहना है कि महिला के भीतर कुछ करने का जज्बा हो और परिवार का सहयोग मिले तो घर से शुरू किया गया छोटा-सा प्रयास भी आगे चलकर आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन सकता है। "Kitchen from Home" के जरिए उन्होंने अपने हुनर को पहचान दिलाने के साथ ही दूसरी महिलाओं को भी यह संदेश दिया है कि जिम्मेदारियों के बीच अपने सपनों को आकार देकर आत्मनिर्भर बना जा सकता है।

चार सप्ताह में कृषि विभाग से जवाब तलब

ईडब्ल्यूएस की 444 सीटें घटाकर 37 करने पर हाई कोर्ट सख्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कृषि विभाग की भर्ती प्रक्रिया में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, ईडब्ल्यूएस की सीटों में अचानक की गई कटौती पर गंभीर रुख अपनाया है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पदों पर भर्ती के लिए निर्धारित 444 ईडब्ल्यूएस सीटों को आवेदन की अंतिम तिथि के दिन घटाकर मात्र 37 किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने कृषि विभाग से जवाब मांगा है।

मामले में याचिकाकर्ता नर्मदापुरम निवासी मोहित सिंह परमार की ओर से दलील दी गई कि कृषि विभाग ने भर्ती प्रक्रिया में ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 444 सीटें निर्धारित की थीं। आवेदन की अंतिम तिथि 17 जुलाई, 2026 को शाम के समय इन सीटों की संख्या अचानक घटाकर 37 कर दी गई। याचिकाकर्ता ने इस बदलाव को चुनौती देते हुए इसे ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों के हितों के विपरीत बताया है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कृषि विभाग से पूछा कि ईडब्ल्यूएस की निर्धारित सीटों में इतनी बड़ी कटौती किस आधार पर की गई। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रतिवादी विभाग को चार सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण संबंधी नियमों का पालन आवश्यक है। बिना ठोस कारण के सीटों में कटौती से पात्र अभ्यर्थियों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। कोर्ट के निर्देश के बाद अब कृषि विभाग को सीटों में बदलाव का आधार स्पष्ट करना होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240